राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, शनिवार 29 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 104 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

साहिबगंज के जंगल में रक्षा सूत्र हाथ में लिए ग्रामीण

कुख्यात गैंगस्टर और उसके साथी के घर की कुर्की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। चर्चित विनीत तिवारी हत्याकांड में पलामू पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। हत्याकांड के मुख्य आरोपी कुख्यात गैंगस्टर प्रदीप तिवारी उर्फ महाकाल और उसके साथी राकेश तिवारी के घर की पलामू पुलिस ने कुर्की की। पलामू पुलिस ने प्रदीप तिवारी और राकेश तिवारी के घर की खिड़की-दरवाजों को उखाड़ दिया और घर के अंदर से कई सामानों को कुर्क किया है। बता दें कि 25 अप्रैल को मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के रेड़मा इलाके से विनीत तिवारी का अपहरण हुआ था। 26 अप्रैल को सदर थाना क्षेत्र के जोरकट के इलाके से विनीत तिवारी का शव बरामद हुआ था। विनीत तिवारी हत्याकांड में कुख्यात गैंगस्टर प्रदीप तिवारी उर्फ महाकाल उसके भाई दिलीप तिवारी के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज हुई थी। हत्याकांड में रौशन तिवारी, राकेश तिवारी, प्रशांत तिवारी का नाम अनुसंधान में जुड़ा था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दिलीप तिवारी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। बाद में पलामू पुलिस ने उत्तर प्रदेश के झांसी से प्रशांत तिवारी को गिरफ्तार किया था। बाद में रौशन तिवारी ने भी पलामू पुलिस के समक्ष सरेंडर कर दिया था। पलामू पुलिस ने इससे पहले सभी आरोपियों के घर पर इश्तेहार चिपकाया था। कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद पलामू पुलिस ने प्रदीप तिवारी उर्फ महाकाल और राकेश तिवारी के घर की कुर्की की।

रक्षाबंधन पर मुख्यमंत्री का संदेश, कहा-सम्मान और सुरक्षा से रिश्तों की मजबूती

बहनों का सम्मान और सशक्तिकरण ही मजबूत झारखंड की नींव : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रक्षाबंधन के पावन अवसर पर राज्यवासियों को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार देते हुए कहा कि यह पर्व केवल भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का प्रतीक नहीं है बल्कि परिवार और समाज को मजबूत बनाने वाली जिम्मेदारी, सम्मान और पारस्परिक भरोसे का भी संदेश देता है। उन्होंने कहा कि झारखंड की माताओं और बहनों का संघर्ष, त्याग और योगदान राज्य के स्वर्णिम इतिहास का अहम हिस्सा रहा है और उनके सशक्त होने से ही समाज का समग्र विकास संभव है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि रक्षाबंधन हमें यह याद दिलाता है कि रिश्तों की मजबूती केवल भावनाओं से नहीं बल्कि एक-दूसरे के सम्मान, सुरक्षा और अवसरों को सुनिश्चित करने से भी बनती है। यह पर्व भाई-बहन के अटूट स्नेह के साथ-साथ उस सामाजिक जिम्मेदारी को भी रेखांकित करता है, जो हर परिवार को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड की माताओं-बहनों ने हर दौर में संघर्ष करते हुए परिवार की जिम्मेदारियों को निभाया है। उन्होंने केवल अपने घरों को ही नहीं संभाला बल्कि राज्य के निर्माण और देश के विकास में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की मेहनत, साहस और समर्पण ने समाज को नई दिशा दी है। खेत-खलिहान से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार, सामाजिक नेतृत्व और विकास के विभिन्न क्षेत्रों में झारखंड की महिलाओं ने अपनी पहचान बनाई है। उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि

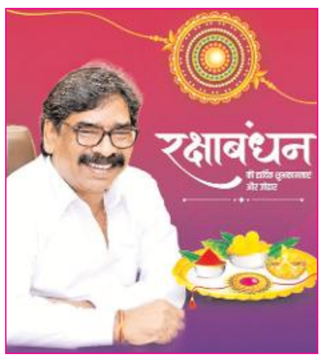

जब एक बेटी पढ़ती है और आगे बढ़ती है तो उसका प्रभाव केवल उसके जीवन तक सीमित नहीं रहता। उससे पूरा परिवार शिक्षित, जागरूक और सशक्त बनता है, वहीं समाज भी विकास की नई राह पर आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि बेटियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित माहौल और समान अवसर देना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है। शिक्षित और आत्मविश्वासी बेटियां भविष्य के मजबूत झारखंड की आधारशिला हैं। हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाएं माताओं और बहनों को सम्मानजनक जीवन, आत्मनिर्भरता और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने मंईयां सम्मान योजना, पलाश, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना और फूलो-झानो आशीर्वाद अभियान जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सहायता, स्वरोजगार के अवसर, शिक्षा को बढ़ावा और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। इन प्रयासों का उद्देश्य महिलाओं को अपने सपनों को साकार करने और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का अवसर देना है। मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन के अवसर पर राज्यवासियों से आह्वान किया कि इस पर्व को केवल परंपरा तक सीमित न रखें बल्कि इसे समाज में समानता, सम्मान और सशक्तिकरण के संकल्प से जोड़ें। उन्होंने कहा कि हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हमारी बेटियां पढ़ेंगी, हमारी बहनें आगे बढ़ेंगी और हमारी माताएं सशक्त होंगी। यही संकल्प झारखंड को और अधिक मजबूत, समृद्ध और प्रगतिशील बनाएगा। मुख्यमंत्री ने अंत में सभी राज्यवासियों को रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हर परिवार में प्रेम, विश्वास, सम्मान और खुशहाली लेकर आए तथा समाज को एकजुटता और सहयोग की नई प्रेरणा

संक्षिप्त समाचार

सीआइडी ने सचिवालय में तैनात कर्मी को उठाया

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में हुई धांधली को लेकर तीसरी बार सीआइडी ने गिरिडीह में दबिश दी है। इस बार भी बेंगाबाद इलाके में छापा मारा गया। यहां से सीआइडी द्वारा समीर कुमार नाम के शख्स को हिरासत में लिया गया है। पुलिस विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक सीआइडी की टीम गुरुवार रात बेंगाबाद पहुंची थी। यहां स्थानीय पुलिस के साथ समीर कुमार के घर पर गई और उसे हिरासत में लिया। साथ ही समीर कुमार से सीआईडी ने कई कागजात जब्त किए है।

नेपाल के हाइड्रो पावर प्लांट से पलामू का मजदूर लापता

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। नेपाल के बाणेश्वर स्थित हाइड्रो पावर प्लांट में काम कर रहे पलामू जिले के एक मजदूर के लापता होने से परिवार गहरे सदमे में है। हैदरनगर प्रखंड की बरडंडा पंचायत के बरवाडीह गांव निवासी महेंद्र विश्वकर्मा 26 अगस्त से परिवार के संपर्क में नहीं हैं। उनका मोबाइल लगातार बंद आ रहा है, जिससे घर में चिंता और अनहोनी की आशंका का माहौल है। परिजनों के अनुसार महेंद्र विश्वकर्मा इसी वर्ष मार्च महीने से नेपाल के बाणेश्वर स्थित हाइड्रो पावर प्लांट में फैब्रिकेटर के रूप में कार्यरत थे।

युवक पर धारदार हथियार से हमला

रांची(नबिटा ब्यूरो)। मेसरा के केदल मंडाटांड़ में बालेश्वर महतो के साथ मारपीट कर 50 हजार रुपये और जरूरी दस्तावेज छीनने का मामला सामने आया है। बालेश्वर महतो ने संजय लाल महतो, मोनिका देवी, अनुराग उर्फ साहुल महतो और प्रणव कुमार महतो पर मारपीट कर घायल करने और रुपये व जरूरी दस्तावेज छीनने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर उन्होंने बीआईटी थाना में लिखित शिकायत दी है। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

भाई को राखी बांधने जा रही महिला की सड़क हादसे में मौत, पति गंभीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। भाई को राखी बांधने जा रही एक महिला की सड़क हादसे में मौत हो गई है जबकि इस दुर्घटना में घायल उनके पति की हालत गंभीर बनी हुई है। पलामू के छतरपुर थाना क्षेत्र के सिलदाग की रहने वाली आरती देवी अपने पति रंगीला सिंह के साथ शुक्रवार को बाइक से भाई को राखी बांधने के लिए मायके जा रही थी। आरती देवी का मायका बरवाडीह इलाके में है। इसी क्रम में पलामू के नावाबाजार थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे 139 पर उनकी बाइक दुर्घटना का शिकार हो गई। दुर्घटना में रंगीला सिंह और उनकी पत्नी आरती देवी गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से दोनों को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड

हॉस्पीटल में भर्ती करवाया जहां डॉक्टरों ने आरती देवी को मृत घोषित कर दिया। घटना को लेकर नावाबाजार के थाना प्रभारी संजय कुमार यादव ने बताया सड़क हादसे में आरती देवी नामक महिला की मौत हुई है। पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल पहुंचे हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं भाई भी अस्पताल पहुंचे हैं। बता दें कि गुरुवार को भी पलामू में कई सड़क हादसे हुए थे और 24 घंटे के अंदर पांच लोगों की मौत हुई थी।

बाईपास निर्माण स्थल पर अपराधियों ने की फायरिंग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लोहरदगा। जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत महुआ टोली गांव के समीप बाईपास सड़क के लिए बन रहे पुल के निर्माण स्थल पर हथियारबंद दो अपराधियों ने तीन राउंड फायरिंग की। इस क्रम में एक गोली निर्माण स्थल पर तैनात गार्ड भूषण की बांह में जा लगी जबकि एजेंसी के कर्मचारी राजकुमार यादव पर अपराधियों ने दो राउंड फायरिंग की लेकिन वह बाल-बाल बच गया। घटना के बाद पुलिस ने जांच तेज करते हुए अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। अपराधियों ने निर्माण स्थल पर खड़े एक हाइवा में भी आग लगा दी है। बाईपास सड़क के निर्माणाधीन स्थल पर दो हथियारबंद अपराधी मुख्य सड़क से करीब डेढ़ किसी पैदल चलकर पहुंचे थे। उस समय एजेंसी का कर्मचारी पिकअप में सो रहा था। अपराधियों ने उसे जगाया और तत्काल वहां से चले जाने को

कहा। इसके बाद अपराधियों ने उसको निशाना बनाकर दो राउंड फायरिंग की। हालांकि दोनों गोली से राजकुमार बाल-बाल बच गया। इसके बाद अपराधियों ने निर्माण स्थल पर मौजूद गार्ड पर भी एक राउंड फायर किया। गोली लगने के बाद घायल गार्ड को तत्काल लोहरदगा सदर अस्पताल लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए उसे रिम्स रेफर कर दिया। फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी रत्नेश मोहन ठाकुर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं लोहरदगा एसपी सादिक अनवर रिजवी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जानकारी ली। पुलिस ने निर्माण स्थल पर मौजूद कर्मचारियों, गार्ड और अन्य लोगों से पूछताछ की। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि दोनों अपराधी पैदल ही निर्माण स्थल तक पहुंचे थे। उसके पास देसी कट्टा था और उसी से तीन राउंड फायरिंग की। पुलिस ने घटनास्थल से घटना से जुड़े साक्ष्यों को जुटाते हुए अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं। बाईपास निर्माण कार्य करा रही एजेंसी से पहले किसी तरह की रंगदारी या लेवी मांगे जाने की शिकायत नहीं मिली थी। ऐसे में अचानक हुई फायरिंग की घटना ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी है। घटना के बाद इलाके में पुलिस की सक्रियता बढ़ा दी गई है और संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। एसपी सादिक अनवर रिजवी ने बताया कि घटना को अपराधियों ने अंजाम दिया है और उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। बाईपास सड़क निर्माण स्थल पर हुई गोलीबारी ने निर्माण कार्य में लगे कर्मियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस फिलहाल घटना के पीछे अपराधियों की मंशा और फायरिंग के कारणों की जांच कर रही है।

तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिले के तोपचांची थाना क्षेत्र से शुक्रवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया। रंगलीटांड स्थित एक तालाब में नहाने के दौरान तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में दो बच्चियां और एक बच्चा शामिल हैं। बताया जा रहा है कि एक बच्ची को डूबता देख उसे बचाने की कोशिश में बाकी दोनों बच्चे भी गहरे पानी में चले गए और तीनों की जान चली गई। इस हादसे के बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं गांव में मातम पसरा हुआ है और हर कोई इस घटना से स्तब्ध है। इंसानियत का सबसे क्रूर मजाक यही है कि मदद करने दौड़े बच्चे खुद मौत के शिकार हो गए। घटना तोपचांची थाना क्षेत्र के रंगलीटांड की है। मृतकों की पहचान रलझल, कुंदरो और आभा के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार तीनों बच्चे अक्सर गांव के इसी तालाब में नहाने जाते थे। शुक्रवार को भी वे रोज की तरह नहाने पहुंचे थे। किसी ने नहीं सोचा था कि यह सामान्य दिन कुछ ही मिनटों में मातम में बदल जाएगा। बताया जा रहा है कि नहाने के दौरान एक बच्ची अचानक गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी। उसे तड़पता देख बाकी दोनों बच्चे बिना देर किए उसे बचाने के लिए पानी में उतर गए। लेकिन तालाब की गहराई उनके लिए जानलेवा साबित हुई। तीनों बच्चे गहरे पानी में फंस गए और देखते ही देखते डूब गए। यह पूरा घटनाक्रम इतनी तेजी से हुआ कि आसपास मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग तुरंत तालाब में कूदे और काफी मशक्कत के बाद तीनों बच्चों को बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें आनन-फानन में धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। परिवार को आखिरी उम्मीद थी कि शायद बच्चों की सांसें बच जाएं। लेकिन अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही तोपचांची थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह हादसा तालाब में नहाने के दौरान गहरे पानी में चले जाने के कारण हुआ है। पुलिस आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटा रही है। एक साथ तीन बच्चों की मौत से रंगलीटांड गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घरों में चीख-पुकार गूंज रही है और पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया है। यह हादसा एक बार फिर खुले और असुरक्षित जलाशयों के आसपास बच्चों की निगरानी की जरूरत की याद दिलाता है। कुछ मिनटों की लापरवाही और गहरे पानी का एक कदम तीन मासूम जिंदगियां हमेशा के लिए छीन ले गया।

रक्षाबंधन पर होटवार जेल पहुंचीं बहनें, भाइयों की कलाई पर बांधी राखी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर भाई-बहन के अटूट रिश्ते की भावनात्मक तस्वीर रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में देखने को मिली। अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए बड़ी संख्या में बहनें जेल पहुंचीं। राज्य के अलग-अलग जिलों और क्षेत्रों से बहनें राखी और मिठाई लेकर अपने बंदी भाइयों से मिलने पहुंचीं। जेल प्रशासन के अनुसार 3000 से अधिक बहनों ने जेल में बंद अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। सुबह से ही होटवार जेल के बाहर बहनों की भीड़ जुटने लगी थी। हाथों में रंग-बिरंगी राखियां और मिठाई लिए बहनें अपने भाइयों से मिलने के लिए अपनी बारी का इंतजार करती नजर आईं। कई बहनें लंबी दूरी तय कर अपने भाइयों के पास पहुंची थीं। भाई से मिलने की खुशी और भावनाएं उनके चेहरों पर साफ नजर आईं। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी, मिठाई खिलाई और उनके अच्छे स्वास्थ्य, लंबी उम्र तथा बेहतर भविष्य की कामना की। रक्षाबंधन को लेकर जेल प्रशासन की ओर से भी विशेष व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा जांच और निर्धारित प्रक्रिया के बाद बहनों को जेल परिसर में प्रवेश दिया गया। इसके बाद उन्हें अपने भाइयों से मुलाकात करने और राखी बांधने का अवसर मिला। पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया। जेलर लवकुश कुमार ने बताया कि रक्षाबंधन के मौके पर बहनों के जेल पहुंचने और राखी बांधने का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया था। उन्होंने कहा कि जेल प्रशासन की ओर से बहनों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्था की गई है। राखी बांधने पहुंची एक बहन ने कहा कि वह प्रत्येक वर्ष रक्षाबंधन पर अपने भाई को राखी बांधने के लिए आती हैं। उनका कहना था कि भाई की कलाई राखी के दिन सूनी न रहे, यही उनकी इच्छा होती है। उन्होंने अपने भाई की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। हर वर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर रांची जेल प्रशासन की ओर से बंदियों की बहनों के लिए विशेष मुलाकात की व्यवस्था की जाती है। इस दिन जेल की चहारदीवारी के बीच भी भाई-बहन के रिश्ते की गर्माहट देखने को मिलती है। बहनों के लिए यह सिर्फ राखी बांधने का अवसर नहीं बल्कि अपने भाइयों के साथ भावनाएं साझा करने और उनके सुखद भविष्य की कामना करने का दिन भी रहा।

कृषि और पशुपालन में तकनीकी सहयोग पर मंथन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने शुक्रवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान विशेष रूप से कर्नाटक और झारखंड के बीच कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग और किसानों के लिए नई तकनीकों के आदान-प्रदान पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा पशुधन प्रबंधन, दुग्ध उत्पादन एवं प्रसंस्करण, सहकारिता मॉडल, कृषि प्रसंस्करण और किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि कर्नाटक ने कृषि, पशुपालन, दुग्ध क्षेत्र और सहकारिता के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। इन सफल

मॉडलों से झारखंड के किसानों, पशुपालकों और सहकारी संस्थाओं को जोड़ने की दिशा में दोनों राज्यों के बीच बेहतर समन्वय और अनुभवों का आदान-प्रदान महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। मंत्री ने कहा कि झारखंड और कर्नाटक के बीच ज्ञान, तकनीक और अनुभवों का साझा उपयोग किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग राज्यों में कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अपनाई जा रही सफल पहलों से झारखंड के किसानों और पशुपालकों को भी लाभ पहुंचाया जा सकता है। इसके पूर्व रक्षाबंधन के अवसर पर झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को राखी बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान दोनों के बीच आत्मीय मुलाकात हुई और भाई-बहन के स्नेह, विश्वास एवं सम्मान के प्रतीक इस पावन पर्व की शुभकामनाएं साझा की गईं। रक्षाबंधन के इस मौके पर हुई मुलाकात में सामाजिक सौहार्द के संदेश के साथ झारखंड और कर्नाटक के बीच कृषि, पशुपालन और सहकारिता के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं है बल्कि यह आपसी स्नेह, विश्वास, सम्मान और सामाजिक सौहार्द का संदेश देने वाला अवसर भी है। इस पवित्र रिश्ते की भावना समाज और देश को एकजुट करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन जैसे पर्व आपसी रिश्तों को मजबूत करने के साथ सामाजिक एकता और सद्भाव की भावना को भी बढ़ावा देते हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खड़गे से भी मुलाकात की और उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। मुलाकात के दौरान राजनीतिक और समसामयिक विषयों के साथ-साथ झारखंड के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता क्षेत्र के विकास पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

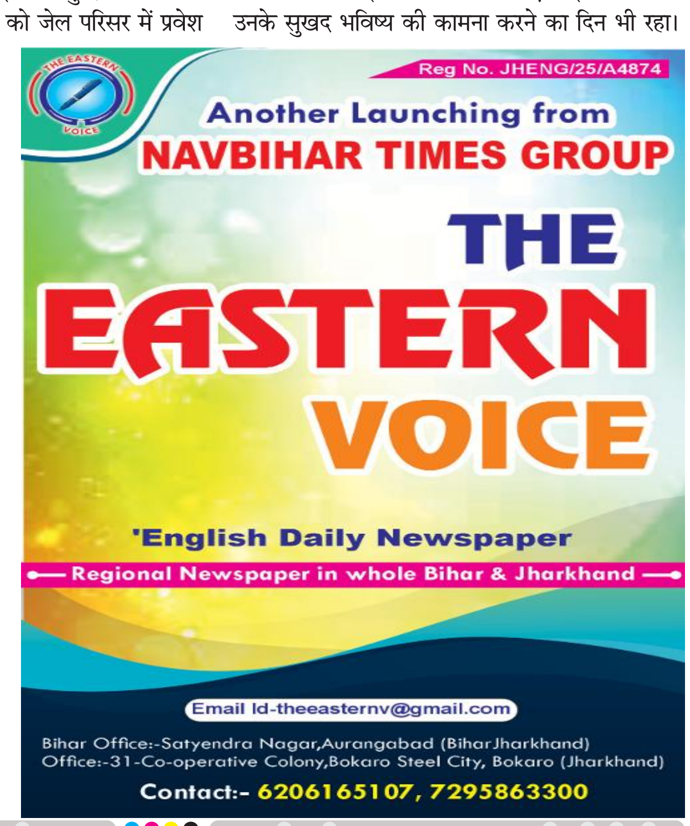

CMYK

पूर्णिमा पर उमड़ा आस्था का सैलाब, बराकर नदी से जल लेकर दुखिया महादेव पहुंचे श्रद्धालु

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पूर्णिमा के अवसर पर गुरुवार को गिरिडीह में भगवान भोलेनाथ की भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु बराकर नदी पहुंचे और पवित्र जल भरकर पैदल उदनाबाद स्थित प्रसिद्ध दुखिया महादेव मंदिर पहुंचे। यहां श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। शाम से ही शहर के अलग अलग इलाकों से श्रद्धालुओं का बड़ा चौक पहुंचना शुरू हो गया था। यहां श्रद्धालुओं के स्वागत और सेवा के लिए विशेष शिविर लगाया गया था, जहां पानी, शरबत, फल, खीर, खिचड़ी और प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। भजन कीर्तन और शिव भक्ति गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। बड़ा चौक से श्रद्धालुओं का जत्था बस, ट्रक और अन्य वाहनों से बराकर नदी पहुंचा। नदी से विधि विधान के साथ जल भरने के बाद श्रद्धालुओं ने पैदल यात्रा शुरू की। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा मार्ग गूंजता रहा। रास्ते में स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों की ओर से जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए थे।उदनाबाद पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने दुखिया महादेव मंदिर में जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। हजारों श्रद्धालुओं की मौजूदगी से बराकर नदी से लेकर उदनाबाद तक दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा। सुरक्षा को लेकर प्रशासन रहा अलर्ट श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात की विशेष व्यवस्था की गई थी। गुरुवार शाम 6 बजे से शुक्रवार सुबह 5 बजे तक शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाई गई। महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। वहीं, बराकर नदी में तेज बहाव को देखते हुए आपात स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय गोताखोरों की भी तैनाती की गई और घाट पर पुलिस की विशेष निगरानी रखी गई।

7 पंचायतों में विशेष ग्राम सभा, जन्म प्रमाण-पत्र बनाने की होगी कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जन्म प्रमाण-पत्र निर्माण की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए गिरिडीह सदर प्रखंड की चयनित पंचायतों में 29 अगस्त से 3 सितंबर तक विशेष ग्राम सभा आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम के तहत करहरबारी में 29 अगस्त, पतरोडीह में 31 अगस्त, महेशलुंडी में 1 सितंबर, बरमसिया और अकदोनीकला में 2 सितंबर तथा चूंजका और अकदोनीखुर्द में 3 सितंबर को ग्राम सभा होगी। जिला प्रशासन ने संबंधित पंचायतों के ग्रामीणों से अपील की है कि निर्धारित तिथि पर ग्राम सभा में पहुंचकर जन्म प्रमाण-पत्र निर्माण की प्रक्रिया का लाभ उठाएं। अधिकारियों को भी ग्रामीणों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

सावन पूर्णिमा पर आम्रेश्वर धाम में पूजा-पाठ के साथ-साथ आकर्षक मेला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। सावन पूर्णिमा के पावन अवसर पर खूंटी जिले के प्रसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम, अंगराबारी में शुक्रवार को आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सावन पूर्णिमा के साथ ही करीब एक माह से चल रहे श्रावणी मेले का समापन भी हो गया। धाम में बाबा भोलेनाथ के जलाभिषेक और पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। सावन पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालु सुबह से ही बाबा आम्रेश्वर का दर्शन कर जलाभिषेक किया। कई श्रद्धालु बनई नदी सहित आसपास के जलस्रोतों से पवित्र जल लेकर बाबा को अर्पित किया ।मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्तिमय वातावरण रहा और हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से धाम गूंजता रहा। पावन पूर्णिमा के अवसर पर धाम में 48 घंटे का अखंड कीर्तन आयोजित किया गया , जिसमें आचार्य, पंडित, यजमान और स्थानीय कीर्तन मंडलियों ने भाग लिया। प्रशासन की मुस्तैदी और व्यवस्था संचालन पूरे दिन रही।आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के अध्यक्ष लाल ज्ञानेंद्र नाथ शाहदेव ने भोलेनाथ की पूजा,मेलें की भव्यता और प्रशासन की सुदृढ़ व्यवस्था को लेकर प्रसन्नता व्यक्त किया। उन्होंने सभी सदस्यों सहित ग्रामीणों के सहयोग की भी सराहना की। सावन पूर्णिमा पर पूजा-अर्चना के साथ श्रावणी मेले का भी श्रद्धालु आनंद उठाते दिखे।धाम परिसर और आसपास विभिन्न प्रकार की दुकानें सजाई गई थी। बच्चों और परिवारों के मनोरंजन के लिए झूले सहित कई आकर्षण मेले में लोगों का ध्यान खींच रहे थे। पूजा सामग्री, प्रसाद, खिलौने और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की दुकानों पर भी भारी भीड़ देखी गई। मुरहू के धर्मप्रेमी सत्संगी डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि आम्रेश्वर बाबा के दर्शन मात्र से सारे दुःख दूर हो जाते हैं। उनकी पूजा करने से सर्वमनोकामना पूर्ण होती है। जिले का यह मंदिर झारखंड का दूसरा वैद्यनाथ धाम है। वैसे तो बाबा की पूजा बारहों मास होती रहती है, लेकिन खासकर श्रावण माह में दूर-दूर से आए भक्तों का हुजूम देखते बनता है। सावन माह में प्रसाद - भंडारे की व्यवस्था भी विभिन्न संस्थानों द्वारा की जाती रही। माह भर के महोत्सव में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा सहित पंचायत अध्यक्ष रानी टूटी सहित अन्य ने श्रद्धालुओं के बीच वस्त्र वितरण किया। अखिल भारतीय सांस्कृतिक विकास महासंघ के अध्यक्ष तपन घोष ने कहा कि यहां भोलेनाथ बड़े दयालु हैं,सबकी मनोकामना पूरी करते हैं। युवा धर्मपरायण ध्रुवेन्द्र भास्कर ने कहा कि आम्रेश्वर बाबा की कृपा को शब्दों में नहीं कहा जा सकता। भक्ति की शक्ति से सुख शांति समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति होती है। मेले में सावन पूर्णिमा पूजा के साथ ही रक्षाबंधन का पर्व भी मनाया जाता है। बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उनकी सुख-समृद्धि, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की कामना करती हैं। इस अवसर पर भाई भी बहनों की रक्षा और सम्मान का संकल्प लेते हैं।पूरा जिला भक्तिमय रहता है, और वातावरण सावन की हरियाली के साथ हर्ष-उल्लास में मग्न रहता है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत, पत्नी ने चालक-मालिक पर दर्ज कराई प्राथमिकी

हुसैनाबाद/पलामू (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के बरडीहा गांव के समीप ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार 60 वर्षीय जयराम पासवान की मौत के मामले में अब प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी है। मृतक की पत्नी रीना देवी ने हुसैनाबाद थाना में लिखित आवेदन देकर ट्रैक्टर चालक और वाहन मालिक को आरोपी बनाया है। पुलिस ने मामले की जांच की जिम्मेदारी एसआई विजय प्रसाद मेहता को सौंपी है। बताया गया कि 24 अगस्त की शाम करीब 7:30 बजे जयराम पासवान बाइक से हुसैनाबाद बाजार जा रहे थे। इसी दौरान बरडीहा के पास पीछे से आ रहे ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में जयराम गंभीर रूप से घायल हो गये। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों से घटना की जानकारी लेने के बाद शव का इंक्वेस्ट कराया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।दो दिन बाद मृतक की पत्नी रीना देवी ने 26 अगस्त को हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए ट्रैक्टर चालक मुन्ना राम, पिता कृष्णा राम, निवासी बजरडीह, हुसैनाबाद तथा एकौनी गांव निवासी वाहन मालिक को आरोपी बनाया है। प्राथमिकी के अनुसार ट्रैक्टर चालक पर तेज व लापरवाही से वाहन चलाकर बाइक में टक्कर मारने का आरोप है। दुर्घटना के बाद चालक के मौके से फरार होने की बात भी आवेदन में कही गयी है। पुलिस ने आवेदन के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 और 106(1) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर, चालक और वाहन मालिक की भूमिका की जांच में जुटी है।

पति-पत्नी और 12 वर्षीय बेटे की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

चाईबासा (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोंटो थाना क्षेत्र के केन्जरा टोला तारोबबुरु में भूमि विवाद को लेकर एक ही परिवार के तीन सदस्यों की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। पुरानी रंजिश में आरोपियों ने पति-पत्नी और उनके 12 वर्षीय मासूम बेटे की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद साक्ष्य मिटाने की नीयत से शवों को छिपा दिया गया। घटना की सूचना के बाद टोंटो थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले का खुलासा किया और दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर घटना के कारणों और वारदात में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है।

डायन-भूत का आरोप लगाकर महिला की पिटाई, सात के खिलाफ प्राथमिकी

हुसैनाबाद/पलामू (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के बजारी बुधुआ गांव में अंधविश्वास से जुड़ा मामला सामने आया है। डायन-भूत होने का आरोप लगाकर एक महिला और उसके परिवार के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।पीड़िता पप्पू चौधरी द्वारा थाने में दिए आवेदन के अनुसार 4 अगस्त को करीब 3:30 बजे पुरन्दरबिगहा मोड़ पर गांव के कुछ लोगों ने उसे और उसके परिवार को घेर लिया। आरोप है कि इस दौरान डायन-भूत होने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौज की गई और लाठी-डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया गया। घायलों में पप्पू, उसका साला एवं साढू और सास शामिल हैं। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी है। पुलिस ने आवेदन के आधार पर प्रेमचंद चौधरी, महरजिया देवी, उपेन्द्र चौधरी, जितेन्द्र चौधरी, सबिता देवी, दशहरी देवी और फूटनिया देवी के खिलाफ 27अगस्त को प्राथमिकी दर्ज की है। प्राथमिकी के अनुसार सभी बजारी बुधुआ, हुसैनाबाद तथा कबरा कला, हैदरनगर क्षेत्र के बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार पीड़ित पक्ष का मेडिकल कराया गया है। मेडिकल रिपोर्ट और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

रक्षाबंधन पर प्रो. विनीता कुमारी ने भाइयों की कलाई पर बांधी राखी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जनता महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर विनीता कुमारी ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र प्रेम और अटूट रिश्ते का संदेश दिया। उन्होंने भाइयों के सुख, समृद्धि एवं दीघार्यु की कामना की। इस दौरान परिवार में उत्साह और खुशी का माहौल रहा। प्रो. विनीता कुमारी ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और आपसी प्रेम का प्रतीक पर्व है। यह पर्व रिश्तों को मजबूत करने के साथ भारतीय परंपरा और संस्कारों की याद दिलाता है। उन्होंने जिलेवासियों सहित सभी भाई बहनों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में प्रेम, खुशहाली और सौहार्द लेकर आये।

पूर्व विधायक निर्भय कुमार शाहाबादी की पत्नी प्रभा शाहाबादी का निधन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गिरिडीह के पूर्व विधायक निर्भय कुमार शाहाबादी की धर्मपत्नी श्रीमती प्रभा शाहाबादी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। उनके निधन से परिवार, शुभचिंतकों और परिचितों में शोक की लहर है। शोक संदेश में कहा गया कि प्रभा शाहाबादी के निधन से परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है। शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की गई। गिरिडीह विधानसभा से निर्भय कुमार शाहाबादी पूर्व विधायक रहे हैं और 2009 तथा 2014 में इस सीट से निर्वाचित हुए थे।

सुरीली आवाज सम्राट मुकेश जी को 50वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी । हिंदी सिनेमा के महान पार्श्वगायकों में शुमार मुकेश चंद माथुर की 50वीं पुण्यतिथि भगतसिंह चौक पर गुरुवार की शाम भारतीय संस्कृति फिल्मी सिंधु के तत्वावधान में संगीत प्रेमियों द्वारा भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर मनाई गई। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति फिल्मी सिंधु के अध्यक्ष डॉ दीपक कुमार घोष ने कहा कि मुकेश जी की मधुर और दर्दभरी आवाज आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में बसी हुई है। अपनी सहज गायकी, भावपूर्ण आवाज और गीतों में भावनाओं को जीवंत करने की अद्भुत क्षमता के कारण मुकेश ने हिंदी फिल्म संगीत में अपनी अलग पहचान बनाई। मुरहू के संगीत प्रेमी डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी ने संबोधन में जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुकेशजी का जन्म 22 जुलाई 1923 को दिल्ली में हुआ था। बचपन से ही उन्हें संगीत में रुचि थी। बाद में वह मुंबई पहुंचे और फिल्मी दुनिया में अपने गायन का सफर शुरू किया। शुरूआती दौर में उन्हें कई संघर्षों का सामना करना पड़ा, लेकिन प्रतिभा और मेहनत के बल पर उन्होंने जल्द ही अपनी पहचान बना ली। अखिल भारतीय सांस्कृतिक विकास महासंघ के अध्यक्ष तपन घोष ने कहा कि मुकेश की आवाज को विशेष रूप से राज कपूर पर फिल्माए गए गीतों ने नई ऊंचाई दी। आवारा, श्री 420, संगम, मेरा नाम जोकर और कभी-कभी जैसी फिल्मों के गीतों में उनकी आवाज ने श्रोताओं पर गहरा प्रभाव छोड़ा। दोस्त दोस्त ना रहाह्व, ह्लजीना यहां मरना यहांह्व, ह्लकभी कभी मेरे दिल मेंह्व और ह्लमैं पल दो पल का शायर हूंह्व जैसे गीत आज भी लोकप्रिय हैं। संगीत प्रेमी - सिनेप्रेमी युवा ध्रुवेन्द्र भास्कर ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मुकेश जी को उनकी सुरीली - सुमधुर, हृदयस्पर्शी गीतों के लिए सदा याद किया जाएगा।उनकी गायकी के लिए कई सम्मान मिले। फिल्म ह्यरजनीगंधाह्ल के गीत ह्लकई बार यूं ही देखा हैह्व के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

नेपाल में बाढ़ की त्रासदी के बाद बरारी में बढ़ी सतर्कता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। नेपाल में आई बाढ़ की त्रासदी और गंगा, बरंडी व कारी कोसी नदियों के लगातार बढ़ते जलस्तर के बीच बरारी प्रखंड प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। कटिहार के जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी के निर्देश पर गुरुवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारियों को लेकर अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बरारी विधायक विजय सिंह निषाद ने की, जबकि संचालन अंचल पदाधिकारी मनीष कुमार ने किया। बैठक में बाढ़ प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, राहत और बचाव कार्यों को प्राथमिकता देने पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में बीडीओ धीरेन्द्र कुमार धीरज, मुख्य पार्षद बबीता कुमारी, विधायक प्रतिनिधि राजीव चौधरी,बीपीआरओ राजकुमार सिंह, कार्यक्रम पदाधिकारी श्यामदेव कुमार, आपूर्ति पदाधिकारी आदर्श कुमार अमन, सीडीपीओ विभा कुमारी, जिला परिषद सदस्य गुणसागर पासवान, एमएलसी प्रतिनिधि राजीव कुमार भारती सहित दक्षिणी भंडारतल के मुखिया मो. इब्राहिम, उत्तरी भंडारतल के मुखिया नवल किशोर कौशिक, वैशागोविंदपुर मुखिया अब्दुल मतीन, गुरुमेला के मुखिया राजकुमार यादव, मुखिया प्रतिनिधि मो. जोहेर, पंचायत समिति सदस्य जैनुल आबेदीन, मिथलेश यादव और फरिजुल हक सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे ।

सरथुआ पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा (भोजपुर)। उदवंतनगर प्रखंड क्षेत्र के सरथुआ पंचायत में पंचायत सरकार भवन का पंचायत के बुजुर्गों एवं समाजसेवी सह मुखिया राकेश कुमार सिंह के द्वारा किया गया उद्घाटन। पंचायत के मुखिया ने अपने पंचायत सरकार भवन पर बड़ी धूमधाम के साथ अपने पंचायत के समस्त बुजुर्गों को सम्मान देते हुए उन्हीं के हाथों से पंचायत सरकार भवन का फीता काटकर एवं पंचायत सरकार भवन पर पूजा अर्चना कर विधि विधान से कथा करते हुए एवं पंचायत के बुजुर्गों के द्वारा आरती की गई और पंचायत सरकार भवन का किया गया उद्घाटन। उद्घाटन समारोह में पंचायत के सभी बड़े बुजुर्ग माता एवं बहनों ने सभी लोग रहे मौजूद। सरथुआ पंचायत सहित तमाम पंचायत के गणमान्य लोग रहे मौजूद। पंचायत के मुखिया राकेश कुमार सिंह के द्वारा अपने पंचायत के लोगों से अपील किया कि अब आपको किसी भी काम के लिए आपको कहीं नहीं जाना पड़ेगा पंचायत सरकार भवन में एक ही छत के नीचे हर वह सुविधा मिलेगी जो बिहार सरकार के द्वारा पंचायत में दी गई है। आपको आवासीय बनाने आय प्रमाण पत्र बनाने जाति बनाने के लिए कहीं भी जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मुखिया राकेश सिंह ने कहा कि हमारे पंचायत में हमारी पंचायत के लोग मेरे परिवार की तरह है पंचायत के लोगों को किसी भी तरह की कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए कि मैं सदा तत्पर रहूंगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की एसआईआर कार्यों की समीक्षा

होम-टू-रोल सत्यापन के दौरान एक परिवार के सभी मतदाताओं को एक ही मतदान केंद्र पर सूचीबद्ध करना सुनिश्चित करें : के. रवि कुमार, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने गुरुवार को राज्य के सभी जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक कर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत संचालित कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि एसआईआर के दौरान ह्यहोम-टू-रोलह्न सत्यापन, ह्यएक परिवारझ्रएक मतदान केंद्रह्न, नए पात्र भारतीय नागरिकों के पंजीकरण तथा नो-मैप एवं तार्किक विसंगति वाले मामलों के नियमानुसार निष्पादन को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि होम-टू-रोल सत्यापन के दौरान बीएलओ घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। जिन पात्र भारतीय नागरिकों का नाम अब तक मतदाता सूची में शामिल नहीं है, उनसे फॉर्म-6 एवं निर्धारित घोषणा-पत्र प्राप्त कर नाम जोड़ने की प्रक्रिया पूरी की जाए। साथ ही, एक ही परिवार अथवा एक ही घर के मतदाता अलग-अलग मतदान केंद्रों पर सूचीबद्ध हैं तो आवश्यकतानुसार फॉर्म-8 भरवाकर उन्हें उनके नजदीकी एवं एक ही मतदान केंद्र पर सूचीबद्ध करने की कार्रवाई की जाए। प्राप्त सभी प्रपत्रों का साथ-साथ डिजिटाइजेशन भी सुनिश्चित किया जाए। श्री के. रवि कुमार ने नए एवं युवा पात्र भारतीय नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने के लिए विशेष प्रचार-प्रसार अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्कूलों एवं कॉलेजों में विद्यार्थियों को एउक्छएळ के माध्यम से मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए प्रेरित किया जाए। शिक्षण संस्थानों के सहयोग से पात्र युवाओं को फॉर्म-6 भरने की प्रक्रिया तथा मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के महत्व से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर के तहत तैयार की जा रही मतदाता सूची और उससे संबंधित अभिलेखों को दीर्घकालीन महत्व के दस्तावेज के रूप में संरक्षित किया जाता है। इसलिए आम नागरिकों को इस संबंध में जागरूक किया जाए कि वे अपने तथा अपने परिवार के सदस्यों के नाम, आयु एवं अन्य विवरणों की जांच कर लें और किसी प्रकार की त्रुटि होने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत समय रहते उसका निराकरण कराएं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि एक ही खतियान एवं उससे संबंधित वंशावली से जुड़े मतदाताओं के मामलों का समेकित रूप से परीक्षण किया जाए। माता-पिता, बच्चों एवं उनके पूर्वजों से संबंधित उपलब्ध अभिलेखों को साथ रखकर उम्र एवं पारिवारिक संबंधों से जुड़ी तार्किक विसंगतियों की जांच की जाए। इससे एक ही परिवार के सदस्यों की आयु से संबंधित असंगतियों का तार्किक एवं दस्तावेज-आधारित निराकरण संभव होगा। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी व्यक्ति द्वारा गलत वंशावली अथवा अन्य गलत विवरण के आधार पर मतदाता सूची में शामिल होने का प्रयास न किया जा रहा हो। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने जिला निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि एसआईआर के तहत जिन मतदाताओं को ईआरओ स्तर से नोटिस निर्गत किए गए हैं, उनकी सुनवाई यथासंभव मतदाता के निवास स्थान के नजदीकी सुनवाई केंद्र पर ही सुनिश्चित की जाए। सुनवाई की व्यवस्था ऐसी हो कि मतदाताओं, विशेषकर बुजुर्गों, दिव्यांगजनों तथा दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को अनावश्यक रूप से लंबी दूरी तय न करनी पड़े। साथ ही सुनवाई शिविर में वृद्ध, दिव्यांग, गर्भवती महिला ऐसे व्यक्तियों को प्राथमिकता दें। संबंधित पदाधिकारी सुनवाई केंद्र, तिथि एवं समय की जानकारी मतदाता तक समय से पहुंचाना सुनिश्चित करें, ताकि वह आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सके। श्री के. रवि कुमार ने कहा कि प्रत्येक नो-मैप एवं तार्किक विसंगति वाले मामले में उपलब्ध दस्तावेजों का सावधानीपूर्वक परीक्षण किया जाए। जिन मामलों में ईआरओ स्तर पर प्रथम सुनवाई के दौरान संबंधित मतदाता को आवश्यक दस्तावेज समर्पित करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता हो, उन्हें पर्याप्त अवसर देते हुए दूसरी सुनवाई के लिए पुनर्निर्धारित किया जाए। ऐसे मामलों की अलग सूची तैयार की जाए तथा आवश्यकतानुसार फील्ड वेरिफिकेशन कर तथ्यों एवं उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर नियमानुसार निर्णय लिया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर की पूरी प्रक्रिया में पात्र मतदाताओं को पर्याप्त अवसर दिया जाना आवश्यक है। विशेष रूप से दूरस्थ, दुर्गम एवं जनजातीय बहुल क्षेत्रों में यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी पात्र आदिवासी, पीवीटीजी, विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह, के भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची से न छूटे। आवश्यक होने पर संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी क्षेत्र भ्रमण कर ऐसे पात्र नागरिकों की पहचान करें और निर्धारित प्रपत्र एवं प्रक्रिया के माध्यम से उन्हें मतदाता सूची से जोड़ने में सहयोग करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि शुद्ध एवं प्रमाणिक मतदाता सूची भविष्य में नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण अभिलेखीय संदर्भ सिद्ध होगी। इसलिए प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक को एसआईआर के तहत मतदाता सूची में शामिल करने तथा मतदाता सूची में दर्ज विवरणों को त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से पूरी गंभीरता के साथ कार्य किया जाए। किसी पात्र भारतीय नागरिक को भविष्य में उसके मतदाता विवरण से संबंधित किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसे ध्यान में रखते हुए सत्यापन एवं सुधार की वर्तमान प्रक्रिया को पूरी सावधानी से संपन्न किया जाए।

नदी के तेज बहाव में तीन बच्चियां डूबीं

मशक्कत के बाद दो के शव बरामद, एक की तलाश जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। पीरपैंती थाना क्षेत्र के ओलनी टोला मरगंग धार में नहाने गई तीन बच्चियां डूबकर लापता हो गईं। साथ में स्नान कर रहे अन्य दो बच्चियों ने निकालकर शोर मचाया तब तक स्वजन एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण वहां पहुंचे तथा खोजबीन शुरू कर दी।

लोगों ने इसकी सूचना पीरपैंती थाना पुलिस एवं अंचल प्रशासन को दी। जानकारी मिलते ही पीरपैंती थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। समाचार लिखे जाने तक ग्रामीणों ने काफी खोजबीन कर दो बच्चियों को पानी से बाहर निकाला, जिसकी मौत हो चुकी थी। तीसरी बच्ची का ग्रामीण खोजबीन करने में जुटे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, रक्षाबंधन को लेकर ओलनी टोला निवासी मुन्ना पासवान की दो पुत्री उच्च विद्यालय बुधचक की दशम की छात्रा मोनाली कुमारी (17) एवं मध्य विद्यालय ओलनीटोला की आठवीं की छात्रा चंदा कुमारी (16) तथा अरविंद पासवान की एक पुत्री मध्य विद्यालय ओलनीटोला की चौथी कक्षा की छात्रा अभिलाषा कुमारी (8) गांव की अन्य दो बच्चियों के साथ मरगंग धार में नहाने गई थी। जहां तेज बहाव में तीनों डूबने लगी। साथ नहा रही दो बच्चियों ने बाहर निकाल कर शोर मचाया। तब तक ग्रामीण पहुंच कर खोजबीन में जुट गए।

उधर, जानकारी मिलते ही गांव में मातम पसर गया। तीनों बच्चियों के घर में कोहराम मच गया। मोनाली एवं चंदा की मां रानी देवी तथा अभिलाषा की मां क्रांति देवी सहित तीनो के स्वजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा था।

अभिलाषा का भाई अभिनंदन तथा मोनाली तथा चंदा का भाई सोमनाथ राखी बंधवाने की तैयारी में था। पल भर में उत्साह का माहौल गम में बदल गया। उधर सूचना पर मुखिया प्रतिनिधि सुकेश यादव, सीओ चंद्रशेखर कुमार बीडीओ अभिमन्यु कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे।

नशेड़ी के हमले में एसआइ सहित चार पुलिसकर्मी जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र में सड़क पर नशे की हालत में हंगामा कर रहे एक युवक को समझाने पहुंची डायल 112 की पुलिस टीम पर ही हमला कर दिया गया। आरोप है कि युवक ने पुलिसकर्मियों के साथ गाली-गलौज करने के बाद मारपीट शुरू कर दी। अचानक हुए हमले में एक एसआई समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए सिंहवाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। वहीं, हमले के आरोपी मिठ्ठू कुमार साह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मेडिकल जांच में उसके शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई है।

जानकारी के अनुसार, बीती रात डायल 112 की पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति नशे की हालत में सड़क पर गाली-गलौज करते हुए काफी हंगामा कर रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को समझाने का प्रयास किया। आरोप है कि पुलिस को देखते ही युवक ने उनके साथ भी गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट करने लगा।

मामला बिगड़ता देख डायल 112 की टीम ने इसकी सूचना सिंहवाड़ा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हंगामा कर रहे मिठ्ठू कुमार साह को हिरासत में ले लिया। इसके बाद उसे मेडिकल जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हमले में एसआई दिनेश शर्मा, सिपाही अवनीश कुमार, मनीता कुमारी और रौशन कुमार घायल हुए हैं। सभी घायल पुलिसकर्मियों को सिंहवाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है, जहां रात से उनका उपचार जारी है।एसआई दिनेश शर्मा को गंभीर चोटें आई हैं। उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें चिकित्सकों की गहन निगरानी में रखा गया है।

पुलिया बही, गांवों का संपर्क टूटा

जान जोखिम में डालकर नदी पार कर रहे ग्रामीण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। झारखंड सीमा से सटे गया जिले के डुमरिया प्रखंड में लगातार हो रही तेज बारिश ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भूतही नदी पर बनी पुलिया एक महीने के भीतर दूसरी बार तेज बहाव में बह गई, जिससे करीब 12 गांवों का मुख्य सड़क से संपर्क टूट गया है। पुलिया के बार-बार बहने से ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका आरोप है कि हर साल लाखों रुपये खर्च कर अस्थायी पुलिया तैयार की जाती है, लेकिन तेज बारिश आते ही वह ध्वस्त हो जाती है। ग्रामीण अब प्रशासन और सरकार से नदी पर स्थायी और मजबूत पुल बनाने की मांग कर रहे हैं।

झारखंड में लगातार हो रही भारी बारिश का असर गया जिले के सीमावर्ती इलाकों में भी दिखाई दे रहा है। डुमरिया प्रखंड की मंझौली पंचायत के जीवातरी गांव के पास भूतही नदी का जलस्तर बढ़ते ही ह्यूम पाइप से बनाई गई पुलिया तेज बहाव की चपेट में आ गई और बह गई। पुलिया के टूटने के बाद आसपास के गांवों के लोगों का मुख्य सड़क से संपर्क पूरी तरह बाधित हो गया है। बारिश के दौरान नदी का जलस्तर बढ़ने से ग्रामीणों के सामने आवागमन का संकट और गहरा गया है।

पुलिया के बह जाने के बाद ग्रामीणों के पास नदी पार करने के अलावा कोई आसान विकल्प नहीं बचा है। लोग अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पार कर रहे हैं। स्कूली बच्चे भी पढ़ाई के लिए नदी पार करके आने-जाने को मजबूर हैं। इसके अलावा किसानों, मरीजों और आम लोगों को बाजार जाने तथा अन्य जरूरी कामों के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। बरसात के मौसम में नदी का बहाव तेज होने के कारण यह समस्या और गंभीर हो जाती है।

विवाद के बाद युवक की गोली मारकर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोपालगंज। शहर में महावीरी अखाड़ा जुलूस के दौरान एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। पुरानी चौक के समीप अज्ञात बदमाशों ने एक युवक के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। गोली लगने के बाद युवक मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। घटना की खबर फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और अफरातफरी का माहौल बन गया। मृतक की पहचान पुरानी चौक निवासी शिव जी प्रसाद के पुत्र विकास कुमार के रूप में हुई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महावीरी अखाड़ा जुलूस के दौरान किसी बात को लेकर अचानक विवाद शुरू हुआ। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और इसी दौरान कुछ अपराधियों ने विकास कुमार को निशाना बनाते हुए उसके सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही युवक जमीन पर गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद

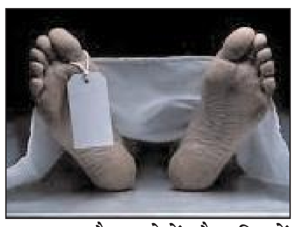

आसपास मौजूद लोगों और परिजनों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोग और परिजन आनन-फानन में विकास को इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक की हत्या की खबर जैसे ही इलाके में फैली, सदर अस्पताल में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थिति को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई और अस्पताल परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। पुलिस प्रशासन ने किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अस्पताल और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया।

नदी के तेज बहाव में तीन युवक फंसे

रेस्क्यू अभियान चलाकर बचायी गयी तीनों की जानें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। जिले के टंडवा थाना क्षेत्र में गेरुआ नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। नदी के तेज बहाव के बीच दो बाइक पर सवार तीन युवक फंस गए। देखते ही देखते दोनों बाइक भी पानी की तेज धार में बह गईं। घटना टंडवा स्थित गेरुआ नदी पर बने पीपा पुल की है। युवकों के मझधार में फंसने की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान चलाकर तीनों की जान बचा ली।

जानकारी के अनुसार, गेरुआ नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ पानी का बहाव भी काफी तेज हो गया था। इसके बावजूद दो बाइक पर सवार तीन युवकों ने नदी पार करने का प्रयास किया। जैसे ही वे नदी के बीच पहुंचे, अचानक पानी का बहाव और तेज हो गया। इससे स्थिति बिगड़ गई और तीनों युवक मझधार में फंस गए। जान बचाने के लिए वे शोर मचाकर मदद मांगने लगे। इसी दौरान पानी की तेज धार दोनों बाइक को भी अपने साथ बहा ले गई।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पप्पू कुमार शर्मा के निर्देश पर पुलिस गश्ती दल तत्काल मौके पर पहुंचा। पुलिस जवानों ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से युवकों को सुरक्षित निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू किया। रामगढ़ निवासी दो युवक किसी तरह तैरकर नदी के किनारे पहुंचने में सफल रहे। वहीं, उड़सू निवासी संजय पासवान तेज बहाव की चपेट में आ गए और डूबने लगे। बताया गया कि कुछ देर बाद वह बेहोश भी हो गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस जवानों और ग्रामीणों ने साहस दिखाया और संजय पासवान को नदी से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। नदी से बाहर निकालने के बाद संजय पासवान को तत्काल टंडवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां चिकित्सकों ने उनका इलाज किया। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। इस घटना में तीनों युवकों की जान बच गई, लेकिन उनकी दोनों बाइक नदी की तेज धार में बह गईं।

कई तटबंधों पर बढ़ा पानी का दबाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवगछिया। गंगा और कोसी के बढ़ते जलस्तर से नवगछिया अनुमंडल क्षेत्र के तटबंधों पर दबाव बढ़ता जा रहा है। गुरुवार सुबह छह बजे की रिपोर्ट के अनुसार इस्माईलपुर-बिंद टोली, राघोपुर और मदरौनी में नदी का पानी तटबंध के टो को छू रहा है। राघोपुर और इस्माईलपुर-बिंद टोली में जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। जेबी चोरहर में कोसी का जलस्तर स्थिर है, लेकिन वहां भी कई स्थानों पर पानी तटबंध के टो को स्पर्श कर रहा है।

स्पर संख्या सात पर गंगा का जलस्तर 32.18 मीटर दर्ज किया गया। 24 घंटे में आठ सेंटीमीटर वृद्धि हुई है। यह खतरे के निशान 31.60 मीटर से 58 सेंटीमीटर ऊपर है। नदी का पानी तटबंध के टो को छू रहा है। विभाग ने फिलहाल तटबंध को सुरक्षित बताया है।

गंगा का जलस्तर 33.16 मीटर पहुंच गया है। 24 घंटे में 19 सेंटीमीटर वृद्धि हुई है। यह चेतावनी स्तर 32.68 मीटर से 48 सेंटीमीटर ऊपर और खतरे के निशान 33.68 मीटर से 52 सेंटीमीटर नीचे है। काजीकोरैया-राघोपुर मार्जिनल बांध के टो को पानी छू रहा है। करीब 30 मीटर क्षतिग्रस्त हिस्से के आगे निर्माण कार्य जारी है। बालू भरी नाव डूबने से नाविक समेत दो मजदूरों की मौत के बाद डीएम के निर्देश पर नाव से बाढ़ संघर्षात्मक कार्य बंद है।

कोसी का जलस्तर 31.18 मीटर रहा। 24 घंटे में पांच सेंटीमीटर वृद्धि हुई है। यह खतरे के निशान 31.48 मीटर से महज 30 सेंटीमीटर नीचे है। यहां भी पानी तटबंध के टो को छू रहा है। विभाग ने तटबंध को सुरक्षित बताया है।

कोसी का जलस्तर 31.30 मीटर पर स्थिर रहा। यह खतरे के निशान 31.77 मीटर से 47 सेंटीमीटर नीचे है। नगरपारा तटबंध और बगजान जमींदारी बांध के कई बिंदुओं पर पानी टो को स्पर्श कर रहा है।

सड़कों पर उतरीं अभया ब्रिगेड की दीदियां

स्कूल-कॉलेज एवं बाजारों में रखेंगी नजरें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। रक्षाबंधन के मौके पर नालंदा पुलिस ने महिला सुरक्षा को मजबूत करने के लिए शुक्रवार को अभया ब्रिगेड की शुरूआत की। इसके तहत महिला पुलिसकर्मियों की टीम स्कूटी से विभिन्न इलाकों में गश्त करेगी। महिलाओं और बालिकाओं को जरूरत पड़ने पर तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के साथ उन्हें सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया जाएगा।

पुलिस केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में लाइन डीएसपी श्याम किशोर रंजन ने महिला पुलिसकर्मियों की टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि नालंदा जिले को 20 स्कूटी और 15 मोटरसाइकिलें मिली हैं। इनमें से स्कूटी से महिला पुलिसकर्मियों की पेट्रोलिंग शुरू की गई है।

अभया ब्रिगेड की टीम स्कूल-कॉलेज, बाजार, सार्वजनिक स्थलों और अन्य संवेदनशील इलाकों में गश्त करेगी। पुलिस का उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं के बीच सुरक्षा का भरोसा बढ़ाना है। किसी महिला या बालिका को परेशानी होने पर टीम मौके पर पहुंचकर मदद करेगी।

महिला पुलिसकर्मियों को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहने, आम लोगों से बेहतर समन्वय बनाने और महिलाओं से जुड़े मामलों को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया गया है। गश्त के दौरान महिला सुरक्षा से संबंधित जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

अभया ब्रिगेड का काम केवल गश्त तक सीमित नहीं रहेगा। महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और जरूरत के समय पुलिस से संपर्क करने के तरीकों की जानकारी भी दी जाएगी। खासकर छात्राओं और कामकाजी महिलाओं के बीच पुलिस की पहुंच बढ़ाने पर जोर रहेगा। सरकार की राज्यस्तरीय पहल के तहत पुलिस को महिला सुरक्षा के लिए 4,700 स्कूटर और मोटरसाइकिलें उपलब्ध कराई गई हैं। इसी क्रम में नालंदा को 20 स्कूटी और 15 मोटरसाइकिलें मिली हैं।

एसपी हृदयकांत ने बताया कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा पुलिस की प्राथमिकता है। पुलिस दीदी के माध्यम से महिला पुलिसकर्मियों की क्षेत्र में मौजूदगी बढ़ेगी। इससे जरूरतमंद महिलाओं को तत्काल पुलिस सहायता मिल सकेगी और उनमें सुरक्षा का भरोसा भी मजबूत होगा।

रक्षा बंधन पर सजी मासूमों की कलाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रसूलपुर (एकमा)। एकमा और आसपास के इलाकों में रक्षा बंधन का पावन त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।इस वर्ष त्योहार पर सबसे खूबसूरत और मनमोहक नजारा घरों में देखने को मिला, जहां नन्हे-मुन्ने भाई-बहनों के बीच अटूट प्रेम और मासूमियत की अनूठी झलक दिखाई दी।सुबह से ही घरों में बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। पारंपरिक रंग-बिरंगी पोशाक पहने छोटे-छोटे बच्चे त्योहार की तैयारियों में जुटे रहे।दो वर्षीय नन्ही परी आर्या(मिष्टी) ने अपने चार साल के भाई अयांश(मिठु) के माथे पर रोली और अक्षत का तिलक लगाया। इसके बाद, नन्हे हाथों से भाई की कलाई पर कार्टून वाली रेशमी राखी बांधी और मिठाई खिलाकर उसका मुंह मीठा कराया।बदले में बड़े भाई ने भी अपनी तोतली आवाज में बहन को धन्यवाद दिया और अपनी गुल्लक से बचाकर रखी पॉकेट मनी से उसे चॉकलेट और मनपसंद खिलौना उपहार में दिया।यह खूबसूरत नजारा देखकर परिवार के बुजुर्गों की आंखें खुशी से छलक आईं।डिजिटल युग के इस दौर में जहां बड़े लोग सोशल मीडिया पर व्यस्त दिखे, वहीं इन मासूम बच्चों का यह निश्छल और पावन प्रेम इस त्योहार की असली पहचान बनकर उभरा। माता-पिता ने बच्चों के इन यादगार पलों को अपने कैमरे में कैद किया।बच्चों के इस पावन प्रेम ने सभी का दिल जीत लिया और यह दिन पूरे परिवार के लिए यादगार बन गया।

डाक्टर से पांच करोड़ की रंगदारी मांगने वाला धराया

29 जुलाई की रात चिकित्सक के मोबाइल पर आयी थी कॉल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र में एक डॉक्टर से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी दीपू को लोहरदगा से गिरफ्तार किया है। उससे पूछताछ कर रंगदारी मांगने वाले पूरे गिरोह और घटना में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, अशोक नगर निवासी डॉ. दुर्गा चरण सिन्हा से आरोपियों ने उनकी पैतृक जमीन खरीदने के बहाने संपर्क किया था। बातचीत के दौरान आरोपियों ने डॉक्टर से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी की मांग कर दी। रकम नहीं देने पर उन्हें लोहरदगा में गोली मारकर हत्या करने की धमकी भी दी गई थी। धमकी मिलने के बाद डॉक्टर ने पुलिस को मामले की

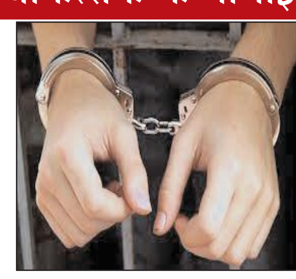

जानकारी दी। उनकी लिखित शिकायत के आधार पर अरगोड़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। डॉ. सिन्हा ने पुलिस को बताया कि 29 जुलाई की रात उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से लगातार कॉल किए गए। रात में करीब 42 बार कॉल और मिस्ड कॉल आने के बाद उन्हें धमकी दी गई। लगातार फोन आने और पांच करोड़ रुपये की मांग के बाद डॉक्टर और उनके परिवार में दहशत का माहौल बन गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड और अन्य तकनीकी साक्ष्यों को खंगाला।

मोबाइल नंबर की गतिविधियों और लोकेशन के आधार पर पुलिस को आरोपी के लोहरदगा में होने की जानकारी मिली। इसके बाद रांची पुलिस की टीम ने लोहरदगा में छापेमारी कर आरोपी दीपू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि डॉक्टर को निशाना बनाने की योजना किसने बनाई थी। आशंका है कि रंगदारी मांगने के पीछे एक संगठित गिरोह हो सकता है। फिलहाल, आरोपी पुलिस हिरासत में है और उससे पूछताछ जारी है।

धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन महापर्व

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भुरकुंडा/ रामगढ। भाई-बहन के अटूट प्रेम और पवित्र रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन महापर्व भुरकुंडा एवं भदानीनगर क्षेत्र में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों की रक्षा और हर सुख-दुःख में साथ देने का संकल्प लिया।

लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और स्नेह का यह पवित्र रिश्ता हमेशा एक सूत्र में बंधा रहे तथा परिवार में सुख-शांति और खुशहाली बनी रहे। रक्षाबंधन को लेकर बाजारों और घरों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। बहनों ने अपने भाइयों के लिए सुंदर-सुंदर राखियां खरीदीं और पूरे क्षेत्र में त्योहार का माहौल बना रहा।

दिलीप बेदिया को मातृशोक

रामगढ़। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा रामगढ़ जिला कमेटी ने पार्टी के एसटी मोर्चा के जिलाध्यक्ष दिलीप बेदिया की माता मालती देवी के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की गई। निधन से परिवार, समाज एवं शुभचिंतकों में शोक की लहर है। परिवार ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस दुःख की घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। जिले के पतरातू प्रखंड क्षेत्र के सुदूरवर्ती सालगो गांव निवासी दिलीप बेदिया पार्टी के एक समर्पित कार्यकर्ता है। जो लगातार संगठन को अपना समय देते रहे है। वे अपने समाज के लोगों को साथ लेकर संगठन को मजबूत करने के लिए निरंतर सक्रिय रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में पूरा परिवार दिलीप बेदिया एवं उनके परिवार के साथ खड़ा है। दिवंगत मालती देवी के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा केंद्रीय संगठन महासचिव राजेंद्र बेदिया, प्रदेश मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो, जिला सचिव आर्यन टोप्पो, प्रखंड उपाध्यक्ष सचिन कुमार महतो, बिचा पंचायत अध्यक्ष फुलेश्वर महतो एवं सक्रिय कार्यकर्ता स्थानीय लोगों मौजूद थे।

जल्द पहुंचेगी लोगों के किचन तक गैस पाइप लाइन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भभुआ। बिहार में पाइप्ड नेचुरल गैस गैस वितरण नेटवर्क के विस्तार की दिशा में अब कैमूर जिले में भी गतिविधियां तेज हो गई हैं। शहर में घरों तक पाइपलाइन के माध्यम से रसोई गैस पहुंचाने की तैयारी को लेकर संबंधित कंपनी की ओर से काम शुरू कर दिया गया है। सड़क किनारे लंबे समय से रखे पाइप अब जमीन में बिछाने की प्रक्रिया के साथ परियोजना को गति मिलना शुरू हो गया है। शहर में पीएनजी नेटवर्क विकसित होने के बाद लोगों को सिलेंडर आधारित रसोई गैस के विकल्प के रूप में पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस उपलब्ध हो सकेगी।

संभवतः अगले माह सितंबर में मोहनियां व अक्टूबर माह में भभुआ नगर के लोगों के घरों तक पीएनजी की सप्लाई शुरू हो जाएगी।

बता दें कि बिहार में पीएनजी और सिटी गैस वितरण नेटवर्क की शुरूआत 17 फरवरी 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई थी। कैमूर में पीएनजी परियोजना को लेकर पिछले काफी समय से सड़क किनारे पाइप रखे दिखाई दे रहे थे। लंबे समय तक खुले में पड़े रहने के कारण कई पाइपों की बाहरी सतह पर जंग के निशान भी दिखाई देने लगे थे।

इससे लोगों में यह सवाल उठ रहा था कि आखिर इन पाइपों को कब जमीन के अंदर बिछाया जाएगा और शहर में पीएनजी की आपूर्ति कब शुरू होगी। लेकिन अब संबंधित कंपनी की ओर से पाइपलाइन नेटवर्क बिछाने का काम तेज किए जाने से परियोजना के धरातल पर आगे बढ़ने लगी है।

कैमूर में काम पूरा होने के बाद चरणबद्ध तरीके से शहर के विभिन्न इलाकों में पीएनजी कनेक्शन पहुंचाने की दिशा में आगे की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। पीएनजी कनेक्शन मिलने के बाद उपभोक्ताओं को रसोई गैस के लिए बार-बार सिलिंडर बुक कराने, उसकी डिलीवरी का इंतजार करने और सिलेंडर को घर तक पहुंचाने की परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है।

पीएनजी को घरों तक पहुंचाने के लिए विकसित किए जाने वाले नेटवर्क में सुरक्षा मानकों का पालन महत्वपूर्ण होगा। पाइपलाइन बिछाने के साथ गैस आपूर्ति से जुड़े उपकरण और मीटर भी लगाए जाएंगे।

उपभोक्ताओं के घरों तक कनेक्शन पहुंचने के बाद गैस की खपत के आधार पर बिलिंग की व्यवस्था होगी। इससे उपभोक्ताओं को गैस की वास्तविक खपत के अनुसार भुगतान करने की सुविधा मिल सकती है।

पीएनजी नेटवर्क के विस्तार का उद्देश्य केवल घरों तक रसोई गैस पहुंचाना ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक गैस के इस्तेमाल को बढ़ावा देना भी है।

राखी का त्योहार भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। राखी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर बहनों ने अपने भाई के कलाई पर राखी बांधकर सुख समृद्धि की कामना की तथा दीघार्यु होने का शुभ आशीष दिया। भाई बहन के अटूट प्रेम का त्यौहार को लेकर रजरप्पा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में काफी चहल-पहल रही। बहनों द्वारा भाइयों को तिलक लगाकर आरती उतारी गई, बहनो ने मिठाइयां खिलाई और भाईयों के कलाई पर राखी बांधी, राखी धागों का त्यौहार है बहनों द्वारा रक्षा सूत्र बांधने के बाद भाई के लंबी उम्र की कामना किया एवं जीवन भर सुख समृद्धि खुशी मिले। क्षेत्र के चितरपुर मायल कुंदरू कला सरैया लोधमा बड़की पोना रजरप्पा आवासीय कॉलोनी क्षेत्र मुरुबंदा बोरोबिंग सांडी, छोटकी पोना बारलोंग छतरमांडू, सहित ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से रक्षाबंधन मनाया गया। दुलमी प्रखंड के सोसो सिरु कोरचे सिकनी कुल्ही इचातु उसरा होहद प्रियांतु,पोटमदगा इलाकों में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन।

CMYK

एक नजर

बस की चपेट में आने से बाइक चालक गंभीर रूप से घायल

हसपुरा। थाना क्षेत्र के पचरूखिया-एनएच 120 पथ पर बालाविगहा मोड़ के समीप शुक्रवार को बस की चपेट में आने से बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान जखौरा गांव निवासी रामेश्वर यादव के 26 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार यादव के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गया से दाउदनगर जा रही बस जैसे ही बालाविगहा मोड़ के समीप पहुंची, उसी दौरान बाइक सवार बस की चपेट में आ गया। हादसे में बाइक क्षतिग्रस्त हो गई और चालक चंदन कुमार यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों द्वारा किए जा रहे हंगामे को पुलिस ने समझा-बुझाकर शांत कराया। इसके बाद पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर थाने ले गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए हसपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि बस चालक और वाहन मालिक के खिलाफ कार्रवाई को लेकर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन, बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधा रक्षा सूत्र

हसपुरा (औरंगाबाद)। प्रखंड के सुदूर ग्रामीण इलाकों से लेकर हसपुरा बाजार तक शुक्रवार को रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनकी सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की कामना की। वहीं भाइयों ने भी बहनों की रक्षा का संकल्प लेते हुए उन्हें उपहार भेंट किए। रक्षाबंधन भाई-बहन के पवित्र और प्रगाढ़ प्रेम का प्रतीक पर्व है। यह पर्व सामाजिक सद्भाव, आपसी प्रेम और शांति का संदेश भी देता है। इस अवसर पर बहनों ने भाइयों के माथे पर चंदन का तिलक लगाया, आरती उतारी और कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। इसके बाद भाइयों के उज्ज्वल भविष्य एवं लंबी आयु की कामना की। सदियों से चली आ रही यह परंपरा आज भी भारतीय सभ्यता और संस्कृति में भाई-बहन के रिश्ते की मजबूती को दर्शाती है। हसपुरा बाजार के कनाप रोड मोहल्ला निवासी नन्हीं बहनों दिव्याशी एवं अर्पणा ने अपने भाई निमिष आर्यन को राखी बांधी। वहीं पटना निवासी ऐलिस एवं नंदनी ने अपने भाइयों हर्ष, मोनू, टोनू, छोटू एवं निशांत की कलाई पर राखी बांधकर आरती उतारी। इसी क्रम में अहियापुर निवासी सरस्वती कुमारी, गीता, संगीता, रुपाली, संजना, साधना, मानसी एवं जुली ने प्रेम कुमार, श्रीकांत वर्मा, अश्विनी सिन्हा, नीलेश, दुर्गेश, गुड्डू, अंकुर, संचित, रोहित एवं सत्यम की कलाई पर राखी बांधी। बहनों ने कहा कि रक्षाबंधन हमारी सभ्यता और संस्कृति की पहचान है। यह पर्व भाई-बहन के अटूट प्रेम, त्याग, विश्वास और एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देता है। पर्व को लेकर पूरे प्रखंड में दिनभर उत्सव और उल्लास का माहौल बना रहा।

रक्षाबंधन पर एकल विद्यालय की आचार्या दीदियों ने अधिकारियों की कलाई पर बांधी राखी

हसपुरा (औरंगाबाद)। एकल विद्यालय फाउंडेशन ऑफ इंडिया के दिशा-निर्देश पर एकल विद्यालय संच हसपुरा की ओर से गुरुवार को प्रखंड कार्यालय स्थित सभाकक्ष में रक्षाबंधन उत्सव मनाया गया। इस दौरान एकल विद्यालय की आचार्या दीदियों ने प्रखंड के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को तिलक लगाकर, आरती उतारी और मिठाई खिलाकर उनकी कलाई पर पवित्र राखी बांधी। आचार्या दीदियों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी पंकज कुमार, प्रखंड प्रमुख श्रीनिवास सिंह, बीस सूत्री अध्यक्ष चंद्रकांत मुन्ना, उप प्रमुख सत्येंद्र चौधरी एवं वरिष्ठ पत्रकार डॉ. सत्यदेव सिंह को राखी बांधकर उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी आचार्या दीदियों को उपहार देकर उनका उत्साह बढ़ाया। बीडीओ पंकज कुमार, प्रखंड प्रमुख श्रीनिवास सिंह, उप प्रमुख सत्येंद्र चौधरी एवं बीस सूत्री अध्यक्ष चंद्रकांत मुन्ना ने कहा कि एकल विद्यालय की आचार्या दीदियां शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी आचार्या को किसी प्रकार की समस्या हो तो वह निःसंकोच उनसे मिलकर अपनी बात रख सकती हैं। समस्या के समाधान के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता एकल विद्यालय संच हसपुरा के अध्यक्ष सुरेश प्रसाद आर्य ने की, जबकि संचालन संच प्रमुख रवि कुमार ने किया। कार्यक्रम में आचार्या दीदियां कुसुम देवी, रंभा कुमारी, सुनैना देवी, पुष्पा कुमारी, सीमा कुमारी, कंचन कुमारी, शांति देवी, मीना कुमारी, पिंकी कुमारी, अबिता कुमारी सहित अन्य बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रक्षाबंधन उत्सव के माध्यम से भाई-बहन के स्नेह, सम्मान, सहयोग और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया

बिहारशरीफ। शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए बिहारशरीफ नगर निगम ने विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। नगर आयुक्त के निर्देशन में चलाए जाने वाले इस अभियान के तहत शहर में सड़क, नाला और स्ट्रीट लाइन के आगे किए गए सभी प्रकार के अतिक्रमण को हटाया जाएगा।नगर निगम के अनुसार, मकान व भवन का सड़क की ओर निकला हुआ हिस्सा, दुकानदारों द्वारा स्ट्रीट लाइन के आगे सड़क पर किया गया अतिक्रमण तथा ठेला आदि लगाकर किए गए कब्जे को हटाने की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा नाला और सड़क पर किए गए अन्य सभी प्रकार के अतिक्रमण को भी हटाया जाएगा।अतिक्रमण हटाने के साथ संबंधित अतिक्रमणकारियों से नियमानुसार दंड राशि की वसूली की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए नगर निगम स्तर पर विशेष टीम का गठन किया जाएगा। टीम में पदाधिकारी एवं कर्मियों के साथ अतिक्रमण हटाने के लिए आवश्यक उपकरण भी उपलब्ध रहेंगे।नगर निगम ने अभियान शुरू होने से पहले शहर के सभी अतिक्रमणकारियों से अपील की है कि वे अपने स्तर से किए गए सभी प्रकार के अतिक्रमण को स्वयं हटा लें। नगर निगम ने कहा है कि अतिक्रमण मुक्त बिहारशरीफ अभियान को सफल और सकारात्मक बनाने में शहरवासियों का सहयोग अपेक्षित है।

हत्या के प्रयास के आरोपी समेत तीन गिरफ्तार

इस्लामपुर । गुप्त सूचना के आधार पर इस्लामपुर थाना पुलिस ने बरडीह गांव में छापेमारी कर हत्या के प्रयास के मामले में नामजद आरोपी इंदु पासवान को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी रामजी पासवान का पुत्र बताया गया है। वह इस्लामपुर थाना कांड संख्या 322/2026 का नामजद अभियुक्त था। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद गुरुवार को उसे न्यायिक हिरासत में हिलसा जेल भेज दिया।वहीं, खोदागंज थाना पुलिस ने भी लंबे समय से फरार चल रहे न्यायालय के गैरजमानती वारंटी समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बेगमपुर गांव में छापेमारी कर निरंजन कुमार उर्फ रंजन कुमार को गिरफ्तार किया। इसके अलावा महमूदा गांव से चितरंजन कुमार को भी गिरफ्तार किया गया।पुलिस ने गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में हिलसा जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार फरार एवं वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

रेड क्रॉस सोसाइटी में आठ दिवसीय फर्स्ट एड प्रशिक्षण शुरू

बिहारशरीफ। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा नालंदा परिसर में शुक्रवार को आठ दिवसीय प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार देने के लिए आवश्यक जानकारी और व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है।प्रशिक्षण सत्र का संचालन बिहारशरीफ के प्रख्यात चिकित्सक डॉ. इंद्रजीत कुमार ,एमडी मेडिसिन, कुमार हॉस्पिटल, डॉक्टर्स कॉलोनी, बिहारशरीफ ने किया। उन्होंने आपातकालीन परिस्थितियों में प्राथमिक उपचार की प्रक्रिया, उपचार से पहले बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों तथा जीवन रक्षक तकनीकों के बारे में प्रतिभागियों को प्रायोगिक रूप से विस्तृत जानकारी दी।प्रशिक्षण में कुल 30 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और प्राथमिक चिकित्सा से जुड़ी विभिन्न जीवन रक्षक तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आपात स्थिति में त्वरित एवं सुरक्षित तरीके से सहायता उपलब्ध कराने के तरीकों से अवगत कराया गया।कार्यक्रम के दौरान भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, नालंदा के सचिव राजेश कुमार ने ज्ञानवर्धक प्रशिक्षण सत्र के लिए डॉ. इंद्रजीत कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया।

रेल यात्रियों के बीच लायंस क्लब ने बांटा पानी का बोतल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमालपुर(मुंगेर)। सावन के अंतिम दिन को लायंस क्लब जमालपुर आदर्श की ओर से जमालपुर रेलवे स्टेशन पर सेवा एवं जनकल्याण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान गया-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन से देवघर जाने वाले यात्रियों के बीच करीब 500 पानी की बोतलें वितरित की गईं। रिमझिम बारिश और उमस भरे मौसम के बीच यात्रियों को ठंडा पानी उपलब्ध कराकर क्लब के सदस्यों ने सेवा का संदेश दिया।क्लब सदस्यों ने ट्रेन के स्टेशन पर पहुंचते ही यात्रियों के बीच पानी की बोतलें बांटीं। यात्रियों ने क्लब के इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान पानी उपलब्ध होने से काफी राहत मिली। क्लब की ओर से समय-समय पर रेलवे स्टेशन एवं आसपास के क्षेत्रों में इस तरह के सेवा कार्य किए जाते हैं। कार्यक्रम में क्लब के सचिव मधु,कोषाध्यक्ष सोनी रजा, लायन रत्न घोष, शिवलाल रजक, बाबू चौधरी, डॉ. सुमन रजा सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। सदस्यों ने यात्रियों से बातचीत कर सावन के अंतिम दिन देवघर जाने वाले श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं भी दीं।इस दौरान स्टेशन प्रबंधक एवं रेलवे कर्मचारियों ने भी लायंस क्लब जमालपुर आदर्श के सदस्यों के सेवा कार्य की सराहना की। यात्रियों के बीच पानी वितरण का कार्यक्रम पूरी तरह व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। क्लब सदस्यों ने भविष्य में भी यात्रियों की सुविधा के लिए ऐसे सेवा कार्य जारी रखने की बात कही।

जमालपुर हावड़ा सुपर एक्सप्रेस को पटना तक विस्तार से बचाने की मुहिम तेज

यात्रियों से आवेदन पर अधिक से अधिक हस्ताक्षर कर व्हाट्सएप के माध्यम से भेजने की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमालपुर(मुंगेर) – मुंगेर जमालपुर की पहचान मानी जाने वाली जमालपुर-हावड़ा सुपर एक्सप्रेस के पटना तक विस्तार की चर्चा के बीच अब इसे जमालपुर से बचाने की मुहिम शुरू हो गई है। सोशल मीडिया और स्थानीय सामाजिक राजनीतिक नेता कार्यकर्ता रेलकर्मी यूनियन नेता एवं व्यवसाय वर्ग अपने स्तर पर जारी किए गए पोस्टर के माध्यम से यात्रियों एवं आम लोगों से इस ट्रेन को जमालपुर से ही चलाए रखने की मांग को लेकर समर्थन जुटाने की अपील की जा रही है।जारी पोस्टर में कहा गया है कि जमालपुर हावड़ा सुपर एक्सप्रेस जमालपुर रेलवे वर्कशॉप,ईरमी सहित आसपास के हजारों यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण ट्रेन है। इसके पटना तक विस्तार होने की स्थिति में जमालपुर और आसपास के यात्रियों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।अभियान के तहत लोगों से एक आवेदन पर अधिक से अधिक हस्ताक्षर कराने तथा उसे व्हाट्सएप के माध्यम से साझा करने की अपील की गई है। पोस्टर में कहा गया है कि बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी से रेलवे के समक्ष जमालपुर के यात्रियों की मांग को मजबूती से रखा जा सकेगा।

रक्षा बंधन पर बाल आश्रय और प्रेमाश्रय पहुंचे रांची पुलिस के अधिकारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रक्षा बंधन पर रांची पुलिस ने मानवीय संवेदनाओं की मिसाल पेश करते हुए बालाश्रय और प्रेमाश्रय के बच्चों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। शुक्रवार को रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), पुलिस अधीक्षक नगर, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, पुलिस अधीक्षक यातायात एवं कोतवाली एएसपी पंडरा स्थित बालाश्रय और चुटिया स्थित प्रेमाश्रय पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने बच्चों के साथ समय बिताया और उनके साथ रक्षा बंधन की खुशियां साझा की। इस अवसर पर आश्रम के बच्चों ने पुलिस अधिकारियों की कलाई पर राखियां बांधीं। बच्चों ने अधिकारियों को अपना भाई और संरक्षक मानते हुए स्नेह एवं विश्वास का भाव व्यक्त किया। पुलिस अधिकारियों ने भी बच्चों के साथ आत्मीयता से बातचीत की और उनके साथ बैठकर भोजन किया. इस दौरान अधिकारियों ने बच्चों की पढ़ाई, उनकी रुचियों और भविष्य की इच्छाओं के बारे में जानकारी ली। इस कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने बच्चों को उपहार भेंट किए और उनका उत्साह बढ़ाया। बच्चों के साथ बातचीत करते हुए अधिकारियों ने कहा कि समाज के प्रत्येक बच्चे को स्नेह, सुरक्षा और सम्मान मिलना चाहिए।

रक्षाबंधन पर रेल पुलिस की बाइक गश्ती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमालपुर (मुंगेर) - रक्षाबंधन पर्व को लेकर रेल पुलिस ने महिला यात्रियों और छात्राओं की सुरक्षा के लिए विशेष सतर्कता बरती। रेल एसपी विद्यासागर के निर्देश पर रेल थाना जमालपुर के थानाध्यक्ष स्वराज कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार को विशेष मोटरसाइकिल गश्ती अभियान चलाया गया। अभियान में सार्जेंट नैयर आजम, एसआई मंदीप सहित रेल थाना के पुलिसकर्मी शामिल रहे।पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल से जमालपुर रेलवे स्टेशन परिसर के साथ आसपास के स्टेशनों, रेलखंड और उससे सटे ग्रामीण इलाकों में गश्ती की। रक्षाबंधन के मौके पर ट्रेनों में यात्रियों की संख्या बढ़ने को देखते हुए महिला यात्रियों, छात्राओं और अकेले सफर करने वाले यात्रियों की सुरक्षा पर विशेष नजर रखी गई। गश्ती के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ यात्रियों को भी सतर्क रहने की अपील की गई।रेल पुलिस की बाइक गश्ती से स्टेशन और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर यात्रियों में भरोसा बढ़ा। विशेषकर महिला यात्रियों ने रेल पुलिस की इस पहल की जमकर सराहना की। महिलाओं ने कहा कि पर्व के दौरान सुरक्षा के लिए इस तरह की गश्ती काफी उपयोगी है और इससे अकेले सफर करने वाली महिलाओं को सुरक्षा का एहसास होता है।विदित हो कि पूरे बिहार में रेल पुलिस को करीब 4700 मोटरसाइकिल उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें से 10 मोटरसाइकिल जमालपुर रेल थाना को प्राप्त हुई हैं। इन वाहनों के माध्यम से रेल थाना पुलिस स्टेशन के अलावा रेलखंड से जुड़े संवेदनशील इलाकों में त्वरित गश्ती कर रही है। रेल पुलिस का उद्देश्य पर्व-त्योहार के दौरान यात्रियों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना और किसी भी आपराधिक गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करना है।

पवन सिंह नहीं लड़ते तो क्या राजाराम सिंह जीत पाते?

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। 2024 के लोकसभा चुनाव में काराकाट से जीत हासिल करने वाले सांसद राजाराम सिंह ने दावा किया है कि यदि पवन सिंह चुनाव मैदान में नहीं होते तो उनकी जीत का अंतर करीब दो लाख वोटों का होता। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार 2024 में राजाराम सिंह ने 3,80,581 वोट प्राप्त कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी निर्दलीय पवन सिंह को 1,05,858 मतों से हराया था। हालांकि, चुनावी आंकड़ों का विश्लेषण इस दावे से अलग तस्वीर पेश करता है। राजाराम सिंह ने अपनी जीत को लेकर कहा है कि जिस दिन उन्हें टिकट मिला, उसी दिन जीत तय हो गई थी। उनके अनुसार काराकाट में महागठबंधन की जमीन पहले से मजबूत थी और इंडिया गठबंधन की लहर के साथ सामाजिक न्याय से जुड़े आंदोलनों का भी प्रभाव था। यह उनका राजनीतिक दावा है। वहीं, चुनावी राजनीति पर नजर रखने वाले विश्लेषकों का मानना है कि पवन सिंह के मैदान में उतरने से मुकाबले का समीकरण जरूर बदला और इसका सीधा लाभ राजाराम सिंह को मिला। पवन सिंह के चुनाव मैदान में आने से पहले काराकाट में एनडीए और उसके सहयोगी दलों का प्रभाव मजबूत रहा था। 2009, 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में यहां से भाजपा के साथ गठबंधन करने वाले दलों के प्रत्याशी ही विजयी रहे थे। ऐसे में 2024 में राजाराम सिंह की जीत को काराकाट के चुनावी इतिहास में बड़ा बदलाव माना गया।

2009 में महाबली सिंह ने कांति सिंह को हराया

2008 के परिसीमन के बाद काराकाट नया लोकसभा क्षेत्र अस्तित्व में आया और 2009 में यहां पहली बार लोकसभा चुनाव हुआ। जदयू-भाजपा गठबंधन के प्रत्याशी महाबली सिंह को 1,96,946 वोट मिले और उन्होंने राजद की कांति सिंह को हराया। कांति सिंह को 1,76,463 वोट मिले, जबकि भाकपा माले के प्रत्याशी राजाराम सिंह को 37,493 वोट प्राप्त हुए।

यदि राजद और माले के वोटों को जोड़ दिया जाए तो यह आंकड़ा 2,13,956 होता है, जो विजेता महाबली सिंह से 17,010 अधिक था। हालांकि, उस समय दोनों दल अलग-अलग चुनाव लड़ रहे थे, इसलिए इन वोटों को एक साथ जोड़कर चुनावी परिणाम का आकलन करना केवल एक राजनीतिक गणित माना जा सकता है।

2014 में भाजपा और जदयू का गठबंधन टूट चुका था, जबकि रालोसपा भाजपा के साथ थी। काराकाट से रालोसपा प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा ने राजद की कांति सिंह को 1,05,241 मतों से हराया। जदयू के महाबली सिंह को 76,700 और भाकपा माले के राजाराम सिंह को 32,686 वोट मिले।

राजद और माले के वोट जोड़ने पर भी यह संख्या उपेंद्र कुशवाहा के मतों से कम रहती है। वहीं, यदि उस चुनाव में जदयू को मिले वोटों को एनडीए के साथ संभावित रूप से जोड़कर देखा जाए तो कुशवाहा की जीत का काल्पनिक अंतर और बड़ा हो जाता है। हालांकि, यह गठबंधन न होने की स्थिति में केवल अनुमानित चुनावी गणित है।

2019 में भाजपा और जदयू एक साथ चुनाव मैदान में थे। जदयू के प्रत्याशी महाबली सिंह को 45 प्रतिशत से अधिक वोट मिले और वे विजयी हुए। उस चुनाव में रालोसपा, राजद और कांग्रेस गठबंधन के साथ थे, जबकि भाकपा माले ने अलग से राजाराम सिंह को प्रत्याशी बनाया था। राजाराम सिंह को 24,932 वोट मिले।

इस चुनाव में भी एनडीए के मुकाबले विपक्षी दलों के अलग-अलग चुनाव लड़ने से वोटों का बंटवारा हुआ। यही वजह रही कि 2019 में भी एनडीए प्रत्याशी की जीत का अंतर काफी बड़ा रहा।

2024 में बदला पूरा चुनावी समीकरण

2024 में राजद, कांग्रेस और भाकपा माले एक साथ इंडिया गठबंधन में थे। भाकपा माले के प्रत्याशी राजाराम सिंह को 3,80,581 वोट मिले। वहीं निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह को 2,74,723 और एनडीए समर्थित राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा को 2,53,876 वोट मिले। यही आंकड़े पवन सिंह की भूमिका को लेकर सबसे महत्वपूर्ण सवाल खड़ा करते हैं। पवन सिंह और उपेंद्र कुशवाहा के वोटों को जोड़ने पर कुल संख्या 5,28,599 होती है, जो राजाराम सिंह को मिले 3,80,581 वोटों से 1,48,018 अधिक है।

इस गणित के आधार पर कहा जा सकता है कि यदि पवन सिंह चुनाव मैदान में नहीं होते और उनके अधिकांश वोट एनडीए प्रत्याशी की ओर चले जाते, तो राजाराम सिंह के लिए जीत हासिल करना बेहद मुश्किल होता। हालांकि, यह मान लेना भी उचित नहीं होगा कि पवन सिंह के सभी मत उपेंद्र कुशवाहा को ही मिलते। मतदाताओं का व्यवहार

नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी में सादगी के साथ होगा दीक्षांत समारोह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी का कन्वोकेशन सादे समारोह में आयोजित होगा। इस समारोह के लिए किसी भी प्रकार का बड़ा टेंट नहीं लगाया जाएगा।

लोक भवन की तरफ से नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी को दीक्षांत समारोह को लेकर कई बिंदुओं पर निर्देश मिले। समारोह किसी खुले मैदान में नहीं होगा बल्कि यूनिवर्सिटी के हाल में ही होगा।

पलामू जिला के नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी का दीक्षांत समारोह सितंबर महीने में होना है। इसको लेकर लोक भवन की तरफ से नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी को कई बिंदुओं पर निर्देश मिले। पहली बार नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी में 40 पीएचडी धारकों को कन्वोकेशन में मेडल दिया जाएगा।

नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि इस बार कम से कम बजट में दीक्षांत समारोह करवाया जाना है, राज्यपाल की तरफ से इस संबंध में निर्देश भी मिले हैं। इस बार टेंट नहीं लगाया जाएगा बल्कि यूनिवर्सिटी के कांफ्रेंस हॉल में समारोह आयोजित होगा। एग्जामिनेशन हॉल के बाहर एक छोटा लगाया जाएगा और एलईडी लगाए जाएंगे। इस दीक्षांत समारोह में 300 के करीब छात्रों को डिग्री दिया जाना है. नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी की स्थापना 2009 में हुई थी साल 2022 में यूनिवर्सिटी का पहला दीक्षांत समारोह हुआ था। 2025 में यूनिवर्सिटी का दूसरा कन्वोकेशन हुआ है जबकि तीसरा कन्वोकेशन सितंबर 2026 में होना है. नीलांबर पीतांबर यूनिवर्सिटी अंतर्गत पलामू, गढ़वा एवं लातेहार के सभी कॉलेज आते हैं। इस दीक्षांत समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार भाग लेंगे।

कब मिलेगी अंबा को भीषण जाम से निजात, जनजीवन बेहाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अंबा, औरंगाबाद। अंबा बाजार एवं आसपास के क्षेत्रों में पिछले दो दिनों से लगातार लग रहे भीषण जाम ने आम जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। जाम की स्थिति इतनी गंभीर है कि अंबा से बभंडी फील्ड तक तथा दक्षिण दिशा में रखा कॉलोनी तक वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं। घंटों सड़क पर फंसे रहने से आम लोगों के साथ स्कूली बच्चे, महिलाएं, मरीज और यात्री परेशान हैं। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को हो रही है। विद्यालयों की छुट्टी करीब 1:30 बजे होने के बावजूद बच्चे जाम के कारण शाम 4 बजे या उससे भी देर से घर पहुंच रहे हैं। छोटे बच्चों को गर्मी, भूख और घंटों वाहनों में फंसे रहने के कारण काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। महिलाओं और यात्रियों की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। लंबे समय तक जाम में फंसे रहने के कारण कई महिलाएं वाहनों से उतरकर सड़क किनारे टहलती नजर आती हैं। वहीं, अंबा बाजार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालय की समुचित व्यवस्था नहीं होने से महिलाओं, बच्चों और यात्रियों की परेशानी और बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, जाम सुबह से देर रात तक बना रह रहा है। कई बार रात 9 से 10 बजे तक भी सड़क पर वाहनों की कतार लगी रहती है। इस दौरान एंबुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं के वाहन भी जाम में फंस जाते हैं।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं.: सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/33 दिनांक 26.08.2026
वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों का अनुबंध प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। **कैटलॉग सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-33, नीलामी शुरू होने की तिथि और समय** : दिनांक 10.09.2026 को 14.00 बजे। **क्रम सं., लॉट सं., विवरण** निम्नानुसार हैं: (1) **एए/1, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूई-ओएच-156-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, हावड़ा मंडल के कटवा रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। (2) **एए/2, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एजेड-ओएच-163-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, हावड़ा मंडल के आजिमगंज रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। (3) **एए/3, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एएमबीजी-ओएच-164-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)**, हावड़ा मंडल के आरामबाग रेलवे स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के पास सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। (4) **एबी/1, एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केक्यूयू-ओएसएन-30-26-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन-डिजिटल)]**, तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा मंडल के कामारकुंडु (एचबीसी) स्टेशन के स्टेशन परिसर के अंदर वाणिज्यिक प्रचार की प्रदर्शनी के लिए अनुबंध प्रदान करना।
HWH-311/2026-27
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह (नीलामी संचालन अधिकारी), दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता-700014 द्वारा सियालदह मंडल के "हाड़ोया रोड (एचआरओ) और सोण्डालिया (एसएक्ससी) रेलवे स्टेशनों में मोबाइल फूड वैन की स्थापना, संचालन और रखरखाव; सियालदह (एसडीएएच) और जादवपुर (जेडीपी) रेलवे स्टेशनों में इलेक्ट्रिक वेहिकल बैटरी स्वैपिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और रखरखाव, कड़ेया कदम्बगाछी (केबीजीएच) और सोण्डालिया (एसएक्ससी) रेलवे स्टेशनों में मिनी मार्ट के विकास, परिचालन एवं रखरखाव" के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है जिसके लिए ई-नीलामी कैटलॉग **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया गया है।
- **(क) ऑक्शन कैटलॉग सं. एमएफवी एचआरओ, नीलामी शुरू : 16.09.2026 को 11.45 बजे। क्रम सं., लॉट सं. और स्टेशन** निम्नानुसार हैं: (1) **एए/1**, एमएसएस-एसडीएएच-एचआरओ-एसटीजीईएन-152-26-1, हाड़ोया रोड। (2) **एए/2**, एमएसएस-एसडीएएच-एचआरओ-एसटीजीईएन-150-26-1, हाड़ोया रोड। (3) **एए/3**, एमएसएस-एसडीएएच-एचआरओ-एसटीजीईएन-151-26-1, हाड़ोया रोड।
- **(ख) ऑक्शन कैटलॉग सं. एमएफवी एसएक्ससी, नीलामी शुरू : 17.09.2026 को 11.45 बजे। क्रम सं., लॉट सं. और स्टेशन** निम्नानुसार हैं: (1) **एए/1**, एमएसएस-एसडीएएच-एसएक्ससी-एसटीजीईएन-153-26-1, सोण्डालिया। (2) **एए/2**, एमएसएस-एसडीएएच-एसएक्ससी-एसटीजीईएन-154-26-1, सोण्डालिया।
- **(ग) ऑक्शन कैटलॉग सं. बैटरीस्वैप-एसईपी, नीलामी शुरू : 18.09.2026 को 11.45 बजे। क्रम सं., लॉट सं. और स्टेशन** निम्नानुसार हैं: (1) **एए/1**, एमएसएस-एसडीएएच-एसडीएएच-बीएस-142-26-1, सियालदह। (2) **एए/2**, एमएसएस-एसडीएएच-जेडीपी-बीएस-140-26-1, जादवपुर।
- **(घ) ऑक्शन कैटलॉग सं. मिनीमार्ट केबीजीएच, नीलामी शुरू : 22.09.2026 को 11.00 बजे। क्रम सं.: एए/1, लॉट सं.**:एमएसएस-एसडीएएच-केबीजीएच-एसटीजीईएन-148-26-1, **स्टेशन**: कड़ेया कदम्बगाछी।
- **(ङ) ऑक्शन कैटलॉग सं. मिनीमार्ट एसएक्ससी, नीलामी शुरू : 29.09.2026 को 11.00 बजे। क्रम सं.: एए/1, लॉट सं.**:एमएसएस-एसडीएएच-एसएक्ससी-एसटीजीईएन-149-26-1, **स्टेशन**: सोण्डालिया।

प्रत्याशित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे अधिक जानकारी के लिए आईआरईपीएस ई-ऑक्शन मॉड्यूल देखें।
SDAH-204/2026-27
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सहकारिता के क्षेत्र में गरीब, वंचित और आम किसानों को प्राथमिकता के आधार पर सहभागिता मिले : डा. प्रेम कुमार

विधानसभा अध्यक्ष ने की सहकारिता सचिव धर्मेंद्र सिंह के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेंद्र सिंह के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में राज्य में सहकारिता के क्षेत्र को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनोपयोगी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान वेजिटेबल यूनियन की भांति मार्केटिंग यूनियन की प्रबंधकारिणी की कार्य-अवधि को 1 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष करने तथा संसद एवं विधान मंडल सदस्य सहकारी गृह निर्माण सोसायटी हेतु सदस्यता के संबंध में पूर्व के निर्देशों के अनुपालन पर चर्चा हुई। साथ ही गयाजी में प्रस्तावित सहकारी ट्रेनिंग सेंटर की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई तथा बुनकर समितियों को आर्थिक मदद पहुंचाने, प्रखंड स्तरीय सभी समितियों का यूनियन द्वारा एफिलिएशन और समितियों को 98,000 रुपये प्रति समिति की दर से दी जाने वाली आर्थिक सहायता की प्रगति पर बल दिया गया। बैठक में वेजिटेबल और मार्केटिंग यूनियनों को प्रदान किए जाने वाले आर्थिक सहयोग, मानव बल, मार्केट फंड, तथा छपरा, दरभंगा, सहरसा एवं मधेपुरा में नए सहकारी बैंकों के खुलने की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री फसल सहायता योजना के अंतर्गत खरीफ 2024-25 तथा उसके बाद के वर्षों में लाभुकों के बीच भुगतान की स्थिति, प्रखंड सब्जी समितियों में कोल्ड स्टोरेज, गोदाम की स्थिति और भूमि की उपलब्धता पर चर्चा हुई। साथ ही पैक्स के क्षेत्र में उत्पादित वस्तुओं का क्रय स्वयं पैक्स द्वारा सुनिश्चित हो, इसके लिए फाइनेंस, इंडस्ट्री और सहकारिता विभाग की संयुक्त बैठक की स्थिति पर भी विचार हुआ। इसके अलावा कंज्यूमर कोऑपरेटिव एवं उनके प्रबंधन की दिशा में अनुमंडल स्तर पर गठित संगठन की प्रगति की चर्चा हुई जिसे त्वरित रूप से प्रमंडल एवं राज्य स्तर तक विधि द्वारा विस्तारित करने हेतु आवश्यक बिंदुओं पर विचार विमर्श हुआ। अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने मधुमक्खी पालन, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं अन्य सहकारी संगठनों से जुड़े सदस्यों को सहकारिता से सीधे तौर पर जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहकारिता के क्षेत्र में गरीब, वंचित, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और आम किसानों को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद, प्रसंस्करण और विपणन में सहभागिता मिलनी चाहिए। इसके साथ ही युवाओं के कौशल विकास हेतु उच्च शिक्षा में सहकारिता आधारित पाठ्यक्रम, डिग्री एवं डिप्लोमा कोर्स शुरू करने की दिशा में आवश्यक पहल पर भी सार्थक विमर्श हुआ। बैठक में बिहार विधान सभा की प्रभारी सचिव सहित सभा सचिवालय के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में उद्यान प्रमंडल एवं भवन निर्माण विभाग के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

एन.आई.टी. के साथ-साथ आई.आई.टी. के विशेषज्ञों को सम्मिलित करने का सुझाव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में उद्यान प्रमंडल एवं भवन निर्माण विभाग के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधान सभा परिसर के विकास, सौंदर्यीकरण, अवस्थापना सुविधाओं के विस्तार और निर्माणाधीन परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक के प्रारंभ में बिहार विधान सभा प्रांगण में निर्माणाधीन संग्रहालय (म्यूजियम) के निर्माण कार्यों की प्रगति की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। इस दौरान केंद्र सरकार की अनुमति से संबंधित प्रतिवेदन पर विस्तार से चर्चा हुई। अध्यक्ष ने वास्तु विशेषज्ञता एवं तकनीकी परामर्श के दायरे को और अधिक व्यापक बनाने के उद्देश्य से एन.आई.टी. के साथ-साथ आई.आई.टी. के विशेषज्ञों को भी सम्मिलित करने का सुझाव दिया, ताकि निर्माण कार्य में उच्च स्तर की उत्कृष्टता और सुचिता सुनिश्चित की जा सके। इसके साथ ही चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत प्राथमिकता के आधार पर विधान सभा के मुख्य प्रवेश द्वार पर एक अत्याधुनिक स्वागत कक्ष (रिसेप्शन) के निर्माण हेतु त्वरित गति से कार्य करने के निर्देश दिए गए। विधान सभा में प्रस्तावित मुद्रणालय के निर्माण के संदर्भ में 3,000 वर्ग फीट क्षेत्र में लगभग 30 फीट ऊंचे भवन के निर्माण हेतु आवश्यक नक्शा तैयार करने और इसके अनुमोदन से संबंधित प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। परिसर के सौंदर्यीकरण और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए अध्यक्ष ने कार पार्किंग स्थल के चारों तरफ साफ-सफाई एवं गार्डेनिंग को सुदृढ़ करने को कहा। मुख्य रूप से मौसमी पुष्पों की सुसज्जित वाटिका विकसित करने के तहत परिसर में विभिन्न प्रकार के सुगंधित फूलों वाले पौधों का रोपण और उनके नियमित रख-रखाव के लिए उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा विधान सभा परिसर में स्थित विभिन्न पार्कों में नियमित रूप से ग्रास-कटिंग (घास की कटाई) एवं समुचित साफ-सफाई करने के निर्देश भी प्रदान किए गए।

संभावित बाढ़ को लेकर महत्वपूर्ण तटबंधों पर बढ़ाई गई निगरानी

अधिकारियों को चौकसी बढ़ाने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि होने के कारण संभावित बाढ़ को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने सारण तटबंध सहित सभी महत्वपूर्ण तटबंधों की निगरानी बढ़ा दी है। इसके लिए संभी संबंधित अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दे दिया गया है। ताकि बाढ़ के आने पर तुरंत आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी जाए। विदित हो कि 26 अगस्त यानी बुधवार की सुबह तिब्बत प्रभाग में एक ग्लेशियल लेक के आउटब्रस्ट होने के कारण नेपाल में प्रलयंकारी बाढ़ आ गई थी जिससे नेपाल में काफी क्षति हुई है। उस बाढ़ का पानी गंडक नदी में प्रवाह होने से बिहार के गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर जिले में बाढ़ आने की संभावना है। इसको देखते हुए जल संसाधन विभाग ने उक्त जिलों में स्थित सभी तटबंधों की सुरक्षा के लिए निगरानी बढ़ा दी है। इसके लिए विभाग ने गंडक बराज पर मुख्यालय स्तर से अधीक्षण अभियंता के नेतृत्व में एक तकनीकी दल को तैनात कर दिया है। वहीं जल संसाधन विभाग ने सतर्कता बरतते हुए गंडक बराज के सभी 36 गेटों को खोल दिया है, ताकि नेपाल से आने वाला बाढ़ का पानी निकल सके। बताया जाता है कि मुख्यालय स्तर से गंडक नदी में आने वाली संभावित बाढ़ को लेकर लगातार निगरानी रखी जा रही है और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं जिससे कि सारण तटबंध सहित उससे प्रभावित होने वाले सभी तटबंध सुरक्षित रहे और आपात स्थिति आने पर आसानी से से निपटा जा सके।

मुख्यमंत्री ने 'वृक्ष सुरक्षा दिवस' पर वृक्ष को रक्षा सूत्र बांधा एवं किया पौधारोपण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रक्षा बंधन एवं 'वृक्ष सुरक्षा दिवस' के पावन अवसर पर पटना स्थित राजधानी वाटिका-1 में वृक्ष को रक्षा सूत्र बांधा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राजधानी वाटिका-1 में नागलिंगम पौधे का रोपण भी किया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा रक्षा बंधन के अवसर पर राज्य स्तरीय 'वृक्ष सुरक्षा दिवस' कार्यक्रम का उद्देश्य है कि पर्यावरण के प्रति लोग जागरूक हों, पौधों को संरक्षित करें और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। जलवायु परिवर्तन से पृथ्वी पर हो रहे नुकसान को कम करने के लिए वृक्षारोपण करना एवं इन्हें बचाना अति आवश्यक है। राज्य सरकार की योजनाओं एवं प्रयासों से राज्य के लोग पर्यावरण, जीव-जंतुओं के संरक्षण तथा

वृक्षारोपण के प्रति जागरूक हो रहे है। इस अवसर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ. रामचन्द्र प्रसाद, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के विशेष सचिव आलोक कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरविन्दर सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

दरभंगा में 200 करोड़ की लागत से बनेगा राष्ट्रीय स्तर का खेल परिसर

सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बदल रही बिहार की तस्वीर : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह दरभंगा नगर विधायक संजय सरावगी ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार के विकास को नई दिशा और नई गति देने में जुटी है। दरभंगा के ऐतिहासिक नेहरू स्टेडियम को राष्ट्रीय स्तर का खेल परिसर के रूप में विकसित करने की योजना इसका बड़ा उदाहरण है। लगभग 200 करोड़ रुपये की लागत से 10 एकड़ में विकसित होने वाला यह खेल परिसर दरभंगा के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में हुई बैठक में नेहरू स्टेडियम के प्रस्तावित कायाकल्प और 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान प्रस्तावित क्रिकेट स्टेडियम और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के प्रस्तुतीकरण का भी अवलोकन किया गया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से मिथिलांचल की खेल प्रतिभाएं बेहतर सुविधाओं के अभाव में अपनी पूरी क्षमता का प्रदर्शन नहीं कर पाती थीं। अब एनडीए सरकार ने इस कमी को दूर करने की दिशा में निर्णायक पहल की है। अब दरभंगा के खिलाड़ियों को बड़े शहरों की ओर सुविधाओं के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा, बल्कि विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और संसाधन उनके अपने शहर में उपलब्ध होंगे।

करबिगहिया-मीठापुर फ्लाइओवर (फेज-1) तथा मीठापुर-सिपारा एलिवेटेड पथ का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज पटना में 249 करोड़ रूपये की लागत से निर्मित मीठापुर बस स्टैंड को मीठापुर गोलंबर (भाया नवनिर्मित करबिगहिया गोलम्बर, फेज-1) से जोड़नेवाले फ्लाईओवर, पहुंच पथ एवं सेवा पथ का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया। यह फ्लाईओवर नवनिर्मित करबिगहिया गोलंबर के माध्यम से मीठापुर क्षेत्र को बेहतर एवं सुगम यातायात सुविधा से जोड़ेगा। साथ ही मुख्यमंत्री ने मीठापुर-महुली-पुनपुन परियोजना के अंतर्गत मीठापुर से सिपारा तक निर्मित 2.1 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड पथांश का भी फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर लोकार्पण किया। इन दोनों महत्वपूर्ण परियोजनाओं के शुरू होने से पटना के इस महत्वपूर्ण यातायात मार्ग पर आवागमन अधिक सुगम और व्यवस्थित होगा। मीठापुर-सिपारा मार्ग पर लगनेवाले जाम से आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही करबिगहिया, मीठापुर एवं स्टेशन रोड पर यातायात का दबाव कम होने से लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। लोकार्पण के पश्चात मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित फ्लाईओवर के निर्माण कार्य एवं यातायात व्यवस्था का पैदल चलकर तथा वाहन के माध्यम से जायजा लिया। उन्होंने परियोजना से संबंधित सुविधाओं और आवागमन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि करबिगहिया-मीठापुर फ्लाईओवर के शुरू होने से रेलवे स्टेशन आने-जाने वाले यात्रियों के लिए भी रास्ता अधिक सुगम होगा।

रक्षाबंधन पर बिहार की बेटियों को सुरक्षा का भरोसा, 1408 'पुलिस दीदी' टीमें मैदान में

आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस दीदी टीमों को जोड़ा गया ईआरएसएस डायल- 112 से

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रक्षाबंधन पर पुलिस महकमा के स्तर से महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर बिहार पुलिस की विशेष पहल की गई है। पुलिस दीदी की टीमों को पेट्रोलिंग की कमान सौंप दी गई है। राज्य के सभी जिलों में 1408 पुलिस दीदी टीमों के स्तर से विशेष पेट्रोलिंग एवं क्षेत्र भ्रमण की शुरुआत की गई है। इन टीमों के स्तर से अपने-अपने थाना क्षेत्रों के अंतर्गत स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, कोचिंग संस्थान, मॉल, पार्क, सिनेमा हॉल, मेला, बाजारा, हाट समेत अन्य संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर नियमित भ्रमण एवं प्रभावी निगरानी की जा रही है। ताकि महिलाओं महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। आवश्यक पड़ने पर महिलाओं एवं बालिकाओं को तत्काल पुलिस सहायता, काउंसलिंग एवं अन्य आवश्यक सहयोग भी उपलब्ध कराया जाएगा। आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस दीदी टीमों को ईआरएसएस डायल-112 से जोड़ा गया है जिससे आवश्यकता पड़ने पर निकटतम ईआरएसएस वाहन एवं अन्य पुलिस टीमों से तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सके। पहले चरण में 1500 तथा दूसरे चरण में 1 हजार, इस तरह 2500 पुलिस दीदी टीमों के गठन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पहले से कार्यरत अभया ब्रिगेड के स्थान पर वर्तमान में आवश्यकताओं के अनुरूप पुलिस दीदी टीमों का गठन किया गया है। प्रत्येक टीम में एक महिला पुलिस पदाधिकारी को प्रभारी तथा एक महिला पुलिसकर्मी को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। महिलाओं और बालिकाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम तथा उनके लिए सुरक्षित एवं भरोसेमंद वातावरण तैयार करने के उदेश्य से सभी जिलों में इस तरह की टीम का गठन किया गया है। पुलिस दीदी की टीम स्कूल, कॉलेज, छात्रावासों और कोचिंग संस्थानों में जाकर महिलाओं एवं बालिकाओं से संपर्क स्थापित करेगी तथा उनकी सुरक्षा से संबंधित समस्याओं के साथ ही आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त करेगी। संबंधित संस्थानों के प्रशासन, शिक्षकों, वार्डनों एवं संचालकों के साथ आवश्यक समन्वय स्थापित कर महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी तालमेल बनाया जाएगा। महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा उपलब्ध पुलिस सहायता एवं आपातकालीन सेवाओं के संबंध में जागरूक किया जाएगा। किसी तरह की छेड़खानी, पीछा करने, उत्पीड़न अथवा अन्य आपराधिक गतिविधि की सूचना मिलने पर त्वरित और आवश्यक विधि सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पटना सिटी में सत्यम सहाय की सेवा और सरलता सदैव स्मरणीय रहेगी : राजेश बल्लभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना सिटी। गिरिराज उत्सव पैलेस में पटना सिटी के वरिष्ठ समाजसेवी राजेश बल्लभ उर्फ मुन्ना यादव द्वारा अनुमंडल शांति समिति के बैनर तले पटना सिटी के पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी सत्यम सहाय का विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। श्री सहाय के कुशल कार्यशाली, आत्मीय व्यवहार व सफल कार्यकाल हेतु पटना सिटी के विभिन्न सामाजिक प्रतिनिधियों द्वारा उनका सम्मान किया गया। वहीं वर्तमान अनुमंडल पदाधिकारी कशिश बख्शी का भी सभी ने अभिवादन कर स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजेश बल्लभ उर्फ मुन्ना यादव ने बताया कि सत्यम सहाय ने अपने कार्यकाल में कई ऐसे भी कार्य किए जिसमें कई निर्दोष को बचाने से ले कर कई सामाजिक कार्यों में भी बढ़-चढ़ कर भाग लेने का काम किया है।

चौथे दिन भी जारी रहा केवाइपी बचाओ महाआंदोलन, रक्षाबंधन छोड़ धरने पर डटे केंद्र संचालक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। केवाईपी केंद्रों के रिन्यूवल, प्रशिक्षण एवं एडमिशन शुरू करने और लंबित भुगतान की मांग को लेकर 25 अगस्त से गर्दनीबाग में चल रहा केवाईपी बचाओ महाआंदोलन शुक्रवार को चौथे दिन भी जारी रहा। रक्षाबंधन जैसे त्योहार के बावजूद बड़ी संख्या में केवाईपी केंद्र संचालक अपने निजी कार्यक्रमों को छोड़कर धरना स्थल पर डटे रहे। आंदोलनकारियों ने कहा कि वर्षों से संचालित केवाईपी केंद्रों का संचालन अवरुद्ध है जिससे केंद्र संचालकों के साथ-साथ बिहार के हजारों युवा भी प्रभावित हो रहे हैं। केंद्र संचालकों की प्रमुख मांग है कि पुराने केवाईपी केंद्रों का तत्काल रिन्यूवल कर प्रशिक्षण एवं नए एडमिशन शुरू किए जाएं तथा करीब आठ महीने से लंबित बिलों का अविलंब भुगतान किया जाए। आंदोलनकारियों ने कहा कि लगातार चार दिनों के धरने के बावजूद अब तक कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'जब तक रिन्यूवल नहीं, तब तक धरना जारी रहेगा जब तक एडमिशन नहीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।' केंद्र संचालकों ने सरकार से मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर ठोस निर्णय लेने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि मांगें पूरी होने तक गर्दनीबाग में महाधरना जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने रक्षा बंधन पर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आयी बहनों से बंधवाई राखी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोक सेवक आवास स्थित 'नेक संवाद' सभागार में रक्षा बंधन के पावन अवसर पर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आयी बहनों से राखी बंधवाई। बहनों ने मुख्यमंत्री के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने भी बहनों के प्रति अपना स्नेह एवं सम्मान व्यक्त करते हुये उन्हें शुभकामनायें दी। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास, अपनत्व और एक दूसरे के प्रति जिम्मेदारी का पावन पर्व है। यह पर्व हमारे सामाजिक और पारिवारिक मूल्यों को और मजबूत करता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से रक्षा बंधन के इस पावन अवसर पर आपसी प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और सामाजिक सौहार्द्र को मजबूत करने का आह्वान किया।

पटना में संस्कृत दिवस समारोह का भव्य आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना एवं पेंशनर भवन के संयुक्त तत्वावधान में पाटलिपुत्र कालोनी स्थित पेंशनर भवन में संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन संस्कृतमय वातावरण में आधुनिक सन्दर्भ में संस्कृत भाषा की उपयोगिता पर विचार -विमर्श सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के अध्यक्ष डॉ शिववंश पाण्डेय ने की। मुख्य अतिथि विजय शंकर दुबे, पूर्व मुख्य सचिव बिहार एवं झारखंड थे। मुख्य वक्ता प्रो. रागिनी वर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ उपेन्द्र नाथ पांडेय, पूर्व विशेष सचिव बिहार सरकार तथा कार्यक्रम का संचालन इस संस्था के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा ने संस्कृत भाषा में किया। कार्यक्रम का प्रारंभ मंगलाचरण से हुआ। आगत अतिथियों का स्वागत संस्था के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा ने करते हुए संस्कृत दिवस की प्रासंगिकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा का प्रचार-प्रसार में सभी लोगों का सहयोग आवश्यक है। मुख्यातिथि विजय शंकर दुबे ने कहा कि संस्कृत भाषा कामधेनु के समान है। इस भाषा की सभी कालों में समान है। हमारी संस्कृति संस्कृत भाषा पर आधारित है। मुख्य वक्ता प्रो. रागिनी वर्मा ने कहा कि आज संस्कृत भाषा की उपयोगिता अधिक है। हिंदी की रक्षा के लिए संस्कृत का अध्ययन अति आवश्यक है। पूर्व विशेष सचिव डॉ उपेन्द्र नाथ पांडेय ने कहा कि पौराणिक मूल्यों की स्थापना के लिए संस्कृत भाषा का ज्ञान आवश्यक है। इसी भाषा के कारण विश्व में हमारी पहचान है। अपने अध्यक्षीय भाषण में डॉ शिववंश पाण्डेय ने समाज की स्थापना पर विस्तार से चर्चा करते हुए इसके उद्देश्यों से लोगों को परिचित कराया। इस अवसर पर विचार व्यक्त करने वालों में डॉ अनिल कुमार चौबे, डॉ मीनाक्षी प्रसाद, डॉ नीरा कुमारी, डॉ रागनी कुमारी, शम्भु नाथ पांडेय, तरुण कुमार पाण्डेय, डॉ भारती कुमारी, डॉ राम नारायण सिंह प्रमुख हैं। धन्यवाद ज्ञापन श्रद्धा कुमारी ने किया तथा डॉ अनिल कुमार चौबे ने संस्कृत में गीत गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पहली गैर-जीएमओ पॉपकॉर्न मक्का हाइब्रिड बीज किस्मों का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारत के पॉपकॉर्न उद्योग के लिए एक दशक से अधिक समय से प्रतीक्षित महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में भारत के उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने कृष्णा 459 और गोदावरी 234, भारत की पहली उच्च-विस्तार क्षमता वाली गैर-जीएमओ पॉपकॉर्न मक्का हाइब्रिड बीज किस्मों का शुभारंभ किया। इन्हें दुनिया की प्रमुख मक्का किस्मों के अनुरूप पॉपिंग गुणवत्ता प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। मुसुनुरु स्थित गॉरमेट पॉपकॉर्निया के कारखाने में आयोजित कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस अब्दुल नजीर और मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आठ राज्यों के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों और साझेदारों को सम्मानित किया गया। एस बी पी पट्टाभि रामा राव, प्रबंध निदेशक, गॉरमेट पॉपकॉर्निया ने कहा कि यह किसी कंपनी की कहानी नहीं है, यह आठ राज्यों के 17500 से अधिक किसानों की कहानी है जिन्होंने विश्वास किया कि इससे बेहतर फसल संभव है।

कभी घर चलाना था मुश्किल, आज दूसरों को दे रहीं रोजगार

महिला उद्यमी योजना से बदली किस्मत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में महिलाएं स्वरोजगार की ओर अग्रसर हैं और लगातार सफलता हासिल कर रही हैं। इसका सफल उदाहरण मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के आंकड़ों से स्पष्ट होता है। उद्योग विभाग के अनुसार इस योजना के माध्यम से अब तक 9,100 से अधिक महिलाओं ने अपना व्यवसाय स्थापित कर कीर्तिमान रचा है। सरकार की ओर से इन महिलाओं को 671 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ प्रदान किया गया है। साल 2005 से पहले जहां महिला अपने घर से बाहर निकलने को ही सबसे बड़ी उपलब्धि मानती थी। वहीं अब राज्य की महिलाएं घर की चौखट से बाहर निकलकर आत्मविश्वास के साथ अपने व्यापार को शुरू करने का हौसला रख रही हैं। योजना की लाभार्थी गया जिले की झिकटिया गांव की रहने वाली पल्लवी प्रियदर्शिनी ने बताया कि वे डिस्पोजेबल डायपर और सेनेटरी नैपकिन निर्माण का कारोबार करती हैं। अपने गृह जिला गया के एक छोटे से गांव से अपने सपनों को जमीन पर लाने तक योजना ने मुख्य भूमिका निभाई है। योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से व्यापार करने में सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने अपने उद्यमी बनने की शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों और सामाजिक चुनौतियां होने के बावजूद भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। वतर्मान में वे अपने व्यवसाय के जरिये स्थानीय महिलाओं को रोजगार देने में सफल साबित हो रही है। इसके अलावा उन्होंने अपनी यूनिट में ही प्रशिक्षण की व्यवस्था भी शुरू की है जिससे उनकी इकाई ने न केवल स्वच्छता को बढ़ावा दिया, बल्कि महिलाओं की आत्मनिर्भरता की राह भी खोली। पल्लवी ने बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के जरिये 10 लाख ऋण के तौर पर प्राप्त हुआ। वर्तमान में वे अपने यूनिट के जरिये वे सालाना 30 लाख तक की कमाई कर रही है। उनके उत्पादों की गुणवत्ता और किफायती मूल्य ने बाजार में एक अलग पहचान कायम किया है। गांव की कई महिलाएं आज उनके साथ काम कर रही हैं और अपने परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही हैं। पल्लवी प्रियदर्शिनी की सफलता न केवल गया जिले के लिए प्रेरणा है, बल्कि पूरे राज्य की उन महिलाओं के लिए मिसाल है जो आत्मनिर्भर बनने का सपना देखती हैं।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। जिलेभर में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में उत्सव का माहौल रहा। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी, तिलक लगाया और मिठाई खिलाकर उनकी सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को उपहार भेंट कर जीवनभर साथ निभाने और उनकी खुशियों का ख्याल रखने का संकल्प लिया। दूर रहने वाले भाई-बहनों ने फोन और वीडियो कॉल के माध्यम से एक-दूसरे को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। बाजारों में भी राखी और मिठाइयों की दुकानों पर लोगों की भीड़ देखने को मिली। पूरे जिले में प्रेम, स्नेह और भाईचारे का माहौल बना रहा।

सिटीजन केयर फाउंडेशन ने रेनबो होम की बच्चियों के बीच बांटे कपड़े और खिलौने

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। रक्षाबंधन के अवसर पर सिटीजन केयर फाउंडेशन की ओर से राजबंशी नगर स्थित रेनबो होम की बच्चियों के बीच नए कपड़े, खिलौने, टेडी बेयर और बिस्कुट का वितरण किया गया। नए कपड़े और खिलौने पाकर बच्चियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर रेनबो होम की मैनेजमेंट हेड विशाखा के साथ अन्य शिक्षिकाएं भी मौजूद रहीं। उन्होंने फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास बच्चियों के बीच खुशी और अपनापन का भाव पैदा करते हैं। सिटीजन केयर फाउंडेशन के संस्थापक चंदन कुमार ने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पर्व है। इस पावन अवसर पर हमारा प्रयास है कि रेनबो होम की बच्चियां भी परिवार जैसी खुशी महसूस करें। बच्चियों के चेहरे पर मुस्कान देखकर हमें बेहद खुशी मिली। फाउंडेशन आगे भी जरूरतमंद बच्चों के बीच सेवा और सहयोग के कार्य करता रहेगा।

संपादकीय

नेपाल की भीषण बाढ़, प्रकृति की चेतावनी, भारत पर मंडरा रहा खतरा

बुधवार सुबह उत्तरी नेपाल के रसुवा जिले में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत में भी खतरा बढ़ गया है। उत्तरी बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के निचले इलाकों में नदियां के जलस्तर बढ़ने की चेतावनी जारी की गई है। निचले इलाके के लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाया जा रहा है। उत्तरी नेपाल की भोटे कोशी नदी में अचानक आई भीषण बाढ़ का खतरा भारत पर भी मंडरा रहा है। नेपाल की सीमा से लगते यूपी और बिहार के इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है। कई मौतें हुई हैं, सैकड़ों लापता हैं और बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा है। नेपाल को इस आपदा से उबरने में लंबा समय लगेगा। लापता लोगों में सौ से ज्यादा भारतीय नागरिक भी बताए जा रहे हैं, जो कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर निकले थे। इन लोगों के बचाव और राहत अभियान के लिए नेपाल को बड़े पैमाने पर मदद की जरूरत है। भारत ने इस मौके पर फौरन कदम उठाए हैं। अभी प्राथमिकता प्रभावितों तक पहुंचना और जो इलाके संकट की जद में आ सकते हैं, वहां तैयारी करना है, लेकिन इसके साथ कुछ जरूरी सवाल भी पूछे जाने चाहिए।बिहार के लिए यह अनुभव नया नहीं। सीमापार से आने वाली कोसी, गंडक, बागमती और कमला जैसी नदियां हर साल राज्य में बाढ़ की बड़ी वजह बनती हैं। नेपाल के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश, भूस्खलन या ग्लेशियर से जुड़ी घटनाओं का असर उत्तरी बिहार तक पड़ता है। हालांकि दोनों देशों के बीच बाढ़ की निगरानी और चेतावनी के लिए मैकेनिज्म मौजूद है, लेकिन इसके साथ रुकी हुई परियोजनाओं को भी आगे बढ़ाना होगा। इसमें सबसे महत्वपूर्ण सप्तकोसी हाई डैम परियोजना है, जो कोसी नदी पर प्रस्तावित है। इसका उद्देश्य बाढ़ नियंत्रण के साथ सिंचाई और बिजली उत्पादन भी है, लेकिन यह लंबे समय से फंसी हुई है।दूसरा सवाल जुड़ा है पर्यावरण से। अनुमान है कि तिब्बत क्षेत्र में ग्लेशियर फटने या भूस्खलन के कारण तबाही आई। हिमालयी क्षेत्र में इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। सबसे बड़ी वजह है क्लाइमेट चेंज के कारण इस रीजन का बढ़ता तापमान। नेपाल के एक रिसर्च ग्रुप ने इसी साल अपनी रिपोर्ट में बताया था कि हिंदू कुश हिमालयी शृंखला के ग्लेशियर साल 2000 के बाद से दोगुनी रफ्तार से पिघल रहे हैं। चिंताजनक बात यह है कि इसके बावजूद संवेदनशील क्षेत्रों में इंसानी गतिविधियां जारी हैं, जिससे पर्यावरण को नुकसान बढ़ता जा रहा है।करीब दो अरब लोग हिमालय से निकलने वाली नदियों के पानी पर निर्भर हैं। यह प्रकृति की तरफ से चेतावनी भी है। दोनों देशों को जल प्रबंधन पर तेजी से बात आगे बढ़ाने की जरूरत है। रुके हुए प्रॉजेक्ट्स को प्राथमिकता दी जाए, राजनीतिक मतभेद अलग रखते हुए सहयोग बढ़ाया जाए।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार, उद्यमिता, युवा प्रतिभा, निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है।

अंतरिक्ष में भारत की निजी शक्ति एवं वैज्ञानिक सामर्थ्य की उड़ान

(ललित गर्ग)

भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और दक्षता की अपनी पारंपरिक ताकत को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। यदि यही क्षमता निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से जुड़ती है।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार, उद्यमिता, युवा प्रतिभा, निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी

सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है। इसमें उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ भारत को विश्व की अंतरिक्ष प्रतिभा, निवेश और उद्यमिता का आकर्षण-केंद्र बनाने का सपना प्रस्तुत किया, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का भी संकेत है। भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया, उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची, चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रूवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी, यह भारतीय प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य-एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान में केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई को दर्शाता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं, कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पृथ्वी अवलोकन, संचार, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जबकि अग्निकुल कॉसमॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान, निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं, बल्कि धरती पर जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है। उपग्रह आधारित सेवाएं कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, फसल की निगरानी करने, जल संसाधनों की पहचान, मौसम की सटीक जानकारी देने, मछली पालन, वन संरक्षण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी हो सकती हैं। बाढ़, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय अंतरिक्ष से प्राप्त सूचनाएं राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में संचार तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी अंतरिक्ष तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास का शक्तिशाली माध्यम बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक सोच पर आधारित दिखाई देता है। उनका सपना भारत को केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश बनाना नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। वे चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएं, भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार, मौसम, रक्षा, कृषि, परिवहन, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है। ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेगा, उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो नवाचार को प्रोत्साहित करें, निजी उद्यमों को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराएं, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाएं तथा निवेशकों का विश्वास कायम रखें। अंतरिक्ष क्षेत्र की एकल खिड़की व्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं। भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और दक्षता की अपनी पारंपरिक ताकत को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। यदि यही क्षमता निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से जुड़ती है तो भारत छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों और वैश्विक अंतरिक्ष सेवाओं के क्षेत्र में बड़ा बाजार हासिल कर सकता है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ-साथ उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का अनुभव निजी क्षेत्र के लिए अमूल्य पूंजी है। दशकों की वैज्ञानिक साधना से अर्जित ज्ञान, प्रक्षेपण तकनीक, उपग्रह निर्माण की क्षमता और मिशन प्रबंधन का अनुभव अब देश के नवोदित उद्यमों के लिए मार्गदर्शक शक्ति बन सकता है। सरकारी संस्थान और निजी उद्यम यदि प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग की संस्कृति विकसित करें तो भारत की अंतरिक्ष शक्ति कई गुना बढ़ सकती है।

पढ़ाई जरूरी, लेकिन जिंदगी की पाठशाला किताबों से बाहर

(निधि गोयल)

पढ़ाई के साथ संगीत, चित्रकारी, नृत्य, खेल और योग जैसी गतिविधियों में शामिल होते बच्चे। पढ़ाई के साथ खेल, कला और रचनात्मक गतिविधियां बच्चों के व्यक्तित्व को संवारने में अहम भूमिका निभाती हैं। आजकल कुछ ऐसा दौर चल पड़ा है, जिसमें बच्चों की प्रतिभा माता-पिता को सिर्फ उनकी पढ़ाई में ही दिखती है और अन्य गतिविधियों में उन्हें लगता है कि समय खराब हो रहा है। ऐसी सोच हमारे बच्चे के भविष्य के साथ ही जीवन को सही तरीके से जीने पर भी प्रभाव डाल सकती है। सच यह है कि केवल किताबों तक सीमित रहने पर बच्चे का संपूर्ण विकास नहीं हो पाता है। पढ़ाई के साथ-साथ खेल, नृत्य, संगीत, चित्रकारी, योग और अन्य रचनात्मक गतिविधियां भी बच्चों के व्यक्तित्व को निखारने में अहम भूमिका निभाती हैं।

अक्सर देखने में आता है कि बच्चा पढ़ाई के अलावा जब अन्य गतिविधियों में शामिल होता है, तभी उसकी छिपी प्रतिभा बाहर निकलती है। कुछ बच्चे पढ़ाई में औसत होते हैं, लेकिन खेल, कला, संगीत या किसी अन्य क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हैं। उनकी क्षमता तभी सामने आती है, जब उन्हें तयशुदा ढांचे की पढ़ाई से बाहर निकाला जाता है या उन्हें निकलने का मौका मिलता है। सच यह है कि हर बच्चे की अलग रुचि होती है और अगर उसमें खुद को अभिव्यक्त करने का मौका मिला, तो उसके अनुसार उन्हें कुछ नया सीखने को मिलता है।

अपनी रुचि की गतिविधियों में भाग लेने से बच्चों के भीतर आत्मविश्वास बढ़ता है। जबकि सिर्फ घर में बैठ कर बच्चा पढ़ता रहता है, तो उसका हौसला और आत्मविश्वास कई बार डगमगाने लगता है। वहीं इससे इतर कुछ और सीखने का मौका मिलता है, तो इससे उसके मन में विश्वास पैदा होता है कि वह किसी से कम नहीं है। जब हम कुछ सीखते हैं, तो हमारी कल्पनाशक्ति और रचनात्मक सोच में इजाफा होता है। जैसे हम चित्रकारी, संगीत, लेखन आदि सीखते हैं, तो हमारा दिमाग अलग तरह से काम करता है। हम पढ़ाई से हटकर कुछ नया सीखते हैं और उस पर काम करते हैं। साथ ही समस्या को अलग नजरिए से देखना और उसका समाधान खोजना सीखते हैं।

आज एकल परिवार का चलन है, जिसमें आमतौर पर एक या दो बच्चे ही घर में होते हैं। ऐसे में बच्चों को अकेले रहने की आदत इस कदर हो जाती है कि वे किसी के साथ कुछ भी साझा करने से कतराते हैं। उन्हें किसी से मिलना-जुलना, हंसना-बोलना अच्छा नहीं लगता है। उनके लिए घर से स्कूल या कॉलेज- बस यही रह जाता है। जबकि उन्हें अन्य गतिविधियों में जरूर भेजने की कोशिश होनी चाहिए।

इससे बच्चे को समूह में बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। साथ ही वे दूसरों की बात सुनना, अपनी जिम्मेदारी निभाना और जीत-हार को स्वीकार करना सीखते हैं। आजकल बड़ी संख्या में बच्चे भी अवसाद के शिकार हो रहे हैं, तो उनका तनाव कम करना भी हमारी जिम्मेदारी है। खेलकूद और मनोरंजक गतिविधियां उनके तनाव को कम करती हैं और उन्हें मानसिक रूप से तरोताजा रखने में मदद करती हैं।

आज बच्चों में यह प्रवृत्ति बढ़ती देखी जा रही है कि वे न तो भावनाओं की कदर कर पाते हैं और न ही अपने विचारों को सही से व्यक्त कर पाते हैं। वहीं संगीत, चित्रकारी, नृत्य और लेखन जैसी गतिविधियां बच्चों को अपनी भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने का एक बेहतर माध्यम देती हैं। इससे वे अपनी भावनाओं को समझने और उन्हें सही तरीके से व्यक्त करने की कला सीख सकते हैं।

बहस, नाटक, कहानी सुनाने और सामूहिक चर्चा जैसी गतिविधियों में हिस्सा लेने से बच्चों की बोलने और अपनी बात को सही तरीके से रखने की क्षमता बेहतर होती है। बच्चे अक्सर घर और स्कूल के बीच रोजाना एक ही तरह के लोगों से मिलने के कारण किसी अन्य नए व्यक्ति के सामने संकोच करते हैं। जबकि रचनात्मक गतिविधियों से वे खुल पाते हैं और अपना दृष्टिकोण रखने की क्षमता हासिल करते हैं।

दरअसल, कोई भी गतिविधि सीखते हुए उसमें नियमित तौर पर अभ्यास करवाया जाता है, जिससे यह जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है कि उसे सही तरह से सीखना है और अनुशासन में रहकर ही करना है। अन्य बच्चों के साथ मिलकर गतिविधियों में हिस्सा लेने से बच्चे दोस्त बनाना, बातचीत करना और अलग-अलग स्वभाव के लोगों के साथ तालमेल बैठाना सीखते हैं। ये कौशल आगे चलकर उनके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में भी काम आते हैं।

मगर देखा जाता है कि कई माता-पिता अपने बच्चों को गतिविधियों में शामिल कराने के मामले में भी अपनी मनमानी करते हैं और गतिविधि को संपूर्ण बनाने की कोशिश में लग जाते हैं। जबकि संपूर्णता जैसी कोई चीज नहीं होती। कोई भी व्यक्ति हमेशा नई चीजें सीखता रह सकता है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों को अपनी रुचि को समझने दिया जाए और उन्हें वही गतिविधि चुनने दिया जाए, जिसमें उन्हें खुशी मिलती है।

खेल या पढ़ाई के अलावा अन्य किसी गतिविधि को सीखने का उद्देश्य सिर्फ पुरस्कार या प्रतियोगिता जीतना नहीं, बल्कि बच्चे के व्यक्तित्व के विकास में मदद करना है।

मक्का डिफेंस पेक्ट के बहाने बदल रहा है बांग्लादेश का रणनीतिक खेल, भारत को चारों ओर से घेरने की तैयारी!

तारिक रहमान की भारत यात्रा टलने का असल कारण अब धीरे-धीरे सामने आ रहा है। भले ही ढाका इस फैसले के पीछे शेख हसीना की भारत से की गई वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस और उससे बिगड़े कूटनीतिक माहौल का हवाला दे रहा हो, लेकिन इसके पीछे एक बड़ा रणनीतिक समीकरण भी आकार लेता दिख रहा है। संकेत बताते हैं कि तारिक रहमान का ध्यान फिलहाल नई दिल्ली की यात्रा से अधिक बदलते क्षेत्रीय शक्ति संतुलन और मक्का पैक्ट में बांग्लादेश की संभावित भागीदारी पर केंद्रित है। 'बांग्लादेश फर्स्ट' की नीति के तहत ढाका पाकिस्तान, तुर्किये और सऊदी अरब के साथ उभरते इस सुरक्षा ढांचे में अपने लिए संभावनाएं तलाश रहा है।

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि भारत और बांग्लादेश के बीच वर्तमान तनाव के केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का भारत में निर्वासन और उनके प्रत्यर्पण का बांग्लादेशी आग्रह है। इसी महीने नई दिल्ली से शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस ने ढाका की नाराजगी और बढ़ा दी।

तारिक रहमान की भारत यात्रा टलने का असल कारण अब धीरे-धीरे सामने आ रहा है। भले ही ढाका इस फैसले के पीछे शेख हसीना की भारत से की गई वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस और उससे बिगड़े कूटनीतिक माहौल का हवाला दे रहा हो, लेकिन इसके पीछे एक बड़ा रणनीतिक समीकरण भी आकार लेता दिख रहा है। संकेत बताते हैं कि तारिक रहमान का ध्यान फिलहाल नई दिल्ली की यात्रा से अधिक बदलते क्षेत्रीय शक्ति संतुलन और मक्का पैक्ट में बांग्लादेश की संभावित भागीदारी पर केंद्रित है। 'बांग्लादेश फर्स्ट' की नीति के तहत ढाका पाकिस्तान, तुर्किये और सऊदी अरब के साथ उभरते इस सुरक्षा ढांचे में अपने लिए संभावनाएं तलाश रहा है। ऐसे में भारत यात्रा को टालना बांग्लादेश की नई विदेश नीति, उसकी रणनीतिक प्राथमिकताओं और दक्षिण एशिया में अपने विकल्पों का दायरा बढ़ाने की कोशिश का भी संकेत माना जा रहा है।

ढाका का स्पष्ट संदेश है कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत यात्रा को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं है। बांग्लादेशी नेतृत्व का कहना है कि पर्याप्त द्विपक्षीय प्रगति और राष्ट्रीय हितों के अनुरूप समझ बनने पर ही यात्रा का समय तय होगा। दूसरी ओर, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी संबंधों को पारस्परिक हित की कसौटी पर परखने की बात कही है। दोनों पक्षों की भाषा में समानता दिखाई देती है, लेकिन असली प्रश्न यह है कि 'राष्ट्रीय हित' की उनकी परिभाषाएं कितनी दूर तक एक-दूसरे से मेल खाती हैं।हम आपको बता दें कि वर्तमान तनाव के केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का भारत में निर्वासन और उनके प्रत्यर्पण का बांग्लादेशी आग्रह है। इसी महीने नई दिल्ली से शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस ने ढाका की नाराजगी और बढ़ा दी। बांग्लादेश इसे अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के रूप में देखता है, जबकि भारत ने आयोजन में अपनी भूमिका से इंकार किया है। हसीना के प्रत्यर्पण का मुद्दा दोनों देशों के बीच राजनीतिक विश्वास की परीक्षा बन चुका है। इसी पृष्ठभूमि में रहमान की भारत यात्रा के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की बात कही जा रही है।लेकिन कहानी यहीं समाप्त नहीं होती। असली सामरिक संकेत बांग्लादेश के संभावित मक्का संयुक्त रक्षा समझौते की ओर झुकाव में छिपे हैं। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच हुए इस ढांचे में किसी एक सदस्य पर सशस्त्र हमला सभी पर हमला माने जाने की अवधारणा शामिल है। बांग्लादेशी मंत्रियों ने इसमें शामिल होने की संभावना के प्रति सकारात्मक रुख दिखाते हुए अंतिम निर्णय को राष्ट्रीय हितों से जोड़ा है। यदि ढाका इस व्यवस्था से जुड़ता है, तो दक्षिण एशिया और उसके आसपास के सामरिक समीकरणों में एक नई परत जुड़ सकती है।भारत के लिए चिंता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू पाकिस्तान की बढ़ती भूमिका है। 1971 के इतिहास के बाद लंबे समय तक भारत-बांग्लादेश संबंधों में जो सामरिक निकटता रही, उसमें अब स्पष्ट परिवर्तन दिखाई दे रहा है। ढाका ने पाकिस्तान के साथ व्यापार, कूटनीतिक संपर्क और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने की इच्छा जताई है। यदि यह प्रक्रिया मक्का रक्षा ढांचे जैसी किसी व्यापक सुरक्षा संरचना से जुड़ती है, तो भारत को अपनी पूर्वी सीमा के सामरिक परिवेश का नए सिरे से आकलन करना पड़ सकता है।इसके साथ चीन का कारक भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बांग्लादेश अपनी विदेश नीति को अमेरिका, चीन, पाकिस्तान और अन्य शक्तियों के साथ संतुलित संबंधों की दिशा में विविधतापूर्ण बनाने का प्रयास कर रहा है। बीजिंग के लिए बंगाल की खाड़ी और दक्षिण एशिया में अपनी रणनीतिक उपस्थिति बढ़ाने का अवसर पहले से मौजूद है। ऐसे में यदि भारत-ढाका संवाद कमजोर पड़ता है और बांग्लादेश वैकल्पिक साझेदारों की ओर तेजी से बढ़ता है, तो चीन की आर्थिक और संभावित सामरिक पहुंच भारत की पूर्वी और समुद्री रणनीति के लिए अधिक महत्वपूर्ण चुनौती बन सकती है।देखा जाये तो भारत के सामने चुनौती केवल सीमा सुरक्षा की नहीं है। 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा, अवैध आव्रजन, सीमा प्रबंधन और बाड़बंदी जैसे मुद्दे पहले ही संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं। ढाका का आरोप है कि भारत बिना पर्याप्त कूटनीतिक सत्यापन के लोगों को सीमा पार भेज रहा है, जबकि भारत अपनी सुरक्षा और आव्रजन चिंताओं को प्रमुखता देता है। फिर भी इस उभरते तनाव को भारत और बांग्लादेश के स्थायी विच्छेद के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। दोनों देश भूगोल से बंधे हैं और उनके आर्थिक, सुरक्षा तथा संपर्क हित गहराई से जुड़े हुए हैं।साथ ही यदि बांग्लादेश मक्का पैक्ट में शामिल होता है, तो सवाल उठता है कि इससे ढाका और चीन के रिश्तों पर क्या असर पड़ेगा? देखा जाये तो मक्का पैक्ट में तुर्किये की मौजूदगी सबसे महत्वपूर्ण बात है। तुर्किये जहां नाटो का सदस्य और पश्चिमी सुरक्षा ढांचे का हिस्सा है, वहीं चीन के साथ उसके संबंध प्रतिस्पर्धा और सहयोग, दोनों पर टिके हैं। आर्थिक संपर्क, व्यापार और व्यापक यूरेशियाई राजनीति में दोनों के हित कई जगह मिलते हैं, लेकिन उइगर मुद्दे और मध्य एशिया जैसे प्रश्नों पर मतभेद भी मौजूद हैं। इसलिए बांग्लादेश यदि इस तुर्किये-पाकिस्तान-सऊदी सुरक्षा ढांचे में प्रवेश करता है, तो वह चीन-विरोधी खेमे में सीधे शामिल होने की बजाय एक बहुस्तरीय रणनीतिक संतुलन की नीति अपना सकता है। दिलचस्प बात यह है कि पाकिस्तान स्वयं चीन का निकटतम रणनीतिक साझेदार है, जबकि तुर्किये मक्का पैक्ट के माध्यम से अपने रक्षा-औद्योगिक और भू-राजनीतिक प्रभाव का विस्तार चाहता है। ऐसे में ढाका के लिए मक्का पैक्ट और चीन के साथ मजबूत आर्थिक-सामरिक संबंध परस्पर विरोधी होने की बजाय समानांतर विकल्प भी बन सकते हैं। लेकिन यदि इस रक्षा ढांचे का विस्तार किसी ऐसे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन की दिशा में होता है, जहां चीन और तुर्किये के हित आमने-सामने आने लगें, तो बांग्लादेश को कठिन कूटनीतिक स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।यहां प्रश्न यह भी उठता है कि यदि बांग्लादेश मक्का पैक्ट में शामिल होता है तो भारत पर क्या असर होगा? देखा जाये तो ऐसी स्थिति में भारत की चिंता यह होगी कि कहीं बांग्लादेश किसी औपचारिक या अनौपचारिक बहु-ध्रुवीय सुरक्षा नेटवर्क का हिस्सा बनकर नई दिल्ली की पारंपरिक रणनीतिक बढ़त को सीमित न कर दे। हालांकि यह मान लेना जल्दबाजी होगी कि ढाका किसी भारत विरोधी गठबंधन का हिस्सा बन जाएगा। फिर भी भारत के लिए संदेश स्पष्ट है कि बांग्लादेश को केवल 1971 की ऐतिहासिक साझेदारी के चश्मे से देखने की बजाय उसे एक स्वतंत्र रणनीतिक शक्ति के रूप में समझना होगा। यदि नई दिल्ली और ढाका के बीच राजनीतिक संवाद कमजोर रहता है, तो पाकिस्तान, चीन और तुर्किये जैसे देशों के लिए वहां अपना प्रभाव बढ़ाने की गुंजाइश स्वाभाविक रूप से बढ़ सकती है।बहरहाल, नई दिल्ली के लिए यह स्पष्ट संकेत है कि ढाका अब पुराने समीकरणों में बंधकर चलने को तैयार नहीं है। भारत को बांग्लादेश के साथ अपने रिश्ते को शेख हसीना के दौर की राजनीतिक निकटता या 1971 की ऐतिहासिक विरासत के भरोसे नहीं छोड़ना चाहिए। यदि भारत और बांग्लादेश के बीच संवाद और विश्वास का अंतराल बढ़ता है, तो उस खाली जगह को भरने के लिए पाकिस्तान, चीन और तुर्किये जैसी बाहरी शक्तियां स्वाभाविक रूप से अधिक सक्रिय होंगी और इसका असर केवल द्विपक्षीय संबंधों पर नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया और बंगाल की खाड़ी के शक्ति संतुलन पर पड़ेगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

घर डूबे तो सड़क बना आशियाना, खुले आसमान के नीचे दर्जनों परिवार

मोहनाचांदपुर के आठ वार्ड बाढ़ की चपेट में, चूल्हे, चारा और पेयजल का संकट, राहत के इंतजार में टकटकी लगाए पीड़ित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। बाढ़ का पानी घरों में घुसा तो लोगों ने सिर पर जरूरी सामान रखा और सड़क को ही अपना ठिकाना बना लिया। मोहनाचांदपुर पंचायत में पिछले छह-सात दिनों से दर्जनों परिवार घर छोड़कर सड़क किनारे अस्थायी झोपड़ियां बनाकर रह रहे हैं। साथ में छोटे बच्चे और पालतू मवेशी हैं। दिन किसी तरह गुजर जाता है, लेकिन रात खुले आसमान के नीचे काटना इन परिवारों के लिए किसी परीक्षा से कम नहीं है। बाढ़ पीड़ितों का दर्द केवल घर डूबने तक सीमित नहीं है। उनके सामने अब खाने, पीने के पानी और पशुओं के चारे का संकट खड़ा हो गया है। कई परिवारों का कहना है कि घरों में बचा हुआ राशन धीरे-धीरे खत्म हो रहा है, लेकिन अब तक पर्याप्त राहत सामग्री नहीं पहुंची है। बच्चों के भोजन की चिंता में महिलाएं किसी तरह बचे हुए अनाज से चूल्हा

जला रही हैं। कुंडी घाट पुल से कुंडी ढाला तक सड़क किनारे झोपड़ी बनाकर रह रहे परिवारों ने बताया कि बाढ़ आने के बाद उन्हें घर छोड़ना पड़ा।आसपास पानी होने के कारण मवेशियों को रखने और उनके चारे की व्यवस्था करना सबसे बड़ी परेशानी बन गई है। पशुओं के लिए चारा उपलब्ध नहीं होने से लोग परेशान हैं। कई परिवार निजी नाव से प्रखंड मुख्यालय और बाजार तक पहुंच रहे हैं और इसके लिए उन्हें किराया भी देना पड़ रहा है। गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण मोहनाचांदपुर पंचायत के वार्ड 10 से 17 तक बाढ़ का असर है। मोहनाडीह, समदा, कुंडी, भवानीपुर, सोनाखाल और संथाली टोला सहित कई निचले इलाकों में पानी फैल गया है। गांवों की गलियां और सड़कें पानी में डूबने से सामान्य आवागमन लगभग ठप है।मुख्य सड़क तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। पंचायत के कई चापाकल भी पानी में डूब गए हैं, जिससे साफ पेयजल का संकट गहराता जा रहा है। लोगों का कहना है कि आठ वार्डों के प्रभावित क्षेत्र के लिए उपलब्ध नावें जरूरत के मुकाबले कम हैं। ऐसे में निजी छोटी नावों पर निर्भरता बढ़ गई है।पंचायत समिति सदस्य नीलम देवी और पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि गया राम और कई ग्रामीणों ने यह भी चिंता जताई कि कुछ जगहों पर कम उम्र के बच्चे नाव चलाते नजर आते हैं। बाढ़ के गहरे पानी और तेज धार के बीच यह स्थिति कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। कुंडी घाट क्षेत्र के लोगों का कहना है कि बाढ़ के साथ बिजली की अनियमित आपूर्ति ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। रात में बिजली नहीं रहने पर सड़क किनारे बने अस्थायी ठिकानों में अंधेरा छा जाता है। चारों ओर पानी होने के कारण सांप-बिच्छू और अन्य जहरीले जीवों का डर बना रहता है। महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक सहमे हुए हैं। पंचायत समिति सदस्य नीलम देवी ने कहा कि पानी लंबे समय तक जमा रहने पर बीमारी फैलने की आशंका भी बढ़ रही है। कई बच्चे बाढ़ के पानी के आसपास खेलते दिखाई दे रहे हैं, जिससे हादसे का खतरा बना हुआ है। बाढ़ के बीच सड़क किनारे बैठे पीड़ित परिवारों की आंखें अब राहत की ओर लगी हैं। उन्हें पॉलिथीन, राशन, साफ पेयजल, पर्याप्त नाव और मवेशियों के लिए चारे की जरूरत है।

मां ने तीन बच्चों के साथ आर्थिक स्थिति से तंग आकर की आत्महत्या की कोशिश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार)। आर्थिक स्थिति से तंग आकर सास के साथ हुए विवाद के बाद एक मां ने तीन बच्चों संग जहर का सेवन कर आत्महत्या करने की कोशिश की। हालांकि समाज के कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं ने घर का दरवाजा तोड़कर मां सहित तीनों बच्चों को लेकर आनन फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फानन में प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आजमनगर में भर्ती कराया गया।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आजमनगर के डॉक्टर के अनुसार स्थिति की नजाकत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मां सहित तीनों बच्चों को कटिहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार सदर

आजमनगर पहुंचा। जहां प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आजमनगर में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार प्रखंड क्षेत्र के मरबतपुर पंचायत के कमलपुर संथाल टोली गांव में आर्थिक स्थिति की वजह से सास के साथ हुए विवाद के बाद एक महिला ने राज मंडल(4) शिखा कुमारी(5) राजकुमार(8) के साथ स्वयं जहर का सेवन कर अपने घर के कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। घटना की जानकारी आसपास के लोगों को जैसे मिलु, समाज के लोग घर के आसपास इकट्ठा हो गए। सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा घर का दरवाजा तोड़कर उक्त महिला सहित तीनों बच्चों को आनन अस्पताल के डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए पटना के किसी हॉस्पिटल में भर्ती कराए जाने हेतु रेफर किए जाने की बात सामने आई है। सोशल एक्टिविस्ट अजहर निजामी ने बताया कि आर्थिक तंगी से परेशान पूरा परिवार सास के साथ हुए विवाद के बाद एक मां ने तीन बच्चों के साथ जहर का सेवन कर आत्महत्या करने की कोशिश की। उक्त महिला का पति दो वर्ष पूर्व स्वर्गवास हो चुके हैं। इस बाबत घर में आर्थिक स्थिति काफी खराब बताई जा रही है। घर के कमाने वाले की मौत हो जाने के बाद परिवार आर्थिक स्थिति से तंग आ चुके थे।

संक्षिप्त समाचार

श्री गुरु संत रविदास के 650वें जन्म दिवस पर विकास शिविर का आयोजन

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सदर प्रखंड के सिरनियाँ पूर्वी पंचायत के मनरेगा भवन में श्री गुरु संत रविदास के 650 वें जन्म दिवस पर विकास शिविर का आयोजन किया गया। जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने शिविर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने श्री गुरु संत रविदास जी के तैलचित्र पर पुष्प गुच्छ समर्पित कर उन्हें नमन किया। बिहार

अनुसूचित जनजाति शोध संस्थान के उप निदेशक ज्योति झा ने शिविर का निरीक्षण किया। वहीं सदर विधायक सह पूर्व उप मुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद, जिला बीस सूत्री अध्यक्ष मनोज राय सहित कई अन्य ने भी शिविर का जायजा लिया।शिविर में विभिन्न विभागों के जिलास्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित अन्य प्रखंडस्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिला पदाधिकारी ने कहा कि शिविर का उद्देश्य संत रविदास के सामाजिक समरसता के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना तथा अनुसूचित जाति एवं अनु जनजाति के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि 27.08.2026 से प्रारंभ यह शिविर दिनांक 15.02.2027 तक जिले के सभी प्रखंडों के महादलित 'टोलों में प्रत्येक गुरुवार को आयोजित किया जाएगा। शिविर से पूर्व ही आवेदनकर्ताओं से आवेदन प्राप्त कर, शिविर के दिन हकदारी का वितरण किया जाएगा।

त्योहारी सीजन में रेल यात्रियों को बड़ी राहत, स्पेशल ट्रेनों के बढ़े फेरे

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आगामी दुर्गापूजा, दीपावली और छठ पर्व के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए दो प्रमुख स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का विस्तार किया है। कटिहार-अमृतसर और डिब्रूगढ़-कोलकाता स्पेशल ट्रेनें अब नवंबर 2026 तक अतिरिक्त फेरों के साथ परिचालित होंगी। कटिहार-अमृतसर स्पेशल ट्रेन संख्या 05736 प्रत्येक बुधवार को कटिहार से चलेगी। इसका परिचालन 09 सितंबर से 25 नवंबर 2026 तक 12 फेरों के लिए बढ़ाया गया है। वापसी में ट्रेन संख्या 05735 प्रत्येक शुक्रवार को अमृतसर से चलेगी और 11 सितंबर से 27 नवंबर तक 12 फेरे लगाएगी। ट्रेन संख्या 05736 के जालंधर सिटी स्टेशन के समय में भी बदलाव किया गया है। अब यह ट्रेन जालंधर सिटी में सुबह 8:05 बजे पहुंचेगी और 8:10 बजे प्रस्थान करेगी तथा सुबह 9:45 बजे अमृतसर पहुंचेगी। इसी तरह डिब्रूगढ़ झ कोलकाता स्पेशल ट्रेन संख्या 05932 प्रत्येक शनिवार को डिब्रूगढ़ से चलेगी। इसका परिचालन 05 सितंबर से 28 नवंबर तक 13 अतिरिक्त फेरों के लिए बढ़ाया गया है। वापसी में ट्रेन संख्या 05931 प्रत्येक सोमवार को कोलकाता से डिब्रूगढ़ के लिए चलेगी और 07 सितंबर से 30 नवंबर तक 13 फेरे लगाएगी। यह ट्रेन 22 एलएचबी कोच की रैक के साथ संचालित होगी।इस संबंध में कटिहार रेलमंडल के सीनियर डीसीएम सह पीआरओ अनूप कुमार सिंह ने बताया कि त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा और ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से स्पेशल ट्रेनों के फेरों में विस्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि दुर्गापूजा, दीपावली और छठ के दौरान बड़ी संख्या में यात्री अपने घरों और कार्यस्थलों के बीच यात्रा करते हैं।

सावन पूर्णिमा को लेकर शिवालयों मे लगी शिवभक्तों की भीड़

डंडखोरा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सावन पूर्णिमा को लेकर प्रखंड एवं आसपास के शिवालयों में शुक्रवार को काफी भीड़ देखने को मिली।वहीं गुरुवार से ही मनिहारी से गोरखनाथ धाम मुकरिया जाने वाली सभी सड़कों पर गुरुवार से ही बाइक, टेंपो, और चार चक्का से मनिहारी जल उठाने जाने वालों की काफी भीड़ देखने को मिली।इस दौरान भारी वाहन के आवागमन से आरईओ तथा पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर कहीं-कहीं जाम की समस्या भी उत्पन्न हो गई।जिसको स्थानीय लोगों या पुलिस के सहयोग से हटाया गया।कांवरियों की रफ्तार शुक्रवार को दोपहर बाद तक रही।कांवरियों की सुविधा के लिए जगह-जगह स्थानीय लोगों द्वारा सेवा शिविर भी लगाया गया था।जहाँ ठंडा पानी, चाय, शरबत, प्राथमिक चिकित्सा जैसी आवश्यक सामग्री मुफ्त में उपलब्ध कराई जा रही थी।स्थानीय स्वयंसेवक एवं पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चौक-चौराहों पर कांवरियों की सहायता को लेकर मुस्तैद थे।तो पुलिस प्रशासन की गाड़ी भी क्षेत्र में गश्ती करती दिखाई दी। हलांकि कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।मनिहारी से गंगाजल लेकर गोरखपुर जाने में कांवरियों को मनिहारी, प्राणपुर, डंडखोरा, कदवा और आजमनगर प्रखंड होकर जाना होता है। इस दौरान बोल बम, गोरखनाथ धाम दूर है-जाना जरूर है जैसे नारे माहौल को भक्तिमय बना रहा था।

रक्षाबंधन की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

अररिया (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। शुक्रवार को रक्षाबंधन के अवसर पर मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल अररिया में रक्षाबंधन का पर्व अति हर्षोल्लास एवं विभिन्न तरीकों से मनाया गया। सुबह के समय छात्राओं ने छात्रों की कलाई पर राखी बांधकर उनके भविष्य की मंगल कामना की। उसके तत्पश्चात 8:30 बजे वन विभाग के ऑफीसर्स एंड रेंजर्स के साथ नवमी दसवीं के छात्रों ने 100 से अधिक वृक्षों को राखी बांधकर वृक्षों की रक्षा करने का प्रण लिया। उसके तत्पश्चात छात्राओं के द्वारा सशस्त्र सेना बल 52 बटालियन के कैंप में नेपाल भारत की सीमा में रक्षारत 100 से अधिक जवानों को राखी बांधकर उनकी देश के प्रति रात दिन देश की सुरक्षा करने के लिए आभार प्रकट किया। अंत में मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल के छात्राओं के द्वारा अस्पताल के सभी मरीजों एवं उनके परिजनों को राखी बांधी और सभी के अच्छे स्वास्थ्य की मंगल कामना की। इस अवसर पर स्कूल के डायरेक्टर, प्राचार्य, शिक्षक गण एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। मोहिनी देवी मेमोरियल ट्रस्ट के चेयरमैन सर ने सभी छात्र-छात्राओं एवं सभी को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

गणपति महोत्सव 2026 को लेकर बैठक आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। गणपति महोत्सव 2026 के भव्य आयोजन को लेकर नव युवा संघ की ओर से एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया प्रतिनिधि अमित कुमार गुप्ता ने की। इस मौके पर महोत्सव की तैयारियों,आयोजन की रूपरेखा तथा पूजा समिति के गठन को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से अंकित कुमार टिशु को पूजा समिति का अध्यक्ष चुना गया। आशीष कुमार चौधरी को कोषाध्यक्ष तथा प्रिंस गुप्ता को सचिव चुना गया। वही साजन कुमार साह को पूजा प्रभारी बनाया गया। मेला संचालन की जिम्मेदारी प्रिंस राज

और विकास गुप्ता को दी गई। नव युवा संघ के सदस्यों ने कहा कि फलका ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर में पिछले 14 वर्षों से गणपति महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हर वर्ष फलका सहित सीमावर्ती क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और मेले में घूमने वाले लोग यहां पहुंचते हैं। समिति के सदस्यों ने कहा कि इस वर्ष महोत्सव को और अधिक आकर्षक एवं भव्य स्वरूप दिया जाएगा। मेले में बच्चों और युवाओं के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूले, खेल-तमाशे तथा अन्य आकर्षणों की व्यवस्था की जाएगी। दूर-दराज से रामझूला, ब्रेक डांस झूला, मौत का कुआं,जादू कार्यक्रम समेत कई मनोरंजन साधन मेले में पहुंचेंगे।गणपति महोत्सव 2026 का कार्यक्रम 14 सितंबर सोमवार सुबह 7 बजे से कलश यात्रा एवं भव्य शोभायात्रा से शुरू होकर 20 सितंबर रविवार दोपहर 2 बजे गणपति प्रतिमा का विसर्जन होता महोत्सव को सफल बनाने में राकेश कुमार साह, टुनटुन गुप्ता चंदन, बॉबी, कुंदन काजू,विक्की गुप्ता, चंदन साह,मुन्ना साह,बजरंगी कुमार, रजनीश साह अमित, सावन, सुमित, नीरज, चिंटू, मनोज साह, बबलू साह मोनू चौधरी पिंटू गुप्ता प्रिंस गुप्ता पंकज साह आदि ग्रामीण का भुमिका सक्रिय होगा।

कजरा बस स्टॉप पर अज्ञात शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। पूर्णिया - नारायणपुर एन एच 131/ए फोरलेन सड़क के प्रखंड मुख्यालय मनसाही के सामने सर्विस रोड कजरा बस स्टॉप में एक अज्ञात लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। शुक्रवार की सुबह को कटिहार से मनिहारी जा रहे जदयू के प्रखंड उपाध्यक्ष रवि शंकर तिवारी ने इस संवाददाता को बताया कि एक अज्ञात शव जो सड़ा गला है। काफी दुर्गंध कर रहा है। कजरा बस स्टॉप में पड़ा हुआ है और कई लोगों ने भी इसकी जानकारी इस संवाददाता के साथ मनसाही पुलिस को दी। जबकि कई लोगों ने बताया कि देर रात तक बोल बम कांवरिया मनिहारी से कटिहार की ओर जा रहे थे तो बस स्टॉप पर कोई व्यक्ति नहीं था जबकि सुबह में लोगों ने लाश को देखा।मनसाही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर लाश का पंचनामा बनाकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। इन दिनों कहीं बाहर से व्यक्ति को मार कर सेफ जगह ढूंढ कर लाश को फेंक कर लोग निकल जाते हैं। इससे पूर्व किसान चौक बथना के पास एक सुरक्षा गार्ड का लाश पुलिस ने बरामद किया था। वहीं कुछ दिन पूर्व मलकाईन घाट में भी एक व्यक्ति का लाश बरामद किया था। इसे देखकर यह प्रतीत होता है कि पहले व्यक्ति को कहीं मार कर उनके बाद लाकर सड़क किनारे फेंक दिया जाता है।

बालिकाओं का नियमित विद्यालय जाना जरूरी : जिलाधिकारी

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत हुआ बेटी जन्मोत्सव कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। महिला एवं बाल विकास निगम तथा बाल विकास परियोजना के तत्वावधान में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत जिलास्तरीय हुबेटी जन्मोत्सवहु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आईसीडीएस पूर्णिमा कुमारी सहित कई अन्य विभागीय पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 0 से 3 माह तक की कन्या शिशुओं एवं उनकी माताओं को सम्मानित किया गया। कन्या शिशुओं के बीच बेबी किट तो उनकी माता को फलों की टोकरी प्रदान कर सम्मानित किया

गया।तो आंगनबाड़ी में नामांकित बालिकाओं के बीच बेटी बचाओ-बेटी पढाओ का लोगो लगा स्कूल बैग वितरण किया गया। समाज में कन्या जन्म को प्रोत्साहित करने, बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं शिक्षा को बढ़ावा देने तथा बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में डीएम ने कन्या शिशु के जन्म के महत्व के संबंध में जागरुक करते हुए बालिकाओं को समान अवसर प्रदान करने तथा उनके बेहतर स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कन्या शिशुओं का समय संपूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित कराने पर भी जोर दिया।उन्होंने कहा कि बेटियां परिवार और समाज ही नहीं देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देने लगी हैं।उन्होंने बालिकाओं को नियमित रुप से विद्यालय जाने,मन लगाकर पढने और अपने सपनों एवं लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। डीपीओ ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के उद्देश्यों एवं कन्या जन्म को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए बालिकाओं के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की अपील की।इस दौरान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के उद्देश्यों एवं महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी गई।

श्रद्धा और उत्साह के साथ मना रक्षाबंधन का त्योहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र में भाई-बहन केआपसी स्नेह का पर्व रक्षाबंधन आस्था एवं उमंग के साथ संपन्न हो गया।शुक्रवार को सुबह सबेरे बहन एवं भाइयों को नहा-धोकर नये वस्त्र पहन तैयार होकर मंदिरों की ओर रुख करते देखे गये।वहां से लौट कर बहनों ने भाई का तिलक कर उसकी कलाई पर राखी बांधकर मूंह मीठा कराया। बहनों ने भाइयों की आरती उतार कर उसके स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की कामना की।वहीं भाइयों ने भी बहनों की रक्षा का वचन देकर अपने सामर्थ्य के अनुसार उन्हें मिठाई,कपड़ा, जेवर या नगदी उपहार स्वरुप भेंट किया।इस अवसर पर

मंदिर के पुजारियों का भी बल्ले-बल्ले रहा। लोग उनके हाथों रक्षा का बंधन बनवाकर उन्हें दक्षिणा दिया। वहीं लोगों को धर्म और जाति के बंधन से उपर उठकर रक्षाबंधन का त्योहार मनाते भी देखा गया। भिन्न धर्मों की बहनें अपने मुंहबोले भाई को राखी बांधने उसके घर पहुंची।तो कहीं भाई भी राखी बांधने बहन के घर पहुंचे। खासकर छोटे बच्चों में रक्षाबंधन को लेकर काफी उत्साह देखा गया।जिसको भाई या बहन नहीं था,वह राखी बांधने और बंधवाने की जिद पर अड़े रहे। जब तक मॉं-बाप उसे दूसरे घर ले जाकर राखी बांधा या बंधवा नहीं दिया। पर्व की महत्ता के कारण विवाहित बहने ससुराल से मायके आकर अपने भाई की कलाई पर राखी बांधी एवं भाई के स्वस्थ जीवन एवं हर बला से बचाने की प्रार्थना की तो भाइयों ने संकट के समय अपनी रक्षा का वचन लिया।

भाई बहन का प्यार है, ये राखी का त्यौहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के वातावरण में भाई-बहन का पर्व रक्षाबंधन मनाया गया। भाई - बहन का यह प्यार राखी का त्यौहार भाई-बहन के लिए सभी पर्व में महत्वपूर्ण पर्व है रक्षाबंधन। इस रक्षाबंधन के पर्व में भाई अपने बहन के घर रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर राखी पहनने जाते हैं। जबकि ससुराल से बहन भी अपने भाई के घर राखी बांधने आती हैं। यह पर्व हर वर्ष सावन माह की पूर्णिमा पर पर्व से मनाया जा रहा है। इस पर्व की खासियत है बहन अपने भाइयों के हाथ में रक्षा सूत्र बांधती हैं,जबकि भाई भी बहन को वचन देती है कि मैं किसी प्रकार की परेशानी नहीं

होने दूंगी। वहीं रक्षाबंधन को लेकर मनसाही प्रखंड क्षेत्र में सुबह से ही भाई-बहन का एक दूसरे के यहां आना-जाना लगा रहा। वहीं राखी एवं मिठाई की खरीददारी जमकर बहन ने किया। वहीं रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर बहन ने अपने भाई के कलाई पर राखी बांधी। वहीं बहन को उपहार के रूप में कई तरह के सामान भी दिए। अभी के समय में भी इस पर्व को लोग नहीं भूलते हैं। कितना दूर में भी बहन रहती है भाई राखी बंधवाने जाती है एवं बहन भी अपने ससुराल से मायके आकर भाई को राखी बांधती हैं। इस तरह से भाई-बहन के प्यार का पर्व राखी का त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया।

गोरखनाथ धाम में 10 लाख श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

बाबा गोरखनाथ धाम में बिहार, बंगाल, उड़ीसा, झारखंड, पड़ोसी देश नेपाल, भुटान से पहुंचे श्रद्धालु

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। मिनी बाबा धाम के नाम से प्रसिद्ध गोरखनाथ धाम मंदिर में शिव भक्तों की लगातार भीड़ देखी गयी। श्रावण पूर्णिमा के मौके पर अत्यधिक भीड़ उमड़ पड़ी। करीब 10 लाख श्रद्धालुओं ने गोरखनाथ धाम में जल अर्पित कर अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए बाबा गोरखनाथ से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर कांवरियों ने मनिहारी से गंगा जल भर कर पैदल बाबा गोरखनाथ धाम पहुंच कर मंदिर के श्वेत शिवलिंग पर जलाभिषेक किया।गुरुवार से शिव भक्तों का आना प्रारंभ होने के बाद रात भर श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहा। शुक्रवार के शाम तक यह सिलसिला जारी रहा। इस अवसर पर बारसोई

एसडीओ राजू कुमार, एसडीपीओ अजय कुमार, आजमनगर बीडीओ सरोज कुमार, सीओ अजय कुमार सिंह, सालमारी थानाध्यक्ष कुमारी जुली दल-बल के साथ उपस्थित रह कर श्रद्धालुओं की सुविधा पर विशेष ध्यान दिये। यहां दुर दराज से बंगाल, आसाम, झारखंड, उड़िसा सहित पड़ोसी देश नेपाल, भुटान से भी शिवभक्त पहुंचते हैं। आसपास के क्षेत्र में छोटे बड़े शिवालयों में सुबह से ही मंदिरों में जल चढ़ाने के लिए भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा,पूजा अर्चना को लेकर महिलाओं एवं युवतियों में खासा उत्साह देखा गया।बोलबम कांवरियों ने सुख शांति के लिए बाबा गोरखनाथ धाम में पूजा अर्चना कर अपनी मनोकामना पूर्ण होने के लिए आशीर्वाद मांगा। बाबा गोरखनाथ धाम केसरिया रंगों से पटा रहा। ओम नमः शिवाय एवं बोल बम के जयकारे के बीच भक्तों ने शिवलिंग पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की।सालमारी बाजार भी कांवरियों से भड़ा रहा। जगह जगह बोलबम सेवा शिविर लगाया गया था।बाबा गोरखनाथ धाम में करीब 10 लाख की संख्या में शिवभक्तों ने जल अर्पित किया । कांवरियों की सुविधा के लिए बिजली पानी, विश्राम स्थल, मेडिकल टीम, अग्नि शामक यंत्र, चलत शौचालय की व्यवस्था थी। सीसीटीवी कैमरे से असमाजिक तत्वों की नजर रखी जा रही थी। इस अवसर पर कमेटी के सचिव पिंटू यादव, उपाध्यक्ष अक्षय सिंह, कोषाध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह सहित कमेटी के अन्य सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहा। साथ ही प्रशासन की व्यवस्था चुस्त दुरुस्त देखी गयी।

संक्षिप्त समाचार

त्योहारी सीजन में महंगी हुई चीनी, क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने लगाई लिमिट, ऑफलाइन में भी राशनिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। आज रक्षाबंधन के साथ ही फेस्टिव सीजन शुरू हो चुका है। इस दौरान भारतीय रसोई में चीनी की मांग काफी बढ़ जाती है, लेकिन इस बार ग्राहक मुश्किल में हैं। स्टॉक कम होने की वजह से चीनी की सप्लाई प्रभावित हुई है। इसे मैनेज करने के लिए बड़े ऑनलाइन ग्रोसरी प्लैटफॉर्म और ऑफलाइन रिटेल चेन ने चीनी के पैकेटों की संख्या सीमित कर दी है। एक टॉप चीनी ब्रैंड के अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि और रिलायंस जैसे रिटेल स्टोर्स ने चीनी की मात्रा तय कर दी है। अब एक व्यक्ति केवल दो या तीन किलो चीनी ही खरीद सकता है। ई-कॉमर्स कंपनियां भी यही तरीका अपना रही हैं। डी-मार्ट और रिलायंस रिटेल ने इस मामले पर कोई भी टिप्पणी करने से मना कर दिया। एक क्विक कॉमर्स प्लैटफॉर्म के अधिकारी ने बताया कि चीनी की कमी को देखते हुए इंडस्ट्री को जिम्मेदारी से काम करना होगा और जमाखोरी रोकने की कोशिश करनी होगी। बुधवार को जैसे ऐप्स पर देखा गया कि कंपनियां सभी ब्रैंड्स की चीनी को प्रति व्यक्ति अधिकतम 2-3 पैकेट ही बेच रही हैं। ब्लिंकिट पर होल फार्म ग्रोसरी चीनी का 5 किलो वाला पैकेट शाम के समय केवल एक ही बुक करने दिया जा रहा था, जबकि मधुर शुगर के 1 किलो और 5 किलो वाले पैकेट स्टॉक में नहीं थे। स्विगी इंस्टामार्ट ने भी खरीदारी की सीमा दो पैकेट तक तय कर दी है और वहां मधुर और जैसे ब्रैंड्स आउट ऑफ स्टॉक दिख रहे थे। ऐमजॉन फ्रेश पर सफेद चीनी सर्च करने पर कोई नतीजा नहीं मिला। ब्लिंकिट, स्विगी और ऐमजॉन को भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला।

1,000 सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षाबंधन के साथ ही आज से फेस्टिव सीजन की शुरुआत हो रही है। इस मौके पर सोने और चांदी की कीमत में गिरावट आई है। स्ष्टङ्क पर सोना 1,000 रुपये से ज्यादा सस्ता हुआ है जबकि चांदी की कीमत में करीब 1,600 रुपये की गिरावट आई है। 5 अक्तूबर की डिलीवरी वाला सोना

पिछले सत्र में 1,58,996 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज 1,58,569 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,066 रुपये की गिरावट के साथ 1,57,911 रुपये तक फिसला। सुबह 9.45 बजे यह 946 रुपये की गिरावट के साथ 1,58,050 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह 4 सितंबर की डिलीवरी वाली चांदी भी पिछले सत्र में 2,40,651 रुपये किलो के भाव पर बंद हुई थी और आज 2,40,191 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1,602 रुपये की गिरावट के साथ 2,39,049 रुपये तक फिसली। सुबह 9.45 बजे यह 773 रुपये की गिरावट के साथ 2,39,878 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। फिजिकल मार्केट में भी सोने और चांदी की कीमत में गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 3,160 रुपये की गिरावट के साथ 1,59,820 रुपये पर आ गया। इसी तरह 22 कैरेट वाले सोने की कीमत 2,900 रुपये की गिरावट के साथ 1,46,500 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई है। 18 कैरेट वाला सोना 2,370 रुपये की गिरावट के साथ 1,19,870 रुपये पर आ गया है। चांदी भी 5000 रुपये फिसलकार 2,55,000 रुपये किलो पर आ गई। शुक्रवार को एशियाई बाजार में भी शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में गिरावट आई। मार्केट जैक्सन होल संगोष्ठी में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श के बहुप्रतीक्षित बयानों का इंतजार कर रहे हैं। स्पॉट गोल्ड 0.2त्न गिरकर 4,589.85 प्रति औंस पर आ गया।

चीनी की महंगी चाल... फेस्टिव सीजन में डिमांड, राशनिंग, जमाखोरी, राहत और आगे की तैयारी

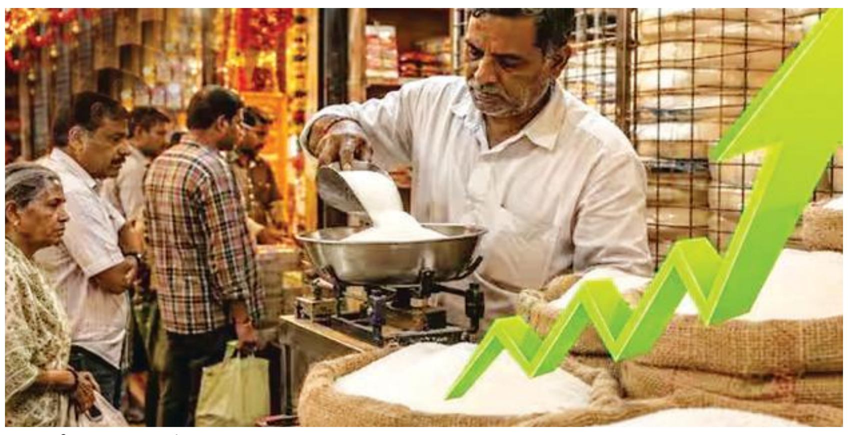

नईदिल्ली, एजेंसी। आज रक्षाबंधन के साथ ही त्योहारी सीजन की शुरुआत हो गई है। इस दौरान देश में चीनी की खपत काफी बढ़ जाती है। लेकिन इस बार चीनी की बढ़ती कीमत ने लोगों को परेशान किया है। ऐसे मौकों पर आमतौर पर जमाखोर भी सक्रिय हो जाते हैं। क्या है आगे की तैयारी कोई शुभ मौका हो या पर्व-त्योहार, भारत में मुंह मीठा किए बिना उत्सव अधूरा है। कुछ खास मौकों पर शुगर प्रॉडक्ट्स की मांग आसमान छूने लगती है, जैसे रक्षाबंधन। हालांकि इस बार त्योहार के पहले चीनी के बढ़े हुए दामों ने लोगों को परेशान किया। वैसे कर मुक्त आयात के फैसले और रिफाइंड शुगर की मार्केट में एंट्री को इजाजत मिलने के बाद दाम में गिरावट देखने को मिल रही है। पिछले एक दशक में पहली बार भारत 10 लाख टन चीनी बाहर से मंगाने जा रहा है, जबकि निर्यात भी रोक दिया गया है। आने वाले दिनों में इसका असर और दिखेगा। हालांकि फेस्टिव सीजन की खरीदारी तो प्रभावित हो ही गई।

कैपिंग की कवायद

कई क्विक कॉमर्स ऐप्स ने गुरुवार को चीनी और इससे जुड़े उत्पादों पर कैपिंग कर दी, यानी एक निश्चित मात्रा में ही खरीदारी हो सकती है। इससे पहले कुछ सुपरस्टोर्स के भी अपनी तरफ से लिमिट तय करने की खबर आई थी। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि लोग जरूरत भर ही खरीदें। जब भी किसी चीज के दाम अचानक बढ़ते हैं या उसकी किल्लत की खबरें आती हैं, तो अचानक-से मांग भी बढ़ जाती है। पिछले दिनों पेट्रोल-डीजल के साथ ऐसा अनुभव हो चुका है। अचानक से पेट्रोल पंपों पर लंबी-लंबी कतार लग गई और कई जगह पुलिसकर्मी तक तैनात करने पड़े थे। तब सरकार को बार-बार स्थिति स्पष्ट करनी पड़ी थी। ऐसे मौकों पर आमतौर पर जमाखोर भी सक्रिय हो जाते हैं। इंडियन शुगर मिल्स असोसिएशन ने जो वजहें बताई थीं, उनमें मौसम की मार और कम उत्पादन के साथ जमाखोरी भी है। इसमें भविष्य में मुनाफा कमाने के लिए अफवाह फैलाई जाती है और बड़े पैमाने पर स्टॉक जमा कर लिया जाता है।

आईपीओ हो तो ऐसा, 111 प्रतिशत फायदे के साथ लिस्टिंग, पहले ही दिन दोगुना से ज्यादा बढ़ गया लोगों का पैसा

नईदिल्ली, एजेंसी। टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) की शेयर बाजार में धमाकेदार एंट्री हुई है। कंपनी के शेयरों ने बाजार में उतरते ही धमाल मचा दिया है। टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) के आईपीओ में लोगों का पैसा पहले ही दिन दोगुना से ज्यादा बढ़ गया है। टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) के शेयर शुक्रवार को 111.33 पर्सेंट के फायदे के साथ 634 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 110.40 पर्सेंट के फायदे के साथ 631.20 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। बंपर लिस्टिंग के बाद टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) के शेयरों में कुछ मुनाफावसूली देखने को मिली है। लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयर ह्रस्श्व में 4 पर्सेंट से अधिक टूटकर 600 रुपये पर पहुंच गए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में भी कंपनी के शेयर लुढ़ककर 600 रुपये पर जा पहुंचे। टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) का आईपीओ दांव लगाने के लिए 20 अगस्त 2026 को खुला था और यह 24 अगस्त तक ओपन रहा। कंपनी के आईपीओ का टोटल साइज 650 करोड़ रुपये तक का था। टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) के आईपीओ पर टोटल 184.22 गुना दांव लगा। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों या रिटेल इनवेस्टर्स की कैटेगरी में 61 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। वहीं, कर्मचारियों का कोटा 124.95 गुना सब्सक्राइब हुआ। टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) के आईपीओ में गैर संस्थागत निवेशकों या नॉन-रिटेल इनवेस्टर्स की कैटेगरी में 314.44 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। वहीं, क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 302.88 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशक कम से कम 1 लॉट और अधिकतम 13 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 50 शेयर थे।

एनालॉग पनीर पर देशभर में बैन की तैयारी, सीईओ ने बताई मोमो, पिज्जा और बर्गर की सच्चाई!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में खाने-पीने की चीजों की गुणवत्ता और मिलावट को लेकर बढ़ती चिंता के बीच फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने फूड सेफ्टी के नियमों को सख्ती से लागू करने पर जोर दिया है। राजित पुनहानी ने कहा कि असुरक्षित खाद्य पदार्थ मिलने पर आपराधिक कार्रवाई और जेल का प्रावधान है, जबकि मिसब्रैंडिंग और सब-स्टैंडर्ड फूड के मामलों में जनविश्वास कानून के बाद पेनल्टी का प्रावधान किया गया है। पेश है उनसे बातचीत का प्रमुख अंश। मुख्य काम सुरक्षित खाने के मानक तय करना है। इसके लिए 21 साइंटिफिक पैनल हैं, जो पेस्टिसाइड, कलर, मीट, वेजिटेबल ऑयल, फिश आदि अलग-अलग क्षेत्रों के मानक तय करते हैं। इन मानकों को लागू कराने की मुख्य जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। करीब 99 फीसदी लाइसेंस राज्य सरकारों की ओर से जारी होते हैं। पास करीब 75 लाख लाइसेंस हैं। इनमें 74 लाख से ज्यादा लाइसेंस राज्यों के पास हैं। मैन्युफैक्चरिंग में करीब 5 हजार लाइसेंस के पास हैं। एक यूनिफाइड पोर्टल है, जिस पर फूड बिजनेस ऑपरेटर आवेदन करते हैं। स्नस्स्ढ्ढ राज्य के फूड सेफ्टी कमिश्नरों के साथ हर तिमाही समीक्षा करता है।

क्या मोमो, पिज्जा और बर्गर को सेफ फूड माना जाता है

सेफ का मतलब है कि वह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह नहीं हो। लेकिन ऐसे खाने को कम खाने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसलिए ईट राइट इंडिया कैंपेन चलाया जा रहा है। पैकेज्ड फूड की सेफ्टी पर अक्सर सवाल उठते हैं, लोग कैसे जानेंगे कि जो खा रहे है वह सही है और उसकी मात्रा मानक के अनुसार है? पैकेट के फ्रंट पर चेतावनी संकेत लाने की प्रक्रिया चल रही है।

क्या फूड सेफ्टी के मामलों में कार्रवाई जल्दी होनी चाहिए?

हां। कोशिश है कि कन्विक्शन पेनल्टी या इम्प्रिजनमेंट की कार्रवाई तेज हो। अगर मामला तीन साल बाद आता है तो उपभोक्ता को लगता है कि कुछ हुआ ही नहीं, जबकि कार्रवाई चल रही होती है। प्रक्रिया तेज होना जरूरी है। अगर खाना असुरक्षित है तो इसके लिए जेल का प्रावधान भी है। इस साल जनवरी से अब तक 100 से ज्यादा लोग जेल भेजे गए हैं। दिल्ली ही नहीं, देशभर में एनालॉग पनीर चिंता का विषय बना हुआ है। राज्यों के फूड कंट्रोल विभाग के लिए भी यह एक अहम मुद्दा है। इसके इस्तेमाल को पूरी तरह रोकने की इसके लिए सहमत भी है। जल्द ही इसके इस्तेमाल पर बैन लगाने की घोषणा की जाएगी।

22,000 करोड़ का दावा और केवल 6.5 करोड़ चुकाएंगे सुभाष चंद्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। एस्सेल ग्रुप के चेयरमैन सुभाष चंद्रा को अपने खिलाफ पर्सनल इनसॉल्वेंसी के मामले में 6.5 करोड़ रुपये चुकाने होंगे। बैंकों और दूसरे वित्तीय संस्थानों ने इस मामले में 22,006.57 करोड़ रुपये की वसूली का मुकदमा किया था। चंद्रा ने जो रीपेमेंट प्लान दिया था, उस पर लेनदारों ने वोट देकर फैसला किया था। उस फैसले को नैशनल कंपनी लॉ ट्राइब्यूनल ने इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के तहत सही करार

दिया। इस तरह हर 100 रुपये के दावे के मुकाबले केवल 3 पैसे के बराबर की रिकवरी होगी। इस प्लान पर हाउसिंग फाइनैंस की अगुवाई में कुछ लेनदारों ने ऐतराज जताया था, लेकिन उनका पलड़ा हल्का रहा। वोटिंग का 80.8त्न से अधिक अधिकार रखने वाले दूसरे लेनदारों ने इसका समर्थन किया था। यह मामला अब बहुमत की राय के हिसाब से ओरिजिनल डिवीजन बेंच के पास औपचारिक आदेश के लिए भेजा जाएगा।

रीपेमेंट प्लान मंजूर होने पर चंद्रा की इनसॉल्वेंसी खत्म होने के साथ प्लान पर ऐतराज करने वालों के पास अपना कर्ज सीधे मूल कर्जदारों से रिकवर करने का बेहतर चांस रहेगा। इसका मतलब यह है कि 6.5 करोड़ रुपये की रिकवरी पर्सनल गारंटर के रूप में केवल चंद्रा के रीपेमेंट प्लान से जुड़ी है।

मामला क्या है?

विवेक इंफ्राकॉन ने इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनैंस (अब इसका नाम सम्मान कैपिटल है) से 170 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। चंद्रा ने इसमें पर्सनल गारंटी दी थी। पैसा वापस नहीं मिलने पर इंडियाबुल्स ने चंद्रा के खिलाफ कदम उठाया। साल 2022 में इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड के तहत ह्रष्टरुस्न में शिकायत की। इसमें दूसरे लेनदार भी जुड़ते चले गए और पूरा दावा करीब 22 हजार करोड़ रुपये का बन गया। 1322.39 करोड़ रुपये का दावा किया था। रीपेमेंट प्लान के हिसाब से उसे 38.09 लाख रुपये मिलने वाले हैं। उसने और बाकी लेनदारों ने ऐसी कम रिकवरी पर ऐतराज जताते हुए कहा था कि यह कानून के हिसाब से सही नहीं है।

नोएडा के यथार्थ हॉस्पिटल पर दुनिया के सबसे बड़े एसेट मैनेजर की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। यथार्थ हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा केयर सर्विसेज का शेयर आज बाजार खुलते ही 5त्न चढ़ गया। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक एडवेंट इंटरनेशनल और दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकस्टोन प्रमोटेड एस्टर डीएम क्वालिटी केयर देश की दूसरी बड़ी हॉस्पिटल चेन में कंट्रोलिंग हिस्सेदारी खरीदने के लिए बातचीत कर रही हैं। इस कंपनी के नोएडा, ग्रेटर नोएडा, फरीदाबाद, गुरुग्राम, झांसी-ओरछा, आगरा और नई दिल्ली में हॉस्पिटल हैं। यथार्थ हॉस्पिटल के शेयर 1,024.85 रुपये पहुंच गए जो इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। बीएसई पर भी कंपनी का शेयर 1,024.95 रुपये पर पहुंच गया। पिछले सत्र में यह 970.25 रुपये पर बंद हुआ था और आज 980.00 रुपये पर खुला। इस तेजी के साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 10,000 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में मुख्यालय वाली यथार्थ देश की दूसरी बड़ी हॉस्पिटल

चेन है। इसके पास नौ अस्पताल हैं, जिनमें कुल 2,800 से ज्यादा बेड की क्षमता है। कंपनी का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में नई सुविधाओं और विस्तार के जरिए कुल क्षमता को 5,000 बेड से ज्यादा करने का है। कंपनी में प्रमोटर अजय कुमार त्यागी एंड फैमिली और कपिल कुमार की 55.8त्न हिस्सेदारी है। बाकी हिस्सेदारी पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास है। रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा प्रमोटर शायद थोड़ी-बहुत हिस्सेदारी अपने पास रख सकते हैं।

रॉकेट उड़ गया टाटा का शेयर, 1537 करोड़ रुपये का मिला है बड़ा ऑर्डर

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयर शुक्रवार को रॉकेट सा उड़ गए हैं। तेजस नेटवर्क्स के शेयर शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 12 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 576.80 रुपये पर पहुंच गए हैं। एक बड़ा ऑर्डर मिलने के बाद तेजस नेटवर्क्स के शेयरों में यह तूफानी तेजी आई है। तेजस नेटवर्क्स को यह ऑर्डर ग्रुप की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज से मिला है। तेजस नेटवर्क्स को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज से सरकारी टेलिकॉम कंपनी बीएसएनएल के 4त्न मोबाइल नेटवर्क की खातिर इक्विपमेंट सप्लाई करने के लिए एक लेटर ऑफ इंटेंट मिला है। तेजस नेटवर्क्स को मिला यह ऑर्डर 1537 करोड़ रुपये का है। यह इकलौता ऑर्डर तेजस नेटवर्क्स की पूरी मौजूदा ऑर्डर बुक से बड़ा है। इस ऑर्डर के तहत तेजस नेटवर्क्स, भारत संचार निगम लिमिटेड के 4 प्रतिशत मोबाइल नेटवर्क की 18,685 साइट्स के लिए रेडियो एक्सेस नेटवर्क इक्विपमेंट, एक्सेसरीज और इंस्टॉलेशन मैटीरियल्स की सप्लाई करेगी। ऑर्डर में इक्विपमेंट और संबंधित मैटीरियल्स की सप्लाई शामिल है। टाटा कंसल्टेसी सर्विसेज ने मई 2025 में कहा था कि 18,685 4 प्रतिशत नेटवर्क साइट्स के डिप्लॉयमेंट के लिए उसे 2903.22 करोड़ रुपये का ऐड-ऑन परचेज ऑर्डर मिला है। टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स

को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 202.24 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड घाटा हुआ था। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 193.87 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में तेजस नेटवर्क्स का टोटल रेवेन्यू 99.10 पर्सेंट बढ़कर 402.16 करोड़ रुपये रहा, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 201.98 करोड़ रुपये था। टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयरों में पिछले 7 महीने में तूफानी तेजी देखने को मिली है।

प्राइवेट वर्सेस सरकारी: एचडीएफसी या सेंट्रल बैंक, कौन दे रहा सबसे सस्ता होम लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। हर किसी का सपना होता है कि अपना आशियाना यानी कि घर हो। इसके लिए लोग अपनी कमाई से, बिजनेस से या अन्य माध्यमों से पैसों की बचत करते हैं। देश में लगातार बढ़ते प्रॉपर्टी के दाम ने लोगों को सस्ते होम लोन की तलाश को काफी तेज कर दिया है। अगर आपको भी सस्ते लोन की तलाश है तो यह खबर आपके काम की हो सकती है।

यहां हम दो ऐसे बैंकों के होम लोन के बारे में बता रहे हैं जिनमें से एक प्राइवेट तो दूसरा सरकारी है। इन बैंकों के नाम एचडीएफसी बैंक और सेंट्रल बैंक है। आइए जानते हैं कि इन दोनों में से कौन सा बैंक सस्ता होम लोन देता है। शुरुआत हम एचडीएफसी बैंक होम लोन से करेंगे। देश के बड़े प्राइवेट बैंकों में से एक एचडीएफसी बैंक है। यह अपने पात्र ग्राहकों को होम लोन की सुविधा देता है। अगर आप नौकरीपेशा वाले लोग हैं तो आपके लिए एचडीएफसी बैंक 7.75 फीसदी से लेकर 13.20 फीसदी की सालाना ब्याज दर से होम लोन देता है। अगर आप स्व-रोजगार

हैं, मतलब कि आपका खुद का कोई बिजनेस या व्यवसाय है, तो आपके लिए भी यह बैंक होम लोन की सुविधा देता है। स्व-रोजगार वालों के लिए एचडीएफसी बैंक 7.75 फीसदी से लेकर के 13.20 फीसदी की सालाना ब्याज दर से होम लोन देता है। अधिक जानकारी के लिए आप बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

यहां आप देख सकते हैं कि ये दोनों बैंक, चाहें नौकरी वाले लोग हों या स्व-रोजगार वाले, इन दोनों के लिए होम लोन की सालाना ब्याज दर सामान है। लोन दी गई राशि पर बैंकों के द्वारा ली जा रही सालाना ब्याज दर के हिसाब से देखें तो यहां प्राइवेट बैंक की तुलना में सरकारी बैंक सस्ता होम लोन दे रहा है।

सेंट्रल बैंक होम लोन

अब हम बात सरकारी बैंक यानी कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के होम लोन की करेंगे। नौकरीपेशा यानी कि सैलरी वाले लोगों के लिए सेंट्रल बैंक 7.20 फीसदी से लेकर के 8.75 फीसदी तक की सालाना ब्याज दर पर होम लोन देता है। वहीं, स्व-रोजगार वालों के लिए भी सेंट्रल बैंक होम लोन की सुविधा देता है। अगर आप स्व-रोजगार वाले हैं तो आपको सेंट्रल बैंक 7.20 फीसदी से लेकर 8.75 फीसदी तक की सालाना ब्याज दर से होम लोन देता है। दस्तावेजों की जरूरत पड़ती है। यहां हम कुछ ऐसे दस्तावेजों के बारे में बता रहे हैं, जिनकी जरूरत लगभग सभी बैंकों में होम लोन लेने के दौरान पड़ सकती है। इनमें आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी, बिजली बिल, सैलरी स्लिप, बैंक स्टेटमेंट, पासपोर्ट, आईटीआर और संपत्ति के कागजात आदि शामिल हैं।

प्रिंस खान को आतंकी घोषित करने की कवायद तेज

एनआइएए की टीम विदेशी कनेक्शन की पड़ताल में जुटी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखंड पुलिस के लिए लंबे समय से सिरदर्द बना धनबाद के वासेपुर का फरार अपराधी प्रिंस खान अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) के राडार पर आ गया है। एनआइए की एक टीम धनबाद पहुंचकर प्रिंस खान की आपराधिक गतिविधियों, विदेश में बने कथित संपर्कों और पाकिस्तान कनेक्शन से जुड़े साक्ष्यों की पड़ताल कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह जांच प्रिंस खान को आतंकी घोषित करने की प्रक्रिया के तहत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। धनबाद पुलिस के अनुसार प्रिंस खान विदेश में रहकर अपने आपराधिक नेटवर्क का संचालन करता रहा है।

झारखंड के विभिन्न जिलों में कारोबारियों व अन्य लोगों से रंगदारी मांगने के आरोप उस पर हैं। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में 125 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज होने की बात भी सामने आई है।

गुरुवार को धनबाद पहुंचने के बाद एनआइए की टीम ने एसएसपी प्रभात कुमार से मुलाकात कर प्रिंस खान से जुड़े मामलों और उसके नेटवर्क की जानकारी जुटाई। एजेंसी धनबाद समेत झारखंड के अलग-अलग हिस्सों में उसके खिलाफ दर्ज मामलों की पड़ताल कर रही है।

जांच के दौरान वासेपुर में उसके कथित गुर्गों, सहयोगियों और आपराधिक नेटवर्क पर भी फोकस किया जा रहा है। एनआइए यह भी पता लगाने में जुटी है कि विदेश में रहते हुए प्रिंस खान ने अपने नेटवर्क को किस तरह संचालित किया और उसके संपर्क किन लोगों से रहे।

जांच का एक अहम पहलू प्रिंस खान के कथित पाकिस्तान कनेक्शन और प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से संपर्क की सूचनाएं हैं। सूत्रों के अनुसार, खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर उसके विदेश में बने संपर्कों की जांच की जा रही है।

यह भी आरोप है कि दुबई में रहने के दौरान वह कुछ पाकिस्तानी नागरिकों के संपर्क में आया था। सूत्रों के मुताबिक, जांच में इस बात की भी पड़ताल हो रही है कि क्या उसके संपर्क प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से जुड़े लोगों तक पहुंचे थे।

हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और एनआइए अपने स्तर से साक्ष्य जुटा रही है।

हत्यारे को उम्रकैद की सजा

पुलिस की कार्यशैली पर कोर्ट ने तरेरी आंखें

पाकुड़। प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे-1) कुमार क्रांति प्रसाद की अदालत ने हत्या और जानलेवा हमले के मामले में दोषी सोबेन मरांडी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सत्र परीक्षण संख्या 30/2024 में अदालत ने पुलिस अनुसंधान में हुई गंभीर लापरवाही पर भी कड़ी नाराजगी जताई। न्यायालय ने फैसले की प्रति झारखंड के मुख्य सचिव, डीजीपी और पाकुड़ एसपी को भेजते हुए उचित कार्रवाई का निर्देश दिया है।

मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस की जांच में कई खामियां सामने आईं। अभियोजन पक्ष ने कुल पांच गवाह पेश किए। जांच अधिकारी कैला उरांव द्वारा जब्ती सूची के प्रदर्श न्यायालय में प्रस्तुत नहीं किए गए। हत्या में प्रयुक्त हथियार और खून से सने कपड़े भी कोर्ट में पेश नहीं किए गए और न ही उन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया। इंजरी रिपोर्ट भी रिकॉर्ड पर नहीं लाई गई, जबकि कुछ गवाह अपने बयान से मुकर गए।

ऐसे में लोक अभियोजक (पीपी) लुकास कुमार हेमरम ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रभावी दलीलें रखीं। उन्होंने कहा कि अनुसंधान में हुई खामियों के कारण न्याय प्रभावित नहीं होना चाहिए। न्यायालय ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए सक्रिय भूमिका निभाई और एकमात्र चश्मदीद गवाह, मृतक की पत्नी, से स्वयं कई सवाल पूछे।पीड़िता ने घटना और अपने ऊपर हुए हमले का विवरण न्यायालय को दिया। अदालत ने उसकी मौखिक गवाही को विश्वसनीय मानते हुए दोषी को सजा सुनाई। धारा 302 के तहत आजीवन सश्रम कारावास और एक लाख रुपये जुर्माना, धारा 307 के तहत आजीवन सश्रम कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माना, धारा 326 के तहत सात वर्ष सश्रम कारावास व 25 हजार रुपये तथा धारा 452 के तहत पांच वर्ष सश्रम कारावास व 25 हजार रुपये जुमार्ना लगाया गया। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। जुर्माने की पूरी दो लाख रुपये की राशि मृतक की पत्नी को मुआवजे के रूप में देने का निर्देश दिया गया है।

मारवाड़ी महिला समिति ने सैनिकों को बांधी राखियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। जिले की अग्रणी सेवाभावी संस्था मारवाड़ी महिला समिति की बहनों ने पूर्व अध्यक्ष सह कार्यक्रम संयोजिका निशा जैन के नेतृत्व में स्थानीय सिख रेजिमेंट के मुख्यालय पहुँचकर सेना के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं करीब 200 जवानों को रक्षा सूत्र बाँधा गई। कार्यक्रम के अंतर्गत समिति की बहनों ने पारंपरिक पोशाक पहन सिख रेजिमेंट पहुँचकर सेना के जवानों को तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बाँधकर उनकी आरती उतारकर जवानों की लम्बी उम्र की प्रार्थना की गई। साथ ही, जवानों के बीच मिठाइयाँ भी बांटी गई। पूर्व अध्यक्षा निशा जैन ने कहा कि हमारे सैनिक भाई अपने घर परिवार तथा अपनी बहनों से दूर रहकर रात्रि दिन हमारी सरहदों के साथ हमारी आंतरिक सुरक्षा करते रहते हैं। हम बहनें प्रत्येक वर्ष उनके त्याग को देखते हुए। उन्हें अपनों से दूर होने के गम का अहसास से मुक्त कराती हैं। समिति की बहनों के समक्ष सेना के वरिष्ठ अधिकारियों एवं जवानों ने बहनों को यह वचन दिया कि समिति की बहनों पर जब भी कोई संकट आएगा। उनके यह भाई अपने प्राणों का बलिदान करके भी अपनी बहनों की रक्षा अवश्य करेंगे। निशा जैन ने कहा कि हम बहनें आगे भी यह आयोजन करके समाज को यह संदेश देती रहेगी। भारत माता के इन वीर सपूतों के प्रति प्रेम एवं स्नेह बनाए रखेगी। मौके पर सचिव प्रिया अग्रवाल, स्वाति पंसारी, पूनम गर्ग, रीना अग्रवाल, रूपा गुप्ता, मीनू, अनिता बंसल, सुचेता मित्तल, अनिका कुमारी एवं पुष्पा अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

हाथियों ने दुकान का शटर तोड़ा, दहशत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

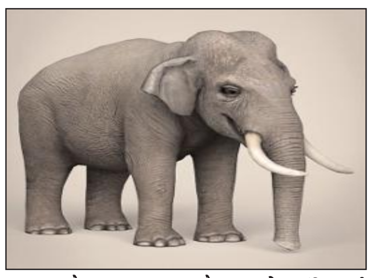

भुरकुंडा /रामगढ़। बीते रात्रिकालीन सौंदा डी पंचायत में दो हाथियों ने एक दुकान का शटर तोड़ दिया गया। जबकि एक मकान के छप्पर को आंशिक रूप से नुकसान पहुंचाया गया। घटना से स्थानीय लोगों में दहशत का मौहाल बना हुआ है। यहां से ऑफिसर्स कॉलोनी से हनुमाननगर होते हुए दोनों हाथी सेंट्रल सौंदा की ओर निकल गए। मिली जानकारी के अनुसार झुंड से बिछड़े दो हाथियों को गुरुवार की सुबह चिकोर के पारगढ़ा में देखें जाने की सूचना थी। यहां से दोनों हाथी रात नलकारी नदी पार कर तकरीबन 02:28 बजे के करीब सौंदा 'डी' में प्रवेश कर गए। 19 नंबर से होते हुए लेनिन चौक जाने के क्रम में हाथियों ने विजय साहू के जनरल स्टोर का शटर तोड़ दिया। जिसकी आवाज सुनते ही पास के रामप्रवेश साव अपने घर से निकले। हाथियों का उग्र रूप देख वो वापस घर में चले गए। यहां से हाथी शनिचर बाजार, परियोजना कार्यालय होते हुए सेंट्रल सौंदा की ओर निकल गए।

इस दौरान रात्रि पाली में ड्यूटी कर रहे सीसीएल के सिक्योरिटी भी इसकी पुष्टि की गई है। वहीं सेंट्रल सौंदा में हाथियों ने मनोज कुट्टी दुकान को क्षति पहुंचाने की जानकारी मिली है। हाथियों के फिलहाल सेंट्रल सौंदा के आसपास जंगल में मौजूद होने की संभावना है। वन विभाग और भुरकुंडा पुलिस ने क्षेत्र के लोगों से सतर्कता और सावधानी बरतने की अपील की गई।

बहनों ने भाइयों की कलाई पर बांधे रक्षा सूत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजरप्पा/ रामगढ़। राखी का त्योहार रक्षाबंधन के अवसर पर शुक्रवार को भाई बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन पूरे क्षेत्र में धूमधाम के साथ मनाया गया। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनके सुख समृद्धि और दीघार्यु होने की कामना की। वही भाइयों ने बहनों की रक्षा एवं सुख दुख में साथ निभाना का संकल्प लिया। आज सुबह से ही पर्व को लेकर घरों में विशेष उल्लास देखा गया। बाजारों में भी रंग बिरंगी राखियां मिठाइयां और उपहार की दुकानें सजी हुई थी। समय के साथ पर वह मनाने के तौर तरीकों पर बदलाव आया। लेकिन भाई बहन के रिश्ते पर आत्मकथा आज भी उतनी ही मजबूत है। इधर पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष ब्रह्मदेव महतो की कलाई पर उनकी बहन ने राखी बांधी गई। इस दौरान उनके सुख समृद्धि और दीघार्यु होने की कामना की गई। वही ब्रह्मदेव महतो ने अपनी बहन को उपहार भेंट कर सदा साथ निभाने का संकल्प लिया।

मुकेश के नग्मों की यादों में डूबा रजरप्पा

50 वीं पुण्यतिथि पर एक शाम मुकेश के नाम में कलाकारों ने प्रस्तुत किया कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजरप्पा / रामगढ़। फिल्म जगत के पुराने महान पार्श्व गायक मुकेश चंद माथुर की 50 वीं पुण्यतिथि पर देर संध्याकालीन गुरुवार को रजरप्पा प्रोजेक्ट स्थित ऑफिसर्स क्लब में धूमधाम से मनाया गया। पवन सारेगामा म्यूजिकल ग्रुप की ओर से एक शाम मुकेश के नाम कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुकेश के सदाबहार गीतों से ऐसी सुरमयी शाम सजी कि पूरा सभागार उनकी यादों और संगीत में डूब गया। एक के बाद एक लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति पर श्रोता भावविभोर नजर आए। तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साह बढ़ाते रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रजरप्पा महाप्रबंधक गिरीश कुमार राठौर, विशिष्ट अतिथि रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार एवं सम्मानित अतिथि डीएवी झारखंड जोन-डी के एआरओ डॉ एसके शर्मा ने मुकेश के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित एवं पुष्प

अर्पित कर किया। इसके बाद संगीत संध्या का आगाज हुआ। ग्रुप के निदेशक पवन कुमार दांगी ने जाने कहां गये वो दिन, जीना यहां मरना यहां, एक दिन बिक जाएगा माटी के मोल, कभी कभी मेरे दिल में ख्याल आता है। डम डम डिगा डिगा जैसे लोकप्रिय गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को मुकेश के दौर की याद दिला दी। गायिका रूबी ने ह्यएक प्यार का नगमा है। जबकि गायक एनके दास ने जन्म जन्म का साथ है हमारा तुम्हारा और लिखे जो खत तुझे की प्रस्तुति दी। वसीम ने सात अजूबे इस दुनिया में और चाहूंगा मैं तुझे शाम सबेरे, गायिका इला ने क्या खूब लगती हो तथा विनोद बिहारी चौधरी ने आंखों में काजल है, काजल में मेरा दिल है। राजू हलचल ग्रुप की ओर से आकर्षक झांकियां भी प्रस्तुत की गई। मुकेश के गीतों में भावनाओं की गहराई महाप्रबंधक गिरीश कुमार राठौर ने कहा कि भागदौड़ भरी जिंदगी में संगीत सुकून का सबसे बेहतर माध्यम है। मुकेश के गीतों में भावनाओं की गहराई और संवेदनशीलता है, यही कारण है कि दशकों बाद भी उनकी लोकप्रियता कायम है। डॉ एसके शर्मा ने कहा कि मुकेश भारतीय संगीत जगत की अमूल्य धरोहर हैं। उनके गीत आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करते रहेंगे। इससे पूर्व ग्रुप के निदेशक पवन कुमार दांगी ने अतिथियों का बुके, शॉल एवं स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन गौतम वैद्य ने किया।शिक्षा और खेल जगत की हस्तियां सम्मानित कार्यक्रम के दौरान शिक्षा, पुलिस एवं खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया। इनमें डीएवी के प्राचार्य डॉ आरके साहू, एसवीएम के प्राचार्य उमेश प्रसाद, पतरातू थाना के एसआइ सुजीत सिंह, संस्कार इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक रितेश केसरी तथा खेल जगत से जुड़े सीडी सिंह सहित कई लोग शामिल थे।

कार्यक्रम में एसडीपीओ आलोक रंजन, मुख्यालय पुलिस उपाधीक्षक मो अकरम रज्जा, रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडेय, गोला थाना प्रभारी अभिषेक कुमार, रज्जप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार समेत कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। मौके पर सीसीएल परियोजना पदाधिकारी लालन राय, झामुमो नेता चित्रगुप्त महतो, एसओपी रामानुज प्रसाद, एसओएम गौतम नाथ महतो, चंद्रशेखर चौधरी, हाजी अख्तर आजाद, अनिल प्रसाद, आदित्य वर्मा, मुकेश दांगी, डॉ राजेंद्र कुमार, सुजीत कुमार सिंह, प्रदीप दांगी, गिरीश कुमार, रंजीत चटर्जी, दीपक कुमार, शशिकांत सिंह एवं संजय दांगी सहित कई लोग मौजूद थे।

तीन दिवसीय कार्यक्रम की शुरूआत

खेल प्रबंधन विषय पर संगोष्ठी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अवसर पर पाकुड़ जिले में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुक्रवार को उत्साहपूर्ण माहौल में शुभारंभ हुआ। खेलेगा भारत, जीतेगा भारत की थीम एवं एक घंटा खेल के मैदान में अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के प्रथम दिन विभिन्न खेल, जागरूकता एवं प्रशिक्षण गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन डीडीसी अरविन्द कुमार लाल, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन एवं जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार ने संयुक्त रूप से हॉकी के जादूगर एवं महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों एवं वक्ताओं ने मेजर ध्यानचंद के भारतीय हॉकी एवं खेल जगत में दिए गए अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन आज भी खिलाड़ियों एवं युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके खेल कौशल, अनुशासन, समर्पण एवं राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेकर युवाओं को खेल के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर खिलाड़ियों के लिए खेल प्रबंधन विषय पर विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. प्रो. वैदेश चंद्र लाल दास द्वारा किया गया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल के दौरान आने वाली विभिन्न चुनौतियों, समस्याओं तथा उनके प्रभावी समाधान के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही खिलाड़ियों को खेल के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण, अनुशासन एवं बेहतर प्रबंधन के महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा पदाधिकारी श्री कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस केवल महान खिलाड़ियों को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि समाज में खेल एवं शारीरिक गतिविधियों को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लेने का दिन है। उन्होंने खिलाड़ियों एवं युवाओं से नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने तथा अपनी फिटनेस, स्वास्थ्य एवं शारीरिक क्षमता पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के अंतर्गत जिले में आगामी दिनों में भी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण, जागरूकता एवं अन्य खेल गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से अधिक से अधिक खिलाड़ियों, युवाओं एवं आमजनों को खेल से जोड़ने तथा एक घंटा खेल के मैदान में अभियान को व्यापक रूप देने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम में डे बोर्डिंग क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षु खिलाड़ी, विभिन्न खेलों से जुड़े खिलाड़ी, प्रशिक्षक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रशिक्षक प्रमोद नांगलिया द्वारा किया गया।

कैंची के वार से छात्र घायल

मुजफ्फरपुर। जिले के कुढ़नी प्रखंड क्षेत्र के फकुली थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े खौफनाक वारदात को अंजाम दिया गया। आरोप है कि साइकिल छीनने का विरोध करने पर एक युवक ने पांचवीं कक्षा के नौ वर्षीय छात्र के सीने में कैंची घोंप दी। घटना में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में उसे पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल छात्र की पहचान दामोदरपुर निवासी भास्कर झा के पुत्र सूर्यनारायण झा के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, छात्र सूर्यनारायण अपने दादा प्रमोद झा को पदमौल से बुलाने के लिए घर से साइकिल पर निकला था। रास्ते में स्थानीय निवासी अमृत सहनी ने उसे रोक लिया और जबरन साइकिल छीनने की कोशिश की।छात्र ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने पहले उसके सिर पर घूंसे से वार किया। इसके बाद भी छात्र ने साइकिल नहीं छोड़ी तो आरोपी ने जेब से कैंची निकालकर उसके सीने में घोंप दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अमृत सहनी साइकिल लेकर अपने घर की ओर भागने लगा।

जेएसएलपीएस की महिला टीम से मिली विधायक ममता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। जिले के समाहरणालय परिसर में स्थित जेएसएलपीएस की महिला टीम की दीदियों के द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन की जा रही थी। इसकी जानकारी मिलते ही इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष सह रामगढ़ विधायक ममता देवी तत्काल धरना स्थल पर पहुंची। आंदोलनरत महिला टीम की दीदियों से मुलाकात के दौरान उनकी समस्याओं एवं मांगों को गंभीरता से सुनी गई।

रामगढ़ विधायक ममता देवी ने महिला दीदियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए। रामगढ़ जिले के उपायुक्त पदाधिकारी ऋतुराज से मुलाकात कर पूरे मामले पर विस्तार से बातचीत की गई। उन्होंने महिला दीदियों की मांगों एवं समस्याओं के समाधान की दिशा में आवश्यक पहल करने का आग्रह किया गया।

इसके साथ ही रामगढ़ विधायक ममता देवी ने झारखंड सरकार की मंत्री दीपिका सिंह पांडेय से दूरभाष पर वातालर्प की गई। पूरे मामले की जानकारी दी गई। उन्होंने महिला दीदियों की समस्याओं के समाधान के लिए रांची में मंत्री से मुलाकात कराने की बात भी कही गई। मामले पर सकारात्मक पहल करते हुए उचित समाधान निकाला जा सके। इंडियन नेशनल कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष सह रामगढ़ विधायक ममता देवी ने कहा कि महिला दीदियों की समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। उनकी जायज मांगों और समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने महिलाओं की आवाज को मजबूती से उठाना और उनके हितों की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि संबंधित अधिकारियों एवं सरकार के स्तर पर लगातार बातचीत कर समस्याओं के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल की जाएगी।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पतरातू में मना रक्षाबंधन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भुरकुंडा / रामगढ़। सर्वप्रथम पतरातू नगर कार्यवाह उमाशंकर अग्रवाल के द्वारा भारत माता डॉ हेडगेवार और परम पूज्य गुरु के चित्र पर पुष्प अर्पित किया। उसके बाद भागव ध्वज को रक्षा सूत्र बांधा गया। कार्यक्रम के बौद्धिककर्ता पूर्व पतरातू नगर संघचालक जयनन्दन शर्मा जी के द्वारा कहा गया कि आज के दिन सभी स्वयंसेवक एक दूसरे को रक्षा सूत्र बांधकर आजीवन रक्षा करने का संकल्प लेते है। रक्षाबंधन भाई-बहन के प्यार, विश्वास और एक-दूसरे की रक्षा व साथ देने के भाव का त्योहार है। इस दिन बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती है। तिलक करती है और उसके सुख-समृद्धि की कामना करती है। भाई भी बहन को उपहार देता है और जीवन में उसका साथ देने का संकल्प करता है।

रक्षाबंधन का अर्थ है रक्षा का बंधन। समय के साथ इसका अर्थ केवल भाई द्वारा बहन की रक्षा करना नहीं, बल्कि एक-दूसरे का सम्मान, देखभाल और मुश्किल समय में साथ देना भी माना जाता है। रक्षाबंधन से जुड़ी कई पौराणिक और ऐतिहासिक कथाएँ भी प्रचलित हैं। जैसे राजा बलि और माता लक्ष्मी भगवान विष्णु द्वारा राजा बलि को वचन देने और माता लक्ष्मी द्वारा बलि को भाई बनाकर विष्णु जी को वैकुंठ वापस लाने से जुड़ी कथा।श्रीकृष्ण और द्रौपदी महाभारत काल में जब भगवान कृष्ण की उंगली से खून आया, तब द्रौपदी ने अपनी साड़ी का टुकड़ा बांध दिया था। इसके बदले कृष्ण ने चीरहरण के समय द्रौपदी की लाज बचाई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रवि कुमार पतरातू नगर सह कार्यवाह विकास कुमार मुखिया किशोर कुमार महतो राजकिशोर सिंह नवीन कुमार सिंह बालेश्वर कुमार अमित कुमार सिंह क्लेश कुमार राजीव कुमार संजय कुमार प्रिंस कुमार आर्यन कुमार तन्मय कुमार चिन्मय कुमार विद्या रानी सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

स्क्रूटनी संपन्न, मतदान 8 सितंबर को

निर्दलीय प्रत्याशी राजीव सिंह ने बढ़ाई चुनावी सरगर्मी, संयुक्त सचिव पद पर मुकाबला रोमांचक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। प्रेस क्लब रामगढ़ के सत्र 2026-28 के चुनाव को लेकर गुरुवार को नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी का कार्य संपन्न हो गया। मुख्य चुनाव पदाधिकारी सह रामगढ़ एसडीओ कृष्ण मुरारी तिर्की की देखरेख में सभी प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की जांच की गई। चुनाव पदाधिकारी ने बताया कि 8 सितंबर को मतदान कराया जाएगा। स्क्रूटनी के बाद चुनावी तस्वीर साफ हो गई है और विभिन्न पदों पर प्रत्याशियों के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा। अध्यक्ष पद के लिए वीरेंद्र कुमार वीरू, धनेश्वर प्रसाद और निर्दलीय उम्मीदवार देवांशु शेखर मिश्रा मैदान में हैं।

वहीं उपाध्यक्ष पद पर प्रदीप राज बबलू और दिनेश कुमार के बीच सीधा मुकाबला होगा। सचिव पद के लिए धर्मेंद्र पटेल और दुर्गेश नंदन तिवारी आमने-सामने हैं। वहीं, संयुक्त सचिव पद का मुकाबला सबसे अधिक रोमांचक माना जा रहा है। इस पद पर दिलीप कुमार सिंह, उमेश सिन्हा और निर्दलीय प्रत्याशी राजीव कुमार सिंह के मैदान में उतरने से मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। निर्दलीय प्रत्याशी राजीव कुमार सिंह की दावेदारी ने संयुक्त सचिव पद के चुनाव को और दिलचस्प बना दिया है।

युवा पत्रकार के रूप में पत्रकारों के बीच उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। ऐसे में तीनों प्रत्याशियों को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। कोषाध्यक्ष पद के लिए उत्तम कुमार और दुर्वेज आलम चुनाव मैदान में हैं। इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए कुल 23 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

कार्यकारिणी सदस्य पद के प्रत्याशियों में शंकर कुमार देवधरिया, शिवशंकर तिवारी, बिनोद कुमार सिंह, असफाक अहमद, रितेश कुमार, सतीश बहादुर सिंह, दीपक कुमार, सुरेंद्र सिंह, अवध किशोर शर्मा, सुरेंद्र कुमार पासवान, नीरज कुमार, श्याम कुमार ठाकुर, कृष्णा कुमार, मो. अयूब अंसारी, संजय नायक, अंजनी जायसवाल, अजय कुमार महतो, ऐहसान मंजर, मो. सनाउल्लाह, अमित पाठक, सत्येंद्र पाठक, शरद सिन्हा और हीरा प्रसाद सिंह शामिल हैं। स्क्रूटनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब चुनावी गतिविधियां तेज होने की संभावना है। सभी प्रत्याशी पत्रकार मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचाने और समर्थन जुटाने में जुटेंगे। 8 सितंबर को होने वाले मतदान के बाद यह तय होगा कि प्रेस क्लब रामगढ़ की नई कार्यकारिणी की जिम्मेदारी किन पत्रकारों के हाथों में होगी।

2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारियों को लेकर बैठक हुई

अहमदाबाद में 2036 ओलिंपिक की बोली पर चर्चा हुई, गृहमंत्री अमित शाह और खेलमंत्री शामिल

अहमदाबाद (एजेंसी)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की तैयारियों को लेकर अहमदाबाद में गृहमंत्री अमित शाह, खेलमंत्री मनसुख मांडविया और गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष सांघवी की बैठक हुई। इस बैठक में 2036 ओलिंपिक की मेजबानी के लिए भारत की बोली पर भी चर्चा हुई।

गृह मंत्रालय खेलों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, आवाजाही और दूसरे इंतजामों की निगरानी में अहम भूमिका निभाएगा।कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी के लिए नरेंद्र मोदी स्टेडियम को भी चुना गया है।

शाह ने एक्स पर बैठक की जानकारी दी शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बैठक की जानकारी दी। उन्होंने कहा- हम इंटरनेशनल खेल आयोजनों की मेजबानी करके भारत को वैश्विक खेल स्थल बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया की बैठक में 2029 पुलिस और फायर गेम्स की मेजबानी पर भी चर्चा हुई।

अहमदाबाद में पहले पुलिस और फायर गेम्स होंगे–वर्ल्ड पुलिस और फायर गेम्स इन सभी आयोजनों से पहले अहमदाबाद में होगी। यह एक बड़ी मल्टी-गेम्स इंटरनेशनल प्रतियोगिता होगी। इसमें 70 देशों के करीब 10 हजार खिलाड़ी शामिल होंगे।

ओलिंपिक बोली पर फैसला 2029 तक संभव–कॉमनवेल्थ गेम्स दो दशक बाद भारत लौटेंगे। साल 2010 में दिल्ली ने पहली बार इसका आयोजन किया था। अहमदाबाद 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दौड़ में भी शामिल है। सांघवी खेल विभाग भी संभालते हैं, इसलिए वे इंटरनेशनल ओलिंपिक समिति के साथ होने वाली बातचीत में शहर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

भारत अभी मेजबान चुनने की प्रक्रिया के 'कंटीन्यूअस डायलॉग' चरण में है। देश की बोली पर फैसला 2029 से पहले होने की उम्मीद नहीं है।

2030 में गेम्स के 100 साल पूरे होंगे–2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स अपने 100 साल पूरे करेगा। पहला एडिशन 1930 में कनाडा के हैमिल्टन शहर में हुआ था। भारत दूसरी बार गेम्स की मेजबानी करेगा।

इससे पहले भारत ने 2010 में गेम्स की मेजबानी की थी। तब सारे इवेंट दिल्ली में हुए थे। ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा 5 बार गेम्स की मेजबानी की है। कनाडा और स्कॉटलैंड में 4 बार टूर्नामेंट खेला गया।

टी20 टूर्नामेंट में ऐसा रहा भारतीय टीम का रिकॉर्ड तीन बार खिताब पर जमा चुकी है कब्जा

महिला एशिया कप

दुबई (एजेंसी)। महिला एशिया कप 2026 की शुरुआत शुक्रवार से हो रही है। इस बार टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला जाना है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम को इस बार खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। आइए आपको बताते हैं टीम इंडिया का टी20 एशिया कप में रिकॉर्ड कैसा रहा है। हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारतीय टीम से इस बार भी दमदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के ऊपर टीम को शानदार शुरुआत देने की जिम्मेदारी होगी। शेफाली और मंधाना दोनों की ही हालिया फॉर्म शानदार रही है। मंधाना इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रही हैं। वहीं, जेमिमा रोड्रिग्स की गैरमौजूदगी में कप्तान हरमनप्रीत कौर के कंधों पर मध्यक्रम की जिम्मेदारी होगी।

टी20 प्रारूप आता है रास

दरअसल, भारतीय टीम को एशिया कप में टी20 प्रारूप खूब रास आता है। कुल मिलाकर भारत ने टी20 एशिया कप में 25 मुकाबले खेले हैं। इसमें से हरमनप्रीत एंड कंपनी ने 21 मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि महज चार मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम टी20 एशिया कप के खिताब को तीन बार अपने नाम कर चुकी है। साल 2012, 2016 और 2022 में टीम इंडिया ने ट्रॉफी को अपने नाम किया था।

थाईलैंड के खिलाफ अभियान की करेगी शुरुआत

ऋषा घोष और दीप्ति शर्मा भारतीय टीम के लिए इस टूर्नामेंट में ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं।दीप्ति बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दे सकती हैं, जबकि ऋचा तूफानी बल्लेबाजी के बूते किसी भी मैच का रुख पलटने का दमखम रखती हैं।

आर प्रज्ञानानंदा ग्रैंड चेस टूर जीतने वाले पहले भारतीय

कारूआना को 15-13 से हराया, 1.91 करोड़ की प्राइज मनी मिली

6 पॉइंट पीछे रहने के बाद प्रज्ञानानंदा ने की वापसी

फाइनल मुकाबले के आखिरी दिन की शुरुआत में प्रज्ञानानंदा कारूआना से 6 पॉइंट पीछे चल रहे थे। हालांकि, उन्होंने दिन की शुरुआत में ही दोनों रैपिड गेम्स जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की और स्कोर में बढ़त हासिल कर ली।इसके बाद हुए ब्लिट्ज मैचों में दोनों खिलाड़ियों का प्रदर्शन बराबरी का रहा, जिससे प्रज्ञानानंदा ने 2 पॉइंट की बढ़त बनाए।

यूएस (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने 2026 ग्रैंड चेस टूर (जीसीटी) का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया है। वे जीसीटी का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। सेंट लुइस में खेले गए फाइनल में प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका के ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना को 15-13 से हराया।इस जीत के साथ प्रज्ञानानंदा ने 2 लाख डॉलर (लगभग ?1.91 करोड़) की प्राइज मनी अपने नाम की।

विमेंस हॉकी वर्ल्डकप

भारत ने जर्मनी को 3-1 से हराया

एम्सटेलवीन (एजेंसी)। भारत ने विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप में जर्मनी को 3-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत टूर्नामेंट में पांचवे स्थान पर रहा। टीम ने 52 साल बाद टॉप-5 में फिनिश किया है। इससे पहले टीम 1974 वर्ल्ड कप में चौथे स्थान पर रही थी।

नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में खेले मुकाबले में भारत ने तीनों गोल दूसरे हाफ में किए। नवनीत कौर ने 43वें और 46वें मिनट में गोल किए। इशिका ने 42वें मिनट में पहला गोल दागा। जर्मनी की ओर से लिन क्रिंग्स ने 58वें मिनट में गोल किया।

दूसरे हाफ में भारत ने तीन गोल किए–पहले दो क्वार्टर में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं। भारत ने तीसरे क्वार्टर में लगातार आक्रमण किया। भारत को पहली सफलता 42वें मिनट में मिली, जब इशिका ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद नवनीत कौर ने 44वें और 47वें मिनट में लगातार 2 गोल कर भारत की बढ़त 3-0 कर दी। जर्मनी ने आखिरी क्वार्टर में एक गोल किया।

भारत ने मैच जीते, 3 ड्रॉ रहे, सिर्फ 1 में हार मिली–भारत ने ग्रुप स्टेज में चीन से 2-2 से ड्रॉ खेलकर टूर्नामेंट की शुरुआत की। फिर दूसरे मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 6-1 के बड़े अंतर से हराया। आखिरी मुकाबला इंग्लैंड से 0-0 से ड्रॉ रहा। टीम पूल-डी में दूसरे स्थान पर रहकर टॉप-8 में पहुंची। भारत को टॉप-8 में टूर्नामेंट की पहली हार मिली। टीम को पूल-श्व के मुकाबले में नीदरलैंड ने 2-0 से हराया। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत को आखिरी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराना था। हालांकि यह मुकाबला 0-0 से ड्रॉ रहा। अब भारत ने जर्मनी को पांचवा स्थान हासिल किया है।

टूर्नामेंट में भारत ने 11 गोल किए और 6 गोल खाए–टूर्नामेंट में भारत ने तीन टीमों के खिलाफ 11 गोल किए। वहीं 4 टीमों के खिलाफ 6 गोल खाए। सबसे खास बात रही एक साथ कई खिलाड़ियों का अच्छा परफॉर्मेंस। टूर्नामेंट में भारत की ओर से 7 खिलाड़ियों ने गोल दागे। स्टार फॉरवर्ड नवनीत कौर 4 गोल के साथ टीम की टॉप स्कोरर रहीं। दीपिका ने 2 गोल किए।

कोहली खेलते तो भारत कोलंबो टेस्ट जीत जाता

नईदिल्ली (एजेंसी)।पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है कि अगर विराट कोहली कोलंबो टेस्ट में खेलते तो भारत मुकाबला जीत सकता था।कैफ के मुताबिक, टेस्ट के आखिरी दिन भारतीय टीम में जोश और तेजी की कमी दिखाई दी।विराट टीम में होते तो वे खिलाड़ियों को लगातार उत्साहित करते और श्रीलंका के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश करते।कोहली भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान रहे हैं।उन्होंने 68 टेस्ट में कप्तानी की, जिनमें भारत ने 40 मैच जीते, 17 हारे और 11 मुकाबले ड्रॉ रहे। इस मामले में उनके बाद एमएस धोनी का नंबर आता है।

कैफ बोले- कोहली खिलाड़ियों में जोश भरते–कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि विराट कोहली टीम में होते तो वह लगातार खिलाड़ियों से बात करके उन्हें मैच में बनाए रखते।उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट लंबा खेल है और इसमें गेंदबाजों को लगातार मेहनत करनी पड़ती है।

वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 टीम से बाहर

● ऑस्ट्रेलिया सीरीज नहीं खेलेंगे, बीसीसीआई के वन-वर्ल्ड कप नियम का असर, 2026 वर्ल्डकप खेल चुके

नईदिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए भारत की 15 सदस्यीय अंडर-19 टीम घोषित की है। इसमें पूर्व भारतीय दिग्गज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और पूर्व भारतीय कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को जगह मिली है।

हालांकि, बीसीसीआई के नियम के नियम की वजह से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी टीम में शामिल नहीं हैं। वैभव अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल में सीनियर टीम के लिए डेब्यू भी कर चुके हैं।

50 ओवर की टीम की कप्तानी उत्तराखंड के बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी करेंगे। मध्य प्रदेश के बल्लेबाज यशवर्धन चौहान उपकप्तान होंगे। रेड-बॉल मैच में चौहान कप्तानी संभालेंगे, जबकि रायचंदानी उपकप्तान की भूमिका में रहेंगे।

लेग-स्पिन ऑलराउंडर आर्यवीर और विकेटकीपर-बल्लेबाज अन्वय को 15 सदस्यीय वनडे टीम में शामिल किया गया है। दोनों को मल्टी-डे फॉर्मेट के मैचों के लिए चुनी गई टीम में जगह नहीं मिली।लक्ष्य रायचंदानी भारतीय -19 टीम के कप्तान हैं।

भारत की -19 वनडे टीम–लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान (उप कप्तान), रजत बघेल, आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़, वी यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उल्वा, चिगुरुपति वेंकट और काव्य पटेल।

राजकोट में 18 सितंबर से शुरू होगी सीरीज

जूनियर मेंस सिलेक्शन कमेटी ने घरेलू सीरीज के लिए टीमों का ऐलान किया है।इसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ राजकोट में 50 ओवर के तीन मैच खेले जाएंगे।ये मुकाबले 18, 21 और 23 सितंबर को होंगे। इसके बाद दो रेड–बॉल मल्टी–डे मैच खेले जाएंगे।पहला मैच 27 से 30 सितंबर तक राजकोट में होगा।

बीसीसीआई का अंडर-19 वर्ल्ड कप नियम

बीसीसीआई ने 2016 में खिलाड़ियों के लिए एक नियम बनाया था। इसके मुताबिक, पात्र होने के बावजूद कोई खिलाड़ी एक से ज्यादा अंडर–19 वर्ल्ड कप नहीं खेल सकता है।इसी नियम के कारण वॉशिंगटन सुंदर 2018 का अंडर–19 वर्ल्ड कप नहीं खेल सके थे। उनसे पहले सरफराज खान, संदीप शर्मा, विजय जोल और अन्य खिलाड़ी टूर्नामेंट के कई एडिशन में हिस्सा ले चुके थे।

एशियाड में क्रिकेट की बी टीमें भेज सकता है भारत

जापान में सुविधाओं से बीसीसीआई नाराज, होटल के कमरे छोटे, स्टेडियम से 20झ्द्ध दूर

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत जापान में होने वाले एशियन गेम्स में क्रिकेट की 'बी टीम' भेज सकता है। बोर्ड के सूत्रों के अनुसार बीसीसीआई जापान में मिलने वाली सुविधाओं से संतुष्ट नहीं है। एशियन गेम्स में क्रिकेट के मुकाबले 17 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे।

खबर है कि टीम जिस होटल में ठहरने वाली है, उसके कमरे बेहद छोटे हैं। उसमें किट बैग रखने तक की पर्याप्त जगह नहीं है।भारत टूर्नामेंट के लिए मेंस और विमेंस दोनों टीमें घोषित कर चुका है। अब इनमें बदलाव पर विचार किया जा रहा है।

● होटल के छोटे रूम

रिपोर्ट्स के अनुसार, खिलाड़ियों के ठहरने के लिए जो होटल के कमरे दिए जा रहे हैं, वे बेहद छोटे हैं। बोर्ड के एक अधिकारी ने बताया कि कमरे इतने तंग हैं कि अगर दो खिलाड़ी अपना भारी-भरकम किट बैग खोल लें तो चलने या खड़े होने तक की जगह नहीं बचती।

● स्टेडियम 20 किमी दूर

इस बार एशियन गेम्स में खिलाड़ियों के लिए कोई अलग एथलीट विलेज नहीं बनाया गया है। स्टेडियम के पास के फाइव स्टार होटल पहले से बुक होने के कारण क्रिकेटर्स को 20 किलोमीटर दूर ठहराया जा रहा है। इससे लंबे ट्रैवल टाइम की समस्या खड़ी हो रही है।

● क्रिकेट पिच अनटेस्टेड

मैचों के लिए कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क को सिलेक्ट किया गया है, जो पहले बेसबॉल स्टेडियम था। इसे हाल ही में क्रिकेट स्टेडियम में बदला गया है। पिच और आउटफील्ड अब तक इंटरनेशनल लेवल पर सही तरीके से टेस्ट नहीं हुई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी इस पर चिंता जताई है।

● ड्रेसिंग रूम टेंट में, वॉशरुम 500 मीटर दूर

ड्रेसिंग रूम पक्के मकान की बजाय तंबुओं में बनाए गए हैं। यहां से वॉशरुम 500 मीटर दूर है, जिससे खिलाड़ियों को असुविधा हो रही है।

एसीसी ने जांच के लिए टेक्निकल टीम बनाई

सुविधाओं और पिच की गुणवत्ता को लेकर उठे सवालों के बाद एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) ने एक टेक्निकल टीम जापान भेजने का फैसला किया है। यह टीम मैदान, प्रैक्टिस नेट्स और होटल की व्यवस्थाओं का जायजा लेगी।

विदेश दौरे से टीम इंडिया को क्या मिला?

पडिक्कल का बल्ला बोला, सुथार ने मचाया धमाल

3 नंबर की समस्या हल हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में देवदत्त पडिक्कल और मानव सुथार भारत के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक खबर बनकर उभरे। हालांकि 1-0 की जीत के बावजूद गेंदबाजी, खासकर आखिरी पारी में विपक्षी बल्लेबाजों को रोकने को लेकर सवाल बरकरार हैं।

श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत ने 1-0 से जीत दर्ज की। हालांकि सीरीज में कई सवालों के जवाब मिले, वहीं कुछ चिंताएं अब भी बरकरार हैं। सबसे बड़ी सकारात्मक बात देवदत्त पडिक्कल का नंबर-3 पर शानदार प्रदर्शन और युवा बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार का प्रभावशाली प्रदर्शन रहा। पडिक्कल ने बल्लेबाजी में अपनी दावेदारी मजबूत की, जबकि सुथार ने रवींद्र जडेजा के बाद भारत के प्रमुख टेस्ट स्पिनर के रूप में लंबी पारी के लिए खुद को तैयार साबित किया। दूसरी ओर, गेंदबाजी की अंतिम पारी में भारत के प्रदर्शन ने टीम प्रबंधन को एक बार फिर सोचने पर मजबूर किया है।

नंबर-3 पर पडिक्कल ने मजबूत की दावेदारी

देवदत्त पडिक्कल इस सीरीज में भारत के सबसे बड़े हासिल के रूप में उभरे। उन्होंने तीन पारियों में 328 रन बनाए और उनका औसत 109.33 रहा। इस दौरान उन्होंने दो शतक भी लगाए और उन्हें सीरीज का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

स्पिन के खिलाफ पडिक्कल की बल्लेबाजी खास तौर पर चर्चा में रही। जहां श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने भारतीय स्पिनरों से निपटने के लिए स्वीप और उसके अलग-अलग रूपों का सहारा लिया, वहीं पडिक्कल ने बैकफुट प्ले और शानदार फुटवर्क को अपना हथियार बनाया।

उनके शुरुआती कोच मोहम्मद नसीरुद्दीन के मुताबिक, सीरीज से पहले पड्डिकल ने स्पिन के खिलाफ इसी पहलू पर काफी काम किया था। उन्होंने कहा, 'अगर आप क्रीज पर टिके रहते हैं तो स्पिनरों के खिलाफ खेलना मुश्किल होता है। इसलिए हम गेंद के जितना करीब हो सके जाने या आगे निकलकर ड्राइव खेलने की ट्रेनिंग कर रहे थे।'

पडिक्कल के इस प्रदर्शन ने नंबर-3 की जगह को लेकर चल रही बहस को काफी हद तक खत्म कर दिया है। साई सुदर्शन के चोट से वापसी करने के बाद भी पड्डिकल इस स्थान के मजबूत दावेदार नजर आ रहे हैं। कप्तान शुभमन गिल ने भी मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर पड्डिकल इसी तरह बल्लेबाजी करते रहे तो उन्हें नंबर-3 पर निश्चित तौर पर मौका दिया जाएगा।

ध्रुव जुरेल ने भी किया प्रभावित

ध्रुव जुरेल ने भी निचले क्रम में भारत को नई रणनीतिक मजबूती दी है। विकेटकीपर-बल्लेबाज जुरेल अब ऋषभ पंत के पीछे नंबर-6 पर विशेषज्ञ बल्लेबाज की भूमिका निभा रहे हैं। जुरेल की सबसे बड़ी खासियत परिस्थितियों के मुताबिक अपना खेल बदलने की क्षमता है। गाले में उन्होंने पड्डिकल के शतक के बाद तेज अर्धशतक लगाया, जबकि एसएससी में पहले आक्रामक अंदाज में पंत का साथ दिया और फिर खुद शतक जड़ दिया।

स्पिन और तेज गेंदबाजी दोनों के खिलाफ उनका आत्मविश्वास भी खास रहा। दूसरे टेस्ट में जुरेल ने स्पिनरों की 101 गेंदों का सामना करते हुए 56 रन बनाए। तेज गेंदबाजों ने उन्हें बाउंसर से

मानव सुथार ने दिखाया भविष्य का रास्ता

युवा बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार ने भी सीरीज में अपनी छाप छोड़ी।गाले में उन्होंने परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाते हुए मैच में 10 विकेट हासिल किए।कोलंबो के एसएससी मैदान पर परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं। यहां पिच धीमी थी और गेंद को ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी। इसके बावजूद सुथार ने करीब 63 ओवर गेंदबाजी कर छह विकेट हासिल किए।

गॉल में जहां वह 80 किलोमीटर प्रति घंटे से कुछ ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे, वहीं एसएससी की धीमी पिच पर उन्हें करीब 10 किलोमीटर प्रति घंटे की अतिरिक्त गति से गेंदबाजी करनी पड़ी ताकि गेंद से कुछ टर्न और पकड़ हासिल की जा सके। भारत के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने सुथार की तारीफ करते हुए कहा कि यह उनके लिए सीखने का अनुभव है। उन्होंने कहा, 'यह मानव का तीसरा टेस्ट है और उसे अलग–अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।वह जानते थे कि बल्लेबाज उन पर हमला करेंगे।वह सीख रहे हैं।हमें उनकी सबसे अच्छी बात उनका जुझारूपन लगता है।वह हमेशा 100 प्रतिशत देते हैं।'

प्रसिद्ध कृष्णा से मिली राहत, सिराज पर सवाल

तेज गेंदबाजी में प्रसिद्ध कृष्णा भारत के लिए सकारात्मक पक्ष रहे।उन्होंने चारों पारियों में लगातार गति और ऊर्जा के साथ गेंदबाजी की।हालांकि उन्हें कई मौकों पर मुख्य तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की कमी भी पूरी करनी पड़ी।

तटबंधों की निगरानी और एनडीआरएफ एसडीआरएफ की तैनाती का दिया गया निर्देश

आपदा प्रबंधन मंत्री ने की पश्चिम चंपारण में तैयारियों की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेतिया। नेपाल में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लो (जीएलओएफ) के कारण नारायणी नदी का जलस्तर बढ़ने और गंडक नदी में संभावित जलवृद्धि को देखते हुए पश्चिम चंपारण में बाढ़ से निपटने की तैयारियों को तेज कर दिया गया है। शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार के मंत्री रत्नेश सदा की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई। इसमें संभावित बाढ़ प्रभावित इलाकों, तटबंधों की सुरक्षा और राहत-बचाव की तैयारियों की समीक्षा की गयी। बैठक में जिलाधिकारी तरनजोत सिंह, अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) अमरेंद्र कुमार, अपर समाहर्ता (लोक शिकायत निवारण) अनिल कुमार सिन्हा समेत बेतिया सदर व नरकटियागंज के अनुमंडल पदाधिकारी तथा जल संसाधन, स्वास्थ्य, पशुपालन, विद्युत और पथ निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों को वाल्मीकिनगर बैराज से छोड़े जाने वाले पानी के डिस्चार्ज और गंडक नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रखने का निर्देश दिया गया। संवेदनशील और अति-संवेदनशील तटबंधों पर बालू की बोरियां, बोल्डर और नायलॉन क्रेट जैसी बाढ़ नियंत्रण सामग्री के साथ जल संसाधन विभाग के अभियंताओं को तैनात रहने को कहा गया है।

प्रभावितों को डीबीटी से मिलेगी सहायता राशि

संभावित प्रभावित परिवारों की सूची को पारदर्शी तरीके से अद्यतन रखने और नियमानुसार जीआर सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजने की तैयारी पूरी रखने को कहा गया। जिला एवं प्रखंड स्तर पर आपातकालीन बाढ़ नियंत्रण कक्ष को 24 घंटे सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पश्चिम चंपारण के प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बाढ़ से निपटने के लिए सभी तैयारियां दुरुस्त रखी गयी हैं। किसी भी पदाधिकारी या कर्मी की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। जन-धन की हानि को शून्य स्तर पर रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

छह प्रखंडों में एनडीआरएफ-एसडीआरएफ हाई अलर्ट

बगहा, पिपरासी, मधुबनी, बैरिया, नौतन और ठकराहा जैसे संभावित बाढ़ प्रभावित प्रखंडों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। टीमों को नाव, लाइफ जैकेट और प्रशिक्षित गोताखोरों के साथ तैयार रहने का निर्देश दिया गया है।

राहत सामग्री और दवाओं का भंडारण

संभावित बाढ़ को देखते हुए चूड़ा, गुड़, ओआरएस, माचिस, पॉलीथिन शीट और शुद्ध पेयजल समेत आवश्यक राहत सामग्री का अग्रिम भंडारण किया गया है। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर सर्पदंश की दवा तथा जलजनित बीमारियों की दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने को कहा गया है।

शरण स्थलों व सामुदायिक रसोई को तैयार रखने का निर्देश

निचले और दियारा क्षेत्रों से लोगों के विस्थापन की स्थिति में चिह्नित उच्च प्राथमिक विद्यालयों और बाढ़ शरण स्थलों को तत्काल उपयोग के लिए तैयार रखने को कहा गया है। जरूरत पड़ने पर सामुदायिक रसोई शुरू कर प्रभावित परिवारों को भोजन उपलब्ध कराया जायेगा। पशुओं के लिए ऊंचे स्थानों पर राहत शिविर, चारा और टीकाकरण की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया गया।

जनसुनवाई में 20 से अधिक मामलों की सुनवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दरभंगा। बिहार सरकार के निश्चय पार्ट 3 सबका सम्मान, जीवन आसान' कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को समाहरणालय स्थित जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में जिलाधिकारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में जन-सुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए परिवादियों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुना तथा कई मामलों में स्वयं दूरभाष के माध्यम से संबंधित पदाधिकारियों से संपर्क कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन-सुनवाई कार्यक्रम का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि लोगों को प्रशासनिक सेवाओं का लाभ सहजता से प्राप्त हो सके। आयोजित जन-सुनवाई में 20 से अधिक नागरिकों ने अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। सभी आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी द्वारा कई मामलों का समाधान दूरभाष के माध्यम से तत्काल कराने का निर्देश दिया गया, जबकि शेष मामलों में शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जन-सुनवाई में प्राप्त आवेदनों में भूमि विवाद, जमाबंदी, राईस मिल, आवास योजना सहित विभिन्न जनहित से जुड़े विषय प्रमुख रूप से शामिल रहे।

जेएनवी की तैयारी के लिए 10 सितंबर तक होगा रजिस्ट्रेशन

भगवानपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थी को जिला प्रशासन और ओपन लिंक्स फाउंडेशन विनोबा के संयुक्त तत्वावधान में ओएमआर आधारित प्रैक्टिस टेस्ट का आयोजन किया जाएगा।इसको लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने जिले के सभी प्राथमिक/मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को निर्देश जारी किया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को परीक्षा के प्रारूप, ओएमआर शीट के प्रयोग और समयबद्ध अभ्यास से परिचित कराना है, जिससे वे चयन परीक्षा की बेहतर तैयारी कर सकें।अपने विद्यालय से आवेदन कर चुके सभी विद्यार्थियों का विनोवा एप्प पर 10 सितंबर तक अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराना है।सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को प्रधानाध्यापक द्वारा आवश्यक मार्गदर्शन देना है। पंजीकरण की प्रक्रिया में विनोवा एप्प लॉगिन कर फॉर्म्स पर क्लिक करना होगा। उसके बाद एस्क्रोल कर जे एनवी फॉर्म चुनना होगा। विद्यार्थियों की जानकारी भरकर पंजीकरण पूर्ण किया जाएगा।

डीसी ने की जल जीवन मिशन की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन 2.0 के तहत जिले में संचालित योजनाओं की प्रगति, पेयजल स्रोतों की स्थिरता एवं जल सुरक्षा तथा ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव की विस्तृत समीक्षा की गई। पेयजल स्रोतों को दीर्घकालिक रूप से सुरक्षित एवं सतत बनाए रखने के लिए स्रोतों की स्थिति का निरंतर आकलन, संभावित जोखिमों की पहचान, क्षेत्र सत्यापन, शमन योजना तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। डीसी ने निर्देश दिया कि पेयजल स्रोतों की स्थिरता को वर्तमान जरूरतों तक सीमित न रखते हुए भविष्य की पेयजल आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर प्रभावी जल सुरक्षा योजना तैयार की जाए। संबंधित विभाग आपसी समन्वय से जल स्रोतों के संरक्षण, जोखिम न्यूनीकरण एवं निरंतर निगरानी की कार्रवाई सुनिश्चित करें। ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव को प्रभावी बनाने के लिए योजना स्तर पर परिसंपत्तियों की सूची एवं उनकी स्थिति का नियमित आकलन, निवारक रखरखाव कैलेंडर, आवश्यक स्पेयर की उपलब्धता तथा प्रमुख मरम्मत एवं प्रतिस्थापन की पूर्व योजना सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की गई। उपायुक्त ने पेयजल योजनाओं की नियमित निगरानी एवं निरीक्षण सुनिश्चित करते हुए उनकी कार्यक्षमता बनाए रखने के निर्देश दिए। बैठक में जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत हर घर जल प्रमाणन, प्रमाणित डेटा प्रविष्टि, योजनाओं को समय पर पूर्ण करने, वित्तीय रूप से पूर्ण योजनाओं को बंद करने तथा पूर्ण योजनाओं के जल अर्पण सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। 75 प्रतिशत से अधिक वित्तीय प्रगति वाली योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा जिला तकनीकी इकाई के सक्रियण एवं क्षमता निर्माण, जिला पदाधिकारियों, एवं जलसहियाओं की क्षमता वृद्धि तथा जल गुणवत्ता परीक्षण एवं निगरानी को प्रभावी बनाने पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त श्री शेखावत ने संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने तथा योजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं सतत पेयजल सेवा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसके लिए पेयजल स्रोतों की स्थिरता, जल सुरक्षा तथा योजनाओं के प्रभावी संचालन एवं रखरखाव पर निरंतर ध्यान दिया जाए। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता, शिक्षा एवं जेएसएलपीएस के प्रतिनिधि, एवं जिला जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

तालाब के जीर्णोद्धार की जरूरत

औरंगाबाद (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिले के मदनपुर प्रखंड के रेगनिया गांव के समीप एक प्राचीन तालाब है। यहां तक कि पंचायत के मुखिया द्बारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाट का निर्माण कराया गया है। साथ ही जल संरक्षण का प्रयास जारी है परंतु तालाब की गहराई कम होने के कारण गर्मियों में पानी सूख जाता है। अभी बारिश के मौसम में पानी तो रहता है परंतु सफाई की कमी के कारण तालाब में कई प्रकार के पौधा उग आए हैं। ग्रामीण विकास सिंह ने बताया कि तालाब का जीर्णोद्बार करने की जरूरत है। अगर तालाब की गहराई हो जाती है तो जल संचय में काफी हद तक सहूलयित होगी। वहीं तालाब की उचित देखरेख नहीं होने के कारण पशु-पक्षियों को भी पानी नहीं मिल पाता है। ग्रामीणों का मानना है कि जबतक तालाब की उड़ाही नहीं होगी तबतक उसकी गहराई नहीं बढ़ेगी।

राजस्व कार्यों में लापरवाही पर डीएम ने की कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुजफ्फरपुर। जिलाधिकारी, मुजफ्फरपुर ने राजस्व अधिकारी, बोचहां अंचल जितेन्द्र कुमार महतो के विरुद्ध राजस्व कार्यों में घोर लापरवाही एवं अनियमितता तथा उनकी कार्यशैली के कारण आम जनता में व्याप्त असंतोष का संज्ञान लेते हुए सख्त कार्रवाई की है। श्री महतो के कार्यकाल में किए गए दाखिल-खारिज एवं राजस्व से संबंधित अन्य कार्यों की सम्यक जांच तथा समीक्षा के लिए जिलाधिकारी द्वारा त्रि-सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया है। साथ ही दाखिल-खारिज के एक वाद में आपत्ति तथा न्यायालय में मामला लंबित रहने के बावजूद स्वीकृति देने के आरोप में राजस्व अधिकारी से स्पष्टीकरण करते हुए उनका वेतन तत्काल प्रभाव से स्थगित रखा गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता, लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि राजस्व अधिकारी का स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं रहा तो उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक एवं विभागीय कार्रवाई प्रारंभ करने हेतु विभाग को प्रतिवेदित किया जाएगा। दरअसल दिनांक 25.08.2026 को अपर समाहर्ता, मुजफ्फरपुर द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान बोचहां अंचल के राजस्व अधिकारी जितेन्द्र कुमार महतो के विरुद्ध जन-प्रतिनिधियों एवं आम जनता द्वारा दाखिल-खारिज एवं अन्य राजस्व कार्यों में अनियमितता से संबंधित गंभीर शिकायत की गई थी। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायत की गंभीरता एवं आम जनता में व्याप्त असंतोष को देखते हुए राजस्व अधिकारी श्री जितेन्द्र कुमार महतो के कार्यकाल में किए गए दाखिल-खारिज एवं अन्य राजस्व से संबंधित कार्यों की जांच/समीक्षा के लिए तीन सदस्यीय जांच दल का गठन किया गया है। बोचहां के अंचल अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे अपने स्तर से संबंधित जांच दल को आवश्यक सहयोग प्रदान करें। जिलाधिकारी ने जांच दल को निर्देश दिया है कि मामले की जांच/समीक्षा कर एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रतिवेदन के आलोक में अग्रतर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि झपहां मौजा में 15 डिसमिल रकबा वाली जमीन के दाखिल-खारिज के मामले में एक व्यक्ति द्वारा ऑनलाइन आपत्ति दर्ज कराई गई थी। मामला न्यायालय में भी लंबित है। इस सबके बावजूद राजस्व अधिकारी ने इस दाखिल-खारिज वाद को स्वीकृति प्रदान कर दी। यह खेदजनक है। जब संबंधित दाखिल-खारिज मामले में ऑनलाइन आपत्ति दर्ज थी तथा भूमि से संबंधित वाद न्यायालय में लंबित था, तब भी दाखिल-खारिज वाद में स्वीकृति किस आधार पर दी गई इसके लिए राजस्व अधिकारी को अपना पक्ष रखने के लिए स्पष्टीकरण किया गया है।

संस्कृत विश्व की प्राचीन, समृद्ध एवं मधुर भाषाओं में प्रमुख है : प्रो0 झा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग के तत्वावधान में श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकान्त झा ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान, दर्शन, साहित्य और संस्कृति की समृद्ध परंपरा की संवाहक है। संस्कृत साहित्य में जीवन के विभिन्न पक्षों से जुड़े मूल्यवान विचार एवं ज्ञान का विशाल भंडार उपलब्ध है। पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. हृषिकेश झा ने कहा कि आधुनिक समय में संस्कृत ज्ञान की प्रासंगिकता काफी बढ़ गई है। इंटरनेट एवं कंप्यूटर आदि माध्यमों के जरिए संस्कृत का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जा सकता है। प्रो. दयानाथ झा ने कहा कि प्राचीन काल में संस्कृत लोकभाषा के रूप में प्रसिद्ध थी। इसमें संस्कार और संस्कृति दोनों विद्यमान हैं। यह परिष्कृत एवं शुद्ध भाषा है। डॉ. आर.एन. चौरसिया ने कहा कि संस्कृत ज्ञान-विज्ञान से समृद्ध एक पवित्र भाषा है, जिसे भारत की आत्मा कहा जाता है। यह हमारी सांस्कृतिक परंपरा एवं मानवीय मूल्यों की आधारशिला है। संस्कृत केवल पूजा-पाठ अथवा मंत्रों की भाषा नहीं, बल्कि ज्ञान-विज्ञान और तर्कशास्त्र का अक्षय स्रोत भी है। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। कुमकुम कुमारी ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन जिग्नेश कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन भी उन्होंने किया। अतिथियों का स्वागत पाग, चादर एवं मोमेंटो प्रदान कर किया गया। इस अवसर पर संस्कृत भाषा में निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में कुमकुम कुमारी ने प्रथम, मुस्कान कुमारी ने द्वितीय और रूपेश कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं निबंध प्रतियोगिता में कुमकुम कुमारी प्रथम, रूपेश कुमार द्वितीय और दयानंद कुमार तृतीय स्थान पर रहे। दोनों प्रतियोगिताओं में क्रमशः शंकर कुमार एवं खुशबू कुमारी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

पूर्व एपीपी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

औरंगाबाद (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। दिवंगत वरीय अधिवक्ता पूर्व एपीपी पचास वर्ष से अधिक सफल वकालत करने वाले नागेश्वर प्रसाद सिंह की प्रथम पुण्यतिथि जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के केन्द्रीय कक्ष में मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासचिव जगनरायण सिंह एवं संचालन अनिल कुमार सिंह ने किया। सर्वप्रथम उनके तेल चित्र पर माल्यार्पण कर उनके बहुमुखी व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर पूर्व जीपी बैजनाथ प्रसाद कर्ण, पूर्व सचिव नागेन्द्र सिंह, सत्येन्द्र नारायण सिंह, विजय कुमार सिंह, लखन देव प्रसाद सिंह, अणील शेखर, रामाशीष यादव, महेश प्रसाद सिंह, जितेन्द्र कुमार सिंह, गजेन्द्र पाठक, पप्पू उर्फ प्रवीण, शुशील प्रसाद, चंद्रेश तिवारी, मेराज खां आदि थे।

कोइलवर के कस्तूरबा गांधी विद्यालय में पुलिस और छात्राओं ने मिलकर मनाया रक्षाबंधन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोइलवर (भोजपुर)। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर कोइलवर थाना क्षेत्र अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में भाई-बहन के रिश्ते का अनोखा नजारा देखने को मिला। यहां भोजपुर सदर एसडीपीओ टू रंजीत कुमार सिंह, कोइलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र, दरोगा जितेन्द्र कुमार और सुबास मंडल सहित अन्य पुलिसकर्मी छात्राओं के बीच पहुंचे। पुलिस अधिकारियों और जवानों ने विद्यालय में रह रही सैकड़ों बालिकाओं से राखी बंधवाई। इस दौरान विद्यालय की प्रिंसिपल, शिक्षक और सभी छात्राएं मौजूद रहीं। छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों को राखी बांधकर उनकी लंबी उम्र और सुरक्षा की कामना की। वहीं पुलिस अधिकारियों ने सभी बच्चियों को उपहार देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। एसडीपीओ रंजीत कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस सिर्फ कानून व्यवस्था ही नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग के साथ त्योहारों को मिलजुल कर मनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बेटियों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। थानाध्यक्ष नरोत्तम चंद्र ने कहा कि इस तरह के आयोजन से पुलिस और आम जनता के बीच आपसी विश्वास और मजबूत होता है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक साथ मिठाई खाकर रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

जन समाधान दिवस अगले आदेश तक स्थगित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू जिले के सभी प्रखंडों एवं अंचलों में आमजनों की समस्याओं के स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान के उद्देश्य से प्रत्येक शनिवार को आयोजित किए जा रहे जन समाधान दिवस को वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर अस्थायी रूप से स्थगित किया गया है। वर्तमान में जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य संचालित है। इसके तहत दावा एवं आपत्ति से संबंधित मामलों की सुनवाई तथा नोटिस से संबंधित कार्रवाई निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जा रही है। इस महत्वपूर्ण कार्य में प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी व्यस्त हैं। ऐसे में एसआईआर कार्य को प्राथमिकता देते हुए प्रखंड एवं अंचल स्तर पर प्रत्येक शनिवार को आयोजित होने वाले जन समाधान दिवस को एसआईआर कार्य पूर्ण होने तक स्थगित किया गया है। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत द्वारा आमजनों से अपील की गई है कि इस अवधि में शनिवार को आयोजित होने वाले जन समाधान दिवस के लिए प्रखंड/अंचल कार्यालय आने से बचें, ताकि उन्हें अनावश्यक रूप से समय एवं संसाधन खर्च कर कार्यालय आने की परेशानी न हो।उन्होंने बताया कि दिनांक 19 अक्टूबर को एसआईआर कार्य पूर्ण होने के पश्चात पूर्व की भांति प्रत्येक शनिवार को सभी प्रखंडों एवं अंचलों में जन समाधान दिवस का आयोजन पुनः किया जाएगा।

ड्रग इंस्पेक्टरों को दवा दुकानों की जांच करने का डीएम ने दिया निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बेगूसराय। मादक पदार्थों के अवैध कारोबार, तस्करी एवं सेवन पर प्रभावी नियंत्रण तथा नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा हेतु जिला पदाधिकारी, बेगूसराय रिची पांडेय की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला स्तरीय एनकॉर्ड की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक, बेगूसराय श्री मनीष, अपर समाहर्ता, नगर आयुक्त, नगर निगम, सिविल सर्जन, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान जिले में मादक पदार्थों के विरुद्ध संचालित अभियान एवं की गई कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की गई। जुलाई में कुल 06 कांड दर्ज किए गए तथा 10 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इस दौरान 734 ग्राम गांजा, 966.73 ग्राम स्मैक तथा 256.2 लीटर प्रतिबंधित/अवैध कफ सिरप जब्त किया गया। समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी रिची पांडेय ने मादक पदार्थों के नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सभी संबंधित सुरक्षा एवं प्रवर्तन एजेंसियों के बीच त्वरित एवं प्रभावी आसूचना का आदान-प्रदान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिले में अफीम एवं गांजा की संभावित अवैध खेती वाले क्षेत्रों की नियमित मैपिंग कर अवैध खेती का त्वरित विनष्टीकरण सुनिश्चित करने तथा ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों के किसानों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए वैकल्पिक विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। जिला पदाधिकारी ने लंबित कांडों के अनुसंधान एवं न्यायालय में विचारण की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा दोषियों को विधिसम्मत कड़ी सजा दिलाने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही अंतर्राज्यीय मामलों की गहन जांच एवं संबंधित एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने को कहा। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों, विशेषकर स्कूल एवं कॉलेजों में कानूनी प्रावधानों तथा नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के संबंध में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त जिले में संचालित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों का नियमित पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने तथा मादक पदार्थों की त्वरित पहचान के लिए आवश्यक आधुनिक जांच उपकरणों की उपलब्धता का आकलन कर अधियाचना समर्पित करने को कहा। जिला पदाधिकारी ने सभी ड्रग इंस्पेक्टरों को जिले की सभी दवा दुकानों की नियमित रूप से जांच करने का निर्देश दिया।

पुलिस दीदी टीम ने चलाया जागरूकता अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

ओबरा। ओबरा थाना अंतर्गत पुलिस दीदी टीम के पदाधिकारी एवं महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील व संदिग्ध स्थलों का भ्रमण करते हुए संघन जांच अभियान तथा निगरानी की गई। पुलिस दीदी टिम द्वारा देवी स्थान छठ घाट जाने वाले रास्ते, बेल मोड़, ओबरा हाइस्कूल, कन्या उच्च विद्यालय कारा, कारा मोड समेत अन्य महत्वपूर्ण स्थलों पर भ्रमणशील रहकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों की जांच की गई तथा महिलाओं व छात्र-छात्राओं से संवाद स्थापित कर उनकी सुरक्षा के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। इस दौरान महिलाओं एवं छात्र-छात्राओं को महिला संबंधित अपराधों की रोकथाम, साइबर फ्रॉड से बचाव एवं साइबर अपराध के प्रति सतर्कता तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने के संबंध में जागरूक किया गया। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार पुलिस दीदी टिम द्वारा छात्राओं एवं महिलाओं को यह भी बताया कि किसी भी प्रकार की समस्या छेड़छाड़ उत्पीड़न साइबर ठगी अथवा अन्य अपराधी घटना की स्थिति में बिना किसी भय से पुलिस से संपर्क करें। आगे भी पुलिस दीदी टिम ओबरा थाना द्वारा प्रत्येक दिन संवेदनशील एवं संदिग्ध स्थलों, स्कूल, कॉलेजों एवं छात्राएं के आवास के आसपास आने जाने वाले मार्गो पर नियमित रुप से भ्रमणशील रहकर सतत निगरानी की जाएगी ताकि महिलाएं एवं छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

संक्षिप्त समाचार

एसएसपी की पहल स्कूल को मिले बर्तन और मोटर पंप

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले के वरीय पदाधिकारियों को राखी बांधने के लिए उपायुक्त कार्यालय में जिले के 25 विद्यालयों की छात्राएं पहुंची थीं। इनमें उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बोर्रागढ़, झरिया की छात्राएं भी शामिल थीं। इस दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बच्चियों से खुला संवाद किया। बातचीत में बोर्रागढ़ मध्य विद्यालय की छात्राओं ने बताया कि उनके विद्यालय के रसोईघर का ताला तोड़कर बर्तन और मोटर पंप की चोरी कर ली गई है, जिससे मध्याह्न भोजन (मिड-डे मील) बनाने में परेशानी हो रही है। बच्चियों की समस्या सुनते ही एसएसपी प्रभात कुमार ने तत्काल स्थानीय थाना को फोन कर कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों का मिड-डे मील बाधित न हो, इसलिए आवश्यक बर्तन और मोटर की तत्काल व्यवस्था कराई जाए। इसी निर्देश के आलोक में आज स्थानीय थाना द्वारा विद्यालय में बर्तन और मोटर पंप उपलब्ध करा दिया गया। इस संवेदनशील पहल के लिए विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका और बच्चों ने एसएसपी और थाना पुलिस के प्रति आभार जताया।

रंगलीटांड तालाब में डूबने से तीन बच्चों की मौत

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तोपचांची थाना क्षेत्र के रंगलीटांड में तालाब में नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। मृतकों में दो लड़कियां और एक लड़का शामिल हैं। मृतकों की पहचान रलझल, कुंदरो और आभा के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, तीनों बच्चे शुक्रवार को तालाब में नहाने गए थे। बताया जा रहा है कि यह तालाब उनके लिए परिचित था और वे अक्सर वहां नहाने जाते थे। नहाने के दौरान एक बच्चा अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने की कोशिश में उसके दोनों साथी भी गहराई में चले गए और देखते ही देखते तीनों पानी में समा गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों बच्चों को तालाब से बाहर निकालकर शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।

छात्राओं ने पेड़ों को राखी बांधकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

गोविंदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर ग्लोबल स्कूल ऑफ इंडिया,में छात्राओं ने पेड़ों को राखी बांधकर पर्यावरण संरक्षण का एक अनूठा और सराहनीय संदेश दिया है। छात्राओं ने पेड़ों को तिलक लगाया और उन्हें अपना रक्षक व भाई मानकर रक्षा सूत्र (राखी) बांधा।स्कूल में आयोजित इस खास अभियान "वृक्षाबंधन" प्रकृति की रक्षा का संकल्पः छात्राओं ने स्कूल परिसर में पेड़ों को राखी बांधी। उन्होंने प्रतिज्ञा ली कि वे न केवल नए पौधे लगाएंगे, बल्कि बड़े होने तक उनकी नियमित देखभाल भी करेंगे।विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती चांदनी त्रिगुणायत ने बच्चों को हमारे जीवन में पेड़ों की अहमियत बताते हुए छात्राओं की इस पहल की सराहना की।निदेशक डॉ खालिद ने कहा कि सही मायने में पेड़ ही हमारे सबसे बड़े रक्षक हैं और इन्हें सहेज कर रखना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है ।

चार शारीरिक शिक्षकों को मिलेगा क्रिकेट का प्रशिक्षण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले के चार शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को क्रिकेट प्रशिक्षक का प्रशिक्षण रांची में मिलेगा। 29 अगस्त से एक सितंबर तक जेसीईआरटी रांची में क्रिकेट प्रशिक्षक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। धनबाद के अंजलि कुमारी, दीपांकर बरारी, सिद्धू कुमारी व नीतीश सिंह का चयन कर रांची शिविर में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

पेयजल स्त्रोतों की स्थिरता और ग्रामीण जलापूर्ति पर होगी चर्चाः डीसी

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जल जीवन मिशन के तहत एक-दो सितंबर को नई दिल्ली में होनेवाले विभागीय सम्मेलन की तैयारी को लेकर समाहरणालय में जिलास्तरीय परामर्श बैठक हुई। अध्यक्षता डीसी आदित्य रंजन ने की। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में पेयजल स्त्रोतों की स्थिरता और ग्रामीण जलापूर्ति के रखरखाव पर चर्चा होगी। पीएचईडी यांत्रिक प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता मयंक भगत ने बताया कि मल्टी विलेज स्कीम में रखरखाव के अभाव में योजनाएं बंद हो रही हैं। उन्होंने संचालन विभागीय स्तर से करने और वितरण व राजस्व वसूली ग्राम जल स्वच्छता समिति को देने का सुझाव दिया। साथ ही कहा कि जिले में ट्यूबवेल का हिस्ट्री कार्ड नहीं है, इसे बनाना जरूरी है।

514 बेटिकट यात्रियों से साढ़े चार लाख रुपए जुर्माना वसूली

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद मंडल में गुरुवार को वृहद पैमाने पर स्टेशन और ट्रेनों में टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। मेगा टिकट चेकिंग अभियान में 514 यात्रियों को बिना टिकट के यात्रा करते पकड़ा गया। इनमें बिना बुक किए गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्री भी शामिल थे। यात्रियों से चार लाख 40 हजार 577 रुपए की वसूली की गई।

भाजपा महिला मोर्चा ने सांसद मनीष जायसवाल को बांधी राखी

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रक्षाबंधन के अवसर पर शुक्रवार को भाजपा महिला मोर्चा, हजारीबाग की बहनों ने सांसद सेवा कार्यालय परिसर में सांसद मनीष जायसवाल की कलाई पर राखी बांधकर भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व मनाया। महिला मोर्चा की सदस्यों ने पारंपरिक रीति-रिवाज से तिलक और आरती कर रक्षासूत्र बांधा तथा सांसद का मुंह मीठा कराया। उन्होंने सांसद के सुखद, स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए यश और कीर्ति में वृद्धि की प्रार्थना की। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने महिला मोर्चा की बहनों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि बहनें अनमोल होती हैं। उन्होंने कहा कि वे आजीवन बहनों की सुरक्षा और सम्मान का संकल्प लेते हैं।

रक्षाबंधन पर ब्रह्मकुमारी बहनों ने उपायुक्त को बांधा रक्षासूत्र

जिलेवासियों की सुख, शांति, सुरक्षा एवं समृद्धि के लिए की मंगलकामना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर शुक्रवार को ब्रह्माकुमारी बहनों ने उपायुक्त अजय नाथ झा को रक्षासूत्र बांधकर जिलेवासियों की सुख, शांति, सुरक्षा एवं समृद्धि के लिए मंगलकामनाएं कीं। इस अवसर पर उपायुक्त की धर्मपत्नी डॉ. प्रतिमा झा भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व नहीं, बल्कि समाज में सुरक्षा, सम्मान, सौहार्द एवं परस्पर सहयोग की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। उन्होंने ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा जिलेवासियों के लिए की गई मंगलकामनाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

अधिकारियों एवं कर्मियों के लिए ध्यान सत्र की पहल

कार्यस्थल पर सकारात्मकता, एकाग्रता एवं मानसिक संतुलन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ब्रह्माकुमारी केंद्र में जिले के सभी अधिकारियों एवं कर्मियों के लिए ध्यान सत्र आयोजित करने की पहल की गई। इसका उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक दृष्टिकोण तथा कार्यक्षमता को और सुदृढ़ करना है। उपायुक्त ने कहा कि प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारियों के बीच मानसिक शांति एवं संतुलन अत्यंत महत्वपूर्ण है। ध्यान एवं सकारात्मक चिंतन से कार्य के प्रति एकाग्रता बढ़ाने, तनाव कम करने तथा बेहतर कार्य वातावरण विकसित करने में सहायता मिल सकती है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं सकारात्मक मन से ही जनसेवा को और अधिक संवेदनशील एवं प्रभावी बनाया जा सकता है। रक्षाबंधन का यह पावन पर्व जिले में शांति, सुरक्षा, समृद्धि, सद्भाव एवं जनकल्याण की भावना को और मजबूत करे, यही कामना है।

कोटपा के अनुपालन को लेकर चार थाना क्षेत्रों में छापेमारी, 14 उल्लंघनकर्ताओं से जुर्माना वसूला

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डीसी - एसपी के निदेर्शानुसार सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 (कोटपा-2003) के प्रभावी अनुपालन एवं तंबाकू उत्पादों की अवैध बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिले के चास, नावाडीह, जागेश्वर बिहार एवं माराफारी थाना क्षेत्रों में जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न दुकानों एवं प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर तंबाकू उत्पादों की बिक्री तथा कोटपा-2003 के प्रावधानों के अनुपालन की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले 14 दुकानदारों/प्रतिष्ठानों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई करते हुए कुल 4,300 का अर्थदंड वसूला गया। अभियान के दौरान दुकानदारों को खुली सिगरेट की बिक्री नहीं करने तथा सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री से संबंधित सभी वैधानिक प्रावधानों का पालन करने का निर्देश दिया गया। निर्धारित स्वास्थ्य चेतावनी एवं चेतावनी चित्र के बिना तंबाकू उत्पादों की बिक्री को कोटपा-2003 की धारा 7 के प्रावधानों का उल्लंघन बताते हुए नियमानुसार कार्रवाई की चेतावनी दी गई। प्रशासन ने दुकानदारों एवं प्रतिष्ठान संचालकों से कोटपा-2003 के सभी प्रावधानों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की है।

बोकारो स्टील सिटी में आवासीय ब्लॉक का हिस्सा ढहा, कोई हताहत नहीं

बीएसएल ने असुरक्षित आवास खाली करने की अपील की

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर-12ई में शुक्रवार पूर्वाह्न एक आवासीय ब्लॉक का एक हिस्सा ढह गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बीएसएल प्रबंधन ने घटना को गंभीरता से लेते हुए असुरक्षित घोषित किए गए आवासीय ब्लॉकों में रह रहे लोगों से तत्काल सुरक्षित आवास में स्थानांतरित होने की अपील की है। बीएसएल प्रबंधन के अनुसार, सेक्टर-12 और सेक्टर-6 के कुछ आवासों में पहले भी अचानक हिस्से ढहने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। आवासधारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एनबीसीसी के माध्यम से एनआईटी पटना के विशेषज्ञों से प्रभावित आवासीय ब्लॉकों का चरणबद्ध स्ट्रक्चरल ऑडिट कराया गया। प्रथम चरण के निरीक्षण के बाद 169 आवासीय ब्लॉकों को ह्यनिवास हेतु असुरक्षितह्ल घोषित किया जा चुका है। प्रबंधन के मुताबिक, इन ब्लॉकों में रहने वाले आवासधारियों को सुरक्षित क्वार्टरों में स्थानांतरित करने के लिए कई बार नोटिस, सार्वजनिक सूचना और व्यक्तिगत लीगल नोटिस जारी किए गए हैं। एनआईटी पटना के विशेषज्ञों के साथ प्रभावित लोगों का जन-संवाद भी कराया गया। सेक्टर-12ई के प्रभावित ब्लॉक में तीन क्वार्टर खाली थे, जबकि तीन में लाइसेंसधारी रह रहे थे। जुलाई 2026 में इसी ब्लॉक की सीढ़ी गिरने के बाद इसे असुरक्षित घोषित किया गया था। तीनों लाइसेंसधारियों को वैकल्पिक आवास की सुविधा दी गई। इनमें से एक ने हाल में आवास खाली कर दिया, जबकि दो अभी भी वहां रह रहे थे। बीएसएल ने कहा है कि प्रभावित लोगों की शिफ्टिंग के लिए विशेष सहायता कार्यदल बनाया जाएगा और हरसंभव सहयोग दिया जाएगा।

क्वार्टर के अचानक जमींदोज होने की घटना पर उपायुक्त ने लिया संज्ञान, जांच का निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-12 ई स्थित क्वार्टर संख्या 1290 के शुक्रवार सुबह अचानक जमींदोज होने की घटना को उपायुक्त अजय नाथ झा ने गंभीरता से लिया है। उपायुक्त ने रक्षा बंधन के पब्लिक अपीयरेंस के कार्यक्रमों को रद्द करते हुए इस घटना की परिस्थितियों एवं कारणों की विस्तृत जांच के लिए अनुमंडल पदाधिकारी, चास श्रीमती प्रांजल ढांडा को जांच पदाधिकारी नामित किया है। उपायुक्त ने एसडीओ चास को निर्देश दिया है कि वे घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच करें। जांच के क्रम में क्वार्टर की स्थिति, घटना के संभावित कारण, आसपास की परिस्थितियों तथा संबंधित अन्य बिंदुओं की जानकारी प्राप्त करने का निर्देश दिया है। उपायुक्त ने 72 घंटे के अंदर विस्तृत जांच प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया है, ताकि जांच के निष्कर्ष के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

जैनामोड़ एकलव्य प्रभात शाखा में आरएसएस ने श्रद्धापूर्वक मनाया रक्षाबंधन उत्सव

जैनामोड़/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जैनामोड़ स्थित एकलव्य प्रभात शाखा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से रक्षाबंधन उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने भगवा ध्वज को राखी बांधकर विधिवत रूप से रक्षाबंधन उत्सव मनाया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने भगवा ध्वज को राष्ट्र, संस्कृति और संगठन के आदर्शों का प्रतीक मानते हुए उसके प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

वक्ताओं ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे, समरसता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करने वाला अवसर भी है। वक्ताओं ने कहा कि समाज में आपसी विश्वास और सहयोग की भावना को मजबूत करने में ऐसे पर्वों की महत्वपूर्ण भूमिका है। रक्षाबंधन हमें एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी और सुरक्षा का भाव रखने का संदेश देता है। कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने सामाजिक समरसता और राष्ट्र सेवा के संकल्प को दोहराया। रक्षाबंधन उत्सव के दौरान शाखा का वातावरण उत्साहपूर्ण रहा। स्वयंसेवकों ने भगवा ध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए संघ के आदर्शों और राष्ट्रहित में कार्य करने की भावना व्यक्त की। कार्यक्रम में अर्जुन सिंह, सुरेश प्रसाद, दिनेश बरनवाल, मनोज सिंह, दीपक सिंह, विनोद कुमार, शिवनाथ रजवार, राजकुमार पासवान, मुन्ना बाबू, हुबलाल दास, गोविंद महतो, वकील कुमार, सीता राम बरनवाल, रुद्र कुमार, आदित्य कुमार, शेखर कुमार एवं विजय बरनवाल सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

राष्ट्र सेविका समिति ने पुलिस जवानों को बांधा रक्षा सूत्र, लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की कामना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बोकारो में राष्ट्र सेविका समिति की बहनों ने पुलिस एवं सुरक्षा बलों के जवानों के साथ रक्षा बंधन का उत्सव मनाया। बोकारो महानगर राष्ट्र सेविका समिति की बहनों ने शहर के विभिन्न पुलिस एवं सुरक्षा प्रतिष्ठानों में पहुंचकर समाज की सुरक्षा में दिन-रात जुटे जवानों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनके लंबे एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। इस अवसर पर बहनों ने कहा कि पुलिस और सुरक्षा बल समाज की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। ऐसे में रक्षाबंधन पर उन्हें राखी बांधना सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। कार्यक्रम के दौरान माहौल भाई-बहन के स्नेह से सराबोर रहा। समिति की सीमा सिंह ने बताया कि यह राष्ट्र सेविका समिति का वार्षिक उत्सव है, जिसे प्रत्येक वर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि समिति की बहनें उन लोगों को रक्षा सूत्र बांधती हैं, जो किसी न किसी रूप में समाज और देश की सुरक्षा में अपना योगदान दे रहे हैं। राष्ट्र सेविका समिति की बहनों ने बोकारो क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक शलेन्द्र कुमार सिन्हा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा, हेडक्वार्टर डीएसपी पवन कुमार, सिटी डीएसपी राजीव रंजन, रेलवे सुरक्षा बल के ओसी संतोष कुमार सहित पुलिस लाइन, जैप-4, सीआरपीएफ एवं पूर्व सैनिक सेवा परिषद से जुड़े जवानों को राखी बांधी। इसके अलावा सिटी थाना, सेक्टर-4 थाना और बालीडीह थाना के प्रभारियों को भी रक्षा सूत्र बांधा गया। कार्यक्रम में सीमा सिंह, पूनम, राखी, पम्मी, रागिनी, संजू, प्राची, ईशा, आईशा, आंशिक, सौम्या, रानी और अनुष्का सहित समिति की अन्य सदस्य मौजूद रहीं।

बेरमो अनुमंडल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन का त्यौहार

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेरमो अनुमंडल क्षेत्र में भाई-बहन के पवित्र प्रेम और अटूट स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन का त्यौहार पूरे धूमधाम, हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही पूरे अनुमंडल क्षेत्र में त्यौहार को लेकर एक अलग ही उत्साह और रौनक देखने को मिली। त्यौहार को लेकर बहनों में खासा उत्साह देखा गया। प्रातः काल से ही स्नान-ध्यान के बाद बहनों ने पूजा की थाली सजाई, जिसमें रेशमी राखियाँ, रोली, चंदन, अक्षत और मिठाइयाँ शामिल थीं। शुभ मुहूर्त में बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी कलाई पर रक्षासूत्र बाँधा और आरती उतारकर उनकी लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं, भाइयों ने भी अपनी बहनों को रक्षा का वचन देते हुए उन्हें मनपसंद उपहार और स्नेह भेंट किया।

बाजारों में रही रौनक और चहल-पहल

रक्षाबंधन को लेकर अनुमंडल क्षेत्र के मुख्य बाजारों, बस स्टैंड और आसपास की दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही पारंपरिक मिठाइयों की बिक्री जोरों पर रही। बाजारों में बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर वाली राखियों से लेकर बड़ों के लिए डिजाइनर और रेशमी धागों की राखियों की खूब मांग देखी गई। दूर-दराज रहने वाले भाई-बहन भी इस खास मौके पर एक-दूसरे के घर पहुँचे। बसों और वाहनों में दिनभर यात्रियों की काफी आवाजाही बनी रही, जिससे पूरा क्षेत्र उत्सव के माहौल में सराबोर रहा।

आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश

अनुमंडल के विभिन्न गाँवों में सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी रक्षाबंधन का पर्व भाईचारे और शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया। बुजुर्गों ने बच्चों को रक्षाबंधन के पौराणिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में बताया और समाज में आपसी प्रेम बनाए रखने की सीख दी।

डीवीसी प्रशिक्षण संस्थान में ई-प्रोक्योरमेंट व अनुबंध प्रबंधन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम

चंद्रपुरा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डीवीसी प्रशिक्षण संस्थान, चंद्रपुरा में डीवीसी में ई-प्रोक्योरमेंट एवं अनुबंध प्रबंधन विषय पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम आगामी सतर्कता जागरूकता सप्ताह -2026 के पूर्व आयोजित किए जा रहे तीन माह लंबे अभियान के तहत हुआ। यह अभियान 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक चलेगा। कार्यक्रम में डीवीसी मुख्यालय के पी पी जी के वरिष्ठ प्रबंधक (ई) समीर मंडल तथा ओ एस एफ (ई) एवं सी एच पी (ई) के वरिष्ठ प्रबंधक (ई) अभिमन्यु कुमार सिंह ने वक्ता के रूप में प्रशिक्षण दिया। अभिमन्यु कुमार सिंह सी टी पी एस में नवागंतुक ई आर पी प्रणाली के नोडल कार्यकारी के रूप में भी कार्यरत हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार अभियान के दौरान कर्मचारियों को आईटी एवं साइबर सुरक्षा, साइबर हाइजीन, सार्वजनिक खरीद, जेम की नई सुविधाओं एवं कार्यप्रणालियों तथा आचरण नियम और हितों के टकराव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षित किया जाना है। इनमें सार्वजनिक खरीद क्षमता निर्माण को विशेष महत्व दिया गया है।

धनबाद पुलिस के अभियान को मिला नया सहयोग, आईआईटी - आईएसएम के छात्रों को दी गई विशेष ट्रेनिंग

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले में चलाए जा रहे विशेष साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान को अब भारत सरकार के दूरसंचार विभाग और आईआईटी - आईएसएम का भी सहयोग मिल गया है। शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ग्रामीण एसपी श्री एस. मोहम्मद याकूब ने बताया कि साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को और व्यापक बनाने के लिए दूरसंचार विभाग धनबाद पुलिस के साथ समन्वय कर काम करेगा। वहीं, आईआईटी - आईएसएम के छात्रों का एक समूह ह्यसाइबर साथीह्ल के रूप में अभियान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ग्रामीण एसपी ने बताया कि आईआईटी - आईएसएम के छात्रों को धनबाद पुलिस और दूरसंचार विभाग की ओर से साइबर सुरक्षा से संबंधित विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये छात्र अगले एक वर्ष तक जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर लगातार लोगों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करेंगे। ह्यसाइबर साथीह्ल के रूप में छात्र ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नागरिकों से संवाद कर साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों, फर्जी कॉल, लिंक, ओटीपी, डिजिटल फ्रॉड सहित अन्य साइबर अपराधों से बचने के उपायों की जानकारी देंगे।

संदिग्ध मोबाइल नंबरों की जानकारी पुलिस को देगा दूरसंचार विभाग

दूरसंचार विभाग द्वारा संदिग्ध मोबाइल नंबरों से संबंधित सूचनाएं भी लगातार धनबाद पुलिस के साथ साझा की जाएंगी। इससे साइबर अपराध में इस्तेमाल किए जा रहे मोबाइल नंबरों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने में पुलिस को मदद मिलेगी। ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब ने कहा कि वित्तीय साइबर अपराध के पीछे म्यूल बैंक अकाउंट और अवैध सिम कार्ड बड़ी चुनौती हैं। साइबर अपराधी दूसरे लोगों के बैंक खातों और मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर ठगी की रकम को इधर-उधर करते हैं। इसे रोकने के लिए धनबाद पुलिस बैंकों के साथ लगातार समन्वय और बैठक कर रही है। संदिग्ध म्यूल बैंक खातों की पहचान कर उन्हें फ्रीज कराने की दिशा में भी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि मोबाइल सिम कार्ड जारी करने के दौरान सभी टेलीकॉम कंपनियों और संबंधित विक्रेताओं को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया है। पुलिस की नजर उन बैंक कर्मचारियों, सीएसपी संचालकों और सिम कार्ड विक्रेताओं पर भी है, जो म्यूल अकाउंट या अवैध सिम उपलब्ध कराने में सहयोग कर सकते हैं। संलिप्तता अथवा गंभीर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल-कॉलेज से लेकर गांवों तक चल रहा अभियान

ग्रामीण एसपी ने बताया कि साइबर सुरक्षा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए धनबाद पुलिस द्वारा कई स्तरों पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। साइबर अपराध से बचाव को लेकर तैयार की गई पुस्तक का वितरण किया जा रहा है। स्कूल और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि चौपाल लगाकर लोगों को साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए जा रहे हैं। इसके अलावा सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों में साइबर सुरक्षा कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। प्रचार वाहनों के माध्यम से भी लोगों तक जागरूकता संदेश पहुंचाया जा रहा है। वहीं, मल्टीप्लेक्स और सिनेमा हॉल में वीडियो संदेशों के जरिए भी आम लोगों को साइबर अपराध के प्रति सतर्क किया जा रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब के अलावा दूरसंचार विभाग के सहायक महानिदेशक नीलेश कुमार सिन्हा, सहायक मंडल पदाधिकारी विशाल शाह तथा आईआईटी आईएसएम के छात्र मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com